THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 262 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.14 2082 गुरुवार, 18 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राहुल गांधी के खिलाफ केस की सुनवाई अब लखनऊ की अदालत में होगी

लखनऊ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ राहुल गांधी के खिलाफ रायबरेली में चल रहे एक मामले को लखनऊ ट्रांसफर किया जाएगा। अब इस मामले की सुनवाई लखनऊ की विशेष अदालत में होगी। इसके लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने बुधवार को सुनवाई के बाद आदेश दे दिया है। न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की एकल पीठ ने याची की स्थानांतरण अर्जी पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। दरअसल, भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता को लेकर सवाल उठाए हैं।

'2000 साल पहले से है भारत-इथियोपिया के बीच रास्ते'

* इथियोपियाई संसद में बोले पीएम मोदी * भारत-इथियोपिया के रिश्ते अब कूटनीतिक साझेदारी के स्तर पर

अदीस अबाबा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इथियोपिया दौरे के दूसरे दिन इथियोपिया के अदीस अबाबा में स्थित अदवा विजय स्मारक पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद इथियोपिया की संयुक्त संसद के सत्र को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने भारत और इथियोपिया के खास संबंद और मजबूत दोस्ती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कल मुझे इथियोपिया की तरफ से जो सम्मान मिला-निशान-ए-इथियोपिया उसके लिए मैं प्रधानमंत्री अबी अहमद का आभारी हूं। हम इथियोपिया सरकार और प्रधानमंत्री को शुक्रिया कहते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इथियोपिया दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से है। यहां इतिहास पहाड़ियों, गांवों और लोगों के दिलों में भी दिखता है।

आज इथियोपिया अपने पैरों पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि पुराने और नए का संगम यह संतुलन इथियोपिया की असम मजबूती है। यह ऊर्जा हम भारतीयों के लिए काफी परिचित है।

भारत-इथियोपिया का द्विपक्षीय रिश्तों पर भी बोले पीएम

इससे पहले इथियोपिया के संसद को संबोधित करने के दौरान उन्होंने भारत और इथियोपिया के मजबूत होते कूटनीतिक रिश्तों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत की कंपनियों ने इथियोपिया में काफी व्यापार की संभावनाएं देखी हैं। यहां भारतीय कंपनियों ने 5 अरब डॉलर से ज्यादा निवेश किया है और यहां कई लोगों को नौकरियां मुहैया कराई हैं। लेकिन मुझे विश्वास है कि हमारे व्यापारिक रिश्तों में अभी काफी संभावनाएं हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमने फैसला किया है कि हमारे द्विपक्षीय रिश्ते अब कूटनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाई जाएगी। इससे हमारी अर्थव्यवस्थाएं साझा तौर पर बढ़ेंगी। खनन, हरित ऊर्जा से लेकर कई और क्षेत्रों में हम साथ काम करेंगे।

इसके अलावा स्वास्थ्य सुरक्षा में भी हम अपने सहयोग को बढ़ाएंगे और खाद्य सुरक्षा के लिए काम करेंगे। हम कृषि क्षेत्र के लिए भी काफी काम कर सकते हैं। हम अपने ज्ञान का इस्तेमाल जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कर सकते हैं। पीएम मोदी ने बताया कि करीब 2000 साल पहले भारत और इथियोपिया के बीच समुद्र के रास्ते संपर्क बने थे। उस समय भारतीय महासागर के जरिए व्यापारी मसाले और सोना लेकर आते-जाते थे। लेकिन यह व्यापार सिर्फ सामान तक सीमित नहीं था, बल्कि विचारों और जीवनशैली का भी आदान-प्रदान होता था। उन्होंने कहा कि अदीस अबाबा और धोलावीरा जैसे बंदरगाह सिर्फ व्यापार केंद्र नहीं थे, बल्कि सभ्यताओं को जोड़ने वाले पुल थे।

ओमान के लिए निकल गए पीएम मोदी

बता दें कि इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में एक बार फिर खास नजारा देखने को मिला। इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद खुद अपनी कार चलाकर पीएम मोदी को एयरपोर्ट तक छोड़ने पहुंचे।

एयरपोर्ट पहुंचने पर प्रधानमंत्री अबी अहमद ने पीएम मोदी को विदाई दी और उनके विमान में सवार होने तक मौजूद रहे। इसके बाद पीएम मोदी ओमान के लिए रवाना हो गए।इस तरह की व्यक्तिगत विदाई को दोनों देशों के बीच मजबूत दोस्ती और आपसी सम्मान का प्रतीक माना जा रहा है।

भारत-इथियोपिया के आर्थिक रिश्तों पर भी बोले पीएम

इसके बाद पीएम मोदी ने दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों पर बात की। उन्होंने बताया कि भारतीय कंपनियां इथियोपिया में सबसे बड़े निवेशकों में शामिल हैं। अब तक भारतीय कंपनियां अलग-अलग क्षेत्रों में 5 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश कर चुकी हैं, जिससे 75 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि भारत और इथियोपिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को अब रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों के बीच सहयोग और मजबूत होगा।

अशांति के चलते भारत का बड़ा फैसला

ढाका में बंद किया गया वीजा आवेदन केंद्र

ढाका, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए भारत ने बुधवार को अपना भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) अस्थायी रूप से बंद कर दिया। यह केंद्र ढाका के जमुना फ्यूचर पार्क में स्थित है और राजधानी में सभी भारतीय वीजा सेवाओं का मुख्य, एकीकृत केंद्र माना जाता है।

बुधवार को दोपहर 2 बजे के बाद बंद किया गया केंद्र

आईवीएसी ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा हालात को ध्यान में रखते हुए बुधवार को दोपहर 2 बजे के बाद केंद्र बंद कर दिया गया। केंद्र ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन लोगों की आज आवेदन जमा करने की अपॉइंटमेंट थी, उनकी तारीख आगे के लिए पुनर्निर्धारित की जाएगी। इससे पहले नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हामिदुल्लाह को तलब किया। मंत्रालय ने ढाका में भारतीय मिशन के आसपास कुछ कट्टरपंथी तत्वों द्वारा सुरक्षा माहौल बिगाड़ने की कथित योजनाओं पर गंभीर चिंता जताई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अपने राजनयिक दायित्वों के तहत वहां स्थित भारतीय मिशनों और कार्यालयों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। साथ ही, बांग्लादेश में बिगड़ते सुरक्षा माहौल को लेकर भारत की कड़ी चिंता से भी दूत को अवगत कराया गया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब क्षेत्रीय सुरक्षा और राजनयिक संस्थानों की सुरक्षा को लेकर संवेदनशीलता बढ़ गई है।

भारत ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त को किया तलब

> ढाका में भारतीय मिशन की सुरक्षा पर जताई चिंता

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हामिदुल्लाह को तलब किया। उन्हें बांग्लादेश में बिगड़ते सुरक्षा माहौल पर भारत की गहरी चिंताओं से अवगत कराया।

विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार उन्होंने बांग्लादेश के उच्चायुक्त का ध्यान विशेष रूप से कुछ चरमपंथी तत्वों की गतिविधियों की ओर ध्यान देने को कहा, जिन्होंने ढाका में भारतीय दूतावास के आसपास सुरक्षा संकट पैदा करने की योजना की घोषणा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत बांग्लादेश में हाल ही में हुई कुछ घटनाओं के संबंध में चरमपंथी तत्वों द्वारा फैलाई जा रही झूठी कहानी को पूरी तरह से खारिज करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अंतरिम सरकार ने न तो गहन जांच की है और न ही इन घटनाओं के संबंध में भारत के साथ कोई सार्थक सबूत साझा किए हैं। इसके आगे कहा कि भारत का बांग्लादेश के लोगों के साथ घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। हम बांग्लादेश में शांति और स्थिरता के पक्षधर हैं और हमने लगातार शांतिपूर्ण

वातावरण में स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी और विश्वसनीय चुनाव कराने पर जोर दिया है। विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि उसे अंतरिम सरकार से यह उम्मीद है कि वह अपने राजनयिक दायित्वों के अनुरूप बांग्लादेश में मिशनों और दूतावासों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। यह समन राष्ट्रीय नागरिक पार्टी (एनसीपी) के नेता हसनत अब्दुल्ला द्वारा भारत विरोधी बयानबाजी जैसी घटनाओं के मद्देनजर जारी किया गया है। अब्दुल्ला ने एक सार्वजनिक भाषण में धमकी दी थी कि यदि बांग्लादेश अस्थिर होता है तो वह सात बहनों को अलग-थलग कर देंगे और पूर्वोत्तर के अलगाववादियों को शरण देंगे। अब्दुल्ला अपने कड़े भारत विरोधी रुख के लिए जाने जाते हैं। इससे पहले भारत के दिल्ली स्थित बांग्लादेश दूतावास में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ बांग्लादेश का विजय दिवस मनाया गया। उच्चायुक्त एम रियाज हामिदुल्लाह ने बांग्लादेश की अपने लोगों, विशेष रूप से युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और देश की युवा आबादी को उजागर किया।

'वैश्विक व्यापार में टैरिफ का हथियार की तरह हो रहा इस्तेमाल'

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को वैश्विक व्यापार की बदलती और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज के दौर में शुल्कों और अन्य उपायों के जरिए वैश्विक व्यापार को तेजी से 'हथियार' बनाया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस माहौल में भारत को बहुत सावधानी से अपना रास्ता तय करना होगा, और देश की समग्र आर्थिक मजबूती उसे एक अतिरिक्त लाभ प्रदान करेगी। वित्त मंत्री ने टाइम्स नेटवर्क के 'इंडिया इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2025' को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि अब यह पूरी तरह साफ हो चुका है कि वैश्विक व्यापार 'मुक्त और निष्पक्ष' नहीं रह गया है।

सीतारमण ने कहा, टैरिफ और दूसरे कई उपायों से व्यापार का हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत को ऐसी स्थिति में सावधानीपूर्वक अपना रास्ता बनाना होगा। सिर्फ टैरिफ का ध्यान

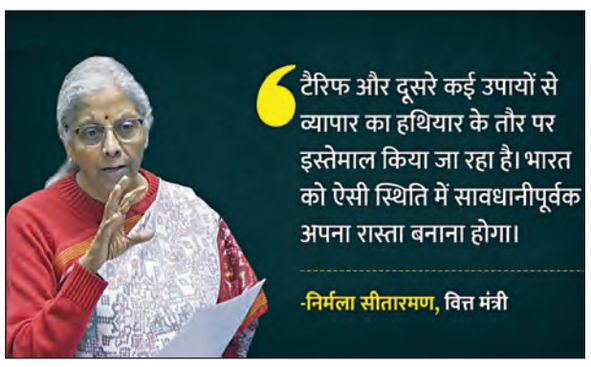

रखना ही काफी नहीं है, मुझे लगता है कि कुल मिलाकर हमारी अर्थव्यवस्था की ताकत ही हमें वह अतिरिक्त लाभ देने वाली है।

'टैरिफ किंग' के ठप्पे पर करारा जवाब

भारत पर अक्सर लगाए जाने वाले आरोपों का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा, भारत को यह कहकर लेक्चर दिया जा सकता है कि आप बहुत अंतर्मुखी हैं, आप 'टैरिफ किंग' हैं, वगैरह। लेकिन हकीकत यह है कि आज टैरिफ को ही हथियार बना दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत का इरादा कभी भी शुल्कों को हथियार बनाने का नहीं रहा। भारत ने केवल अपने घरेलू उद्योगों को उस 'बाढ़' से बचाने के लिए कदम उठाए हैं जो किसी 'शिकारी' द्वारा की जाती है। उनका इशारा उन देशों की ओर था जो अनुचित व्यापार व्यवहार के जरिए भारतीय बाजारों में अपना सामान डंप करते हैं।

बिना आलोचना के थोपे जा रहे नए प्रतिबंध

वित्त मंत्री ने वैश्विक दोहरे मापदंडों पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि आज व्यापार का यह हथियारीकरण बिना किसी आलोचना के हो रहा है। उन्होंने कहा, कुछ देश कहते हैं कि टैरिफ अच्छे नहीं हैं और किसी को भी ये उपाय नहीं करने चाहिए, लेकिन अचानक हमारे सामने नए लोग आ रहे हैं जो कह रहे हैं कि हम टैरिफ बाधाएं लगाएंगे और उन पर कोई सवाल भी नहीं उठा रहा। ऐसा लगता है कि यही अब 'न्यू नॉर्मल' बन गया है।

अमेरिका और मेक्सिको के फैसलों का असर

वित्त मंत्री की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब अमेरिका की ओर से लगाए गए भारी टैरिफ के कारण वैश्विक व्यापार बाधित हो रहा है। हाल ही में मेक्सिको ने भी उन देशों से आने वाले आयात पर उच्च शुल्क लगाने की घोषणा की है जिनके साथ उसका मुक्त व्यापार समझौता नहीं है।

इन वैश्विक गतिविधियों ने भारत जैसे देशों के लिए अपनी व्यापारिक रणनीतियों पर पुनर्विचार करना जरूरी बना दिया है।

ई-सिगरेट पीने का मामला, भाजपा ने जारी किया संसद के अंदर का वीडियो

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा के अंदर ई-सिगरेट पीने का मामला गरमाता जा रहा है। भाजपा ने बुधवार को टीएससी पर निशाना साधते हुए सदन के अंदर का वीडियो शेयर किया है। बता दें कि पिछले शुक्रवार को तृणमूल सांसद के खिलाफ भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के पास लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। भाजपा की ओर साझा किए गए इस वीडियो में टीएमसी के सांसद सदन के अंदर ई सिगरेट पीते नजर आ रहे हैं। भाजपा नेता अमित मालवीय ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि जिस टीएमसी सांसद पर भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने संसद के अंदर ई सिगरेट पीने का का आरोप लगाया है, वह कोई और नहीं बल्कि कीर्ति आजाद हैं। उनके जैसे लोगों के लिए नियम और कानून साफ तौर पर कोई मायने नहीं रखते।

बीफ टाइटल है तो बैन कर देंगे क्या?

> केंद्र सरकार पर भड़के शशि थरूर

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के सीनियर नेता और तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर ने केरल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में 19 फिल्मों की स्क्रीनिंग रोकने के केंद्र सरकार के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह लिस्ट 'नौकरशाही की तरफ से सिनेमाई समझ की असाधारण कमी' दिखाती है। थरूर ने कहा कि स्क्रीनिंग के लिए क्लियर नहीं की गई फिल्मों की ओरिजिनल लिस्ट बहुत लंबी थी। कांग्रेस नेता ने कहा कि ऑस्कर विजेता साउंड डिजाइनर और फेस्टिवल के चेयरमैन रसुल पुकुट्टी के कहने पर सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिलने के बाद कई फिल्मों को क्लियर किया गया।

बीफ फिल्म गोहत्या को लेकर नहीं

थरूर ने कहा कि आपकी एक फिल्म है जिसका नाम बीफ है। यह गायों को काटने के बारे में नहीं है। यह असल में एक रैप आर्टिस्ट के बारे में है। उन्होंने इसे इसलिए बैन कर दिया क्योंकि उन्होंने सिर्फ टाइटल देखा। थरूर ने कहा कि हमारे नौकरशाहों को अधिक समझदारी दिखानी होगी क्योंकि इससे भारत की छवि दांव पर लगी है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि अगर हम

सही तरीके से बर्ताव करेंगे तो दुनिया हमारी संस्कृति की तारीफ करेगी। उन्होंने कहा कि हमारे नौकरशाहों को सच में समझदार बनना होगा और यह समझना होगा कि यह देश उस रूलबुक से कहीं अधिक बड़ा है जिसका वे पालन कर रहे हैं।

फिलिस्तीनी फिल्मों को क्यों नहीं दी अनुमति

थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बैटलशिप पोटेमकिन जैसी क्लासिक फिल्म को क्लीयरेंस देने से मना करना, जो रूसी क्रांति पर 1928 की फिल्म है और जिसे पिछली सदी में दुनिया भर में (और भारत में भी) सचमुच करोड़ों लोगों ने देखा है, यह हास्यास्पद है। कुछ फिलिस्तीनी फिल्मों को अनुमति न देना नौकरशाही की अधिक सावधानी को दिखाता है, न कि उस सांस्कृतिक सोच को जो वर्ल्ड सिनेमा के मामले में होनी चाहिए।

'मैन्युफैक्चरिंग भारत में घट रही'

राहुल गांधी बोले-मजबूत इकोसिस्टम बनाने की जरूरत

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि निर्माण मजबूत अर्थव्यवस्थाओं की रीढ़ होती है, लेकिन दुर्भाग्य से भारत में यह लगातार कमजोर हो रही है।

उन्होंने जोर दिया कि तेज आर्थिक विकास के लिए देश को सार्थक और मजबूत मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम तैयार करने होंगे। राहुल गांधी ने यह बात जर्मनी की यात्रा के दौरान कही। म्यूनिख में बीएमडब्ल्यू वेल्ट और बीएमडब्ल्यू प्लांट म्यूनिख के गाइडेड टूर के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा किए।

'बीएमडब्ल्यू की विश्वस्तरीय मैन्युफैक्चरिंग देखना शानदार अनुभव'

उन्होंने कहा कि बीएमडब्ल्यू की विश्वस्तरीय मैन्युफैक्चरिंग को करीब से देखना एक शानदार अनुभव था।

इस दौरे की खास बात टीवीएस मोटर कंपनी की 450सीसी मोटरसाइकिल को देखना रही, जिसे बीएमडब्ल्यू के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है।

राहुल गांधी ने इसे गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि जर्मनी में भारतीय इंजीनियरिंग को प्रदर्शित होते देखना खुशी की बात है। उन्होंने कहा, 'मजबूत अर्थव्यवस्थाओं की नींव मैन्युफैक्चरिंग पर टिकी होती है। लेकिन भारत में मैन्युफैक्चरिंग घट रही है। अगर हमें विकास की रफ्तार बढ़ानी है तो हमें ज्यादा उत्पादन करना होगा, मजबूत मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम बनाने होंगे और बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण नौकरियां पैदा करनी होंगी।'

बता दें कि राहुल गांधी जमर्नी की यात्रा पर प्रोग्रेसिव अलायंस के निमंत्रण पर गए हैं। इस दौरान वे भारतीय प्रवासी समुदाय से संवाद करेंगे और जर्मन सरकार के मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे।

राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी के दौरे पर हैं, इस दौरान वे वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों से और जर्मनी सरकार के मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे।

टीडीबी के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी श्रीकुमार गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सबरीमला सोना विवाद में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बुधवार को त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी एस श्रीकुमार को गिरफ्तार किया। केरल पुलिस के मुताबिक, सबरीमला सोना चोरी मामले में एसआईटी ने देवस्वोम बोर्ड के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी एस श्रीकुमार को गिरफ्तार किया है। वर्ष 2019 में जब मंदिर के द्वार पर मूर्तियों से सोने की परत हटाई गई थी, उस समय श्रीकुमार प्रशासनिक अधिकारी के पद पर थे।

पुलिस ने बताया कि श्रीकुमार को आज अपराध शाखा कार्यालय में तलब कर पूछताछ की गई, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। श्रीकुमार की गिरफ्तारी ऐसे समय में हुई है, जब दो हफ्ते पहले केरल हाईकोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा था कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए हैं। उनके साथ ही टीडीबी की पूर्व सचिव एस जयश्री की अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज कर दी गई थी। कोर्ट ने कहा था कि अगर दोनों आरोपियों को गिरफ्तारी से पहले जमानत दी जाती है, तो मंदिर से सोने के गायब होने से जुड़े पूरे मामले की जांच प्रभावित होगी और प्रभावी जांच 'बेकार' हो जाएगी। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि श्रीकुमार और जयश्री दोनों को यह अच्छी तरह पता था कि प्लेटें मूल रूप से सोने से मढ़ी हुई थीं, इसके बावजूद उन्होंने ऐसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें उन्हें तांबे की बनी हुई बताया गया। कोर्ट की ओर से नियुक्त एसआईटी द्वारपालक (रक्षक देवता) मूर्तियों की सोने की प्लेटों और श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों के फ्रेम से सोना गायब होने से जुड़े मामलों की जांच कर रही है। इन दोनों मामलों में श्रीकुमार सातवें आरोपी हैं, जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। उनसे पहले छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

'वकील ही बन जाते हैं विशेषज्ञ'

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण संकट पर सुनवाई के दौरान एससी की टिप्पणी

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के गहराते संकट पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई की। इस दौरान दिल्ली में स्कूलों को बंद किए जाने का मुद्दा उठा। वकील मेनका गुरुस्वामी ने दलील देते हुए कहा कि हर बार जब स्कूल बंद किए जाते हैं तो गरीब बच्चों को सबसे ज्यादा नुकसान होता है, क्योंकि वे मिड-डे मील जैसी सुविधाओं से वंचित हो जाते हैं. इस पर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि हमें इस मामले को विशेषज्ञों पर छोड़ देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि स्कूलों की छुट्टियां जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि हम दुआ करते हैं कि छुट्टियां खत्म होने से पहले प्रदूषण कम हो जाए।

सुनवाई के दौरान एक वकील ने दलील देने की कोशिश की। जिस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हमारी समस्या है कि ऐसे मामलों में हमें विशेषज्ञों की सलाह कम मिलती है और उनकी जगह वकील ही विशेषज्ञ बन जाते हैं। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण संकट पर सुनवाई के दौरान मजदूरों के संगठन की ओर से पेश वकील ने भत्ते के भुगतान न होने का मुद्दा उठाया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को प्रतिबंधों के कारण बेकार बैठे निर्माण श्रमिकों की जांच करने और उनके खातों में पैसे भेजने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से प्रतिबंधों के कारण बेकार बैठे निर्माण श्रमिकों को वैकल्पिक काम उपलब्ध कराने पर विचार करने को कहा। दिल्ली सरकार ने दलील दी कि 2.5 लाख निर्माण श्रमिकों में से 7,000 का सत्यापन हो चुका है और उनके खातों में धनराशि हस्तांतरित कर दी जाएगी। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि श्रमिकों के खातों में स्थानांतरित किया गया पैसा गायब नहीं होना चाहिए, न किसी अन्य खाते में चला जाना चाहिए। सुनवाई के दौरान दिल्ली के कई टोल प्लाजा पर लगने वाले जाम के चलते होने वाले प्रदूषण का भी मुद्दा उठा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों की ओर से क्यों नहीं कहा जाता है कि जनवरी तक कोई टोल प्लाजा नहीं रहेंगे। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कल को दिल्ली सरकार कनॉट प्लेस में टोल प्लाजा बना देगी, क्योंकि उसे पैसे चाहिए। सीजेआई ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार के 9 टोल प्लाजा कुछ समय के लिए बंद किए जाने पर विचार किया जाए।

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराकर पलटी, तीन लोगों की मौत

अमरेली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के अमरेली जिले में बुधवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। जहां, बगसारा में हदाला और डेरी पिपारिया गांवों के बीच तेज रफ्तार से चल रही कार सड़क से उतरकर पेड़ से टकराकर पलट गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह घटना तड़के सुबह चार बजे की है, जब ड्राइवर ने कार का नियंत्रण खो दिया, जिससे कार सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन का अगला हिस्सा और ढांचा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। वाहन में कुल चार लोग सवार थे, जिनमें से तीन की मौके पर ही गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसे तत्काल उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस-प्रशासन की टीम पहुंची। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी और उसमें फंसे लोग अंदर ही रह गए थे। कड़ी मशक्त के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया।

खड़गे बोले- नेशनल हेराल्ड केस सिर्फ बदले के लिए

गांधी परिवार को सताया जा रहा; कोर्ट का फैसला मोदी-शाह के लिए सबक

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को नेशनल हेराल्ड मामले पर दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला किया। खड़गे ने कहा- नेशनल हेराल्ड केस सिर्फ राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित है। खड़गे ने कहा- नेशनल हेराल्ड अखबार की स्थापना 1938 में स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी, लेकिन ये लोग (भाजपा) सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों का इस्तेमाल करके कांग्रेस नेताओं को बदनाम कर रहे हैं। खासकर गांधी परिवार को सताया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा- इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई। किसी की शिकायत मात्र से जांच शुरू कर दी।

हमारा नारा है, सत्यमेव जयते। कल कोर्ट का फैसला न्याय के हित में आया है। कोर्ट का फैसला पीएम नरेंद्र मोदी और शाह के मुंह पर तमाचा जैसा है। दिल्ली के कोर्ट ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। ईडी चार्जशीट में कांग्रेस नेताओं पर नेशनल हेराल्ड की प्रकाशक कंपनी एजेएल की 2,000 करोड़ की संपत्तियों पर कब्जा करने का आरोप है।

कोर्ट बोला- ईडी ने प्रक्रिया उलट दी, पहले जांच, बाद में एफआईआर

सीबीआई ने सालों तक एफआईआर दर्ज नहीं की। ईडी भी लंबे समय ईसीआईआर दर्ज करने से बचती रही। फिर ईडी ने एफआईआर के बिना ईसीआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ईडी ने प्रक्रिया उलट दी। पहले मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की और बाद में एफआईआर कराई। पीएमएलए में पहले अपराध की जांच और फिर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच होती है। ईडी को सीबीआई की तरह इंतजार करना चाहिए था।

पीएमएलए विशेष कानून है, इसे सामान्य आपराधिक कानून के प्रावधानों से विस्तारित नहीं कर सकते। 'प्रोसीड्स ऑफ क्राइम' तभी लागू होंगे, जब आपराधिक गतिविधि का कानूनी अस्तित्व हो। एफआईआर जांच प्रक्रिया की बुनियाद होती है। निजी शिकायत इस स्तर की जांच का विकल्प नहीं। निजी शिकायतकर्ता ईडी जैसी एजेंसी के साथ 'नोडल ऑफिसर' की तरह समन्वय नहीं कर सकता।

क्या है नेशनल हेराल्ड केस

बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में एक याचिका दाखिल करते हुए सोनिया, राहुल और कांग्रेस के ही मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडीज, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे पर घाटे में चल रहे नेशनल हेराल्ड अखबार को धोखाधड़ी और पैसों की हेराफेरी के जरिए हड़पने का आरोप लगाया था। आरोप के मुताबिक, कांग्रेसी नेताओं ने नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कब्जे के लिए यंग इंडियन लिमिटेड ऑर्गेनाइजेशन नाम की संस्था बनाई, जिसकी अधिकतर हिस्सेदारी गांधी परिवार के पास है।

यंग इंडियन के जरिए नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करने वाली एजेएल का अवैध अधिग्रहण कर लिया। स्वामी का आरोप था कि ये सब दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग स्थित हेराल्ड हाउस की 2000 करोड़ की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए किया गया था। आरोप है मुताबिक, 2000 करोड़ की कंपनी को केवल 50 लाख में खरीदा गया। सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल समेत केस से जुड़े कांग्रेस के अन्य नेताओं के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग की थी। आरोपियों में से मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज की अब मौत हो चुकी है।

ईडी दोबारा चार्जशीट दाखिल करेगा

ईडी ने इस मामले में दोबारा चार्जशीट दाखिल करने की बात कही है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, कोर्ट ने यह फैसला तकनीकी आधार पर दिया है। उसने मामले के मैरिट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने इस मामले में नई एफआईआर दर्ज कर ली है, लेकिन ईडी भी अपनी जांच जारी रखेगा। दिल्ली पुलिस जैसे ही अपनी कानूनी प्रक्रिया पूरी करेगी, ईडी दोबारा चार्जशीट दाखिल करेगा।

साल 2022: सोनिया-राहुल से घंटों पूछताछ हुई थी

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने साल 2022 में राहुल गांधी और सोनिया गांधी को अपने दफ्तर कई बार बुलाकर पूछताछ की है। ईडी ने 13 जून 2022 से 17 जून 2022 तक राहुल से लगातार 5 दिनों तक, कई चरणों में करीब 50 घंटे पूछताछ की थी। सोनिया गांधी से 21 जुलाई 2022 से पूछताछ शुरू हुई। 3 दिन के दौरा, कई चरणों में 12 घंटे पूछताछ हुई थी। ईडी ने इस दौरान उनसे 100 से ज्यादा सवाल किए।

'माफी नहीं मांगूंगा', ऑपरेशन सिंदूर पर पृथ्वीराज चव्हाण के बयान से सियासी भूचाल

बीजेपी बोली- कांग्रेस का डीएनए ही सेना विरोधी

'सेना का अपमान कांग्रेस की पहचान'

चव्हाण के इस बयान के बाद भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा नेताओं ने इसे 'राष्ट्रविरोधी' और 'पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा' को बढ़ावा देने वाला बताया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, 'सेना का अपमान करना कांग्रेस का हॉलमार्क बन गया है। यह सिर्फ चव्हाण का बयान नहीं है, यह राहुल गांधी की मानसिकता को दर्शाता है। यही कारण है कि पार्टी ऐसे नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं करती।' केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, 'सेना के शौर्य को गाली देने का अधिकार किसी को नहीं है। जो लोग ऐसा करते हैं, वे राष्ट्रहित के बारे में कभी नहीं सोच सकते।' सांसद और पूर्व डीजीपी बृज लाल ने कहा, 'कांग्रेस हमेशा से पाकिस्तान समर्थक रही है। जब राहुल गांधी विदेश जाते हैं, तो भारत का अपमान करते हैं। जनता इन्हें सबक सिखाएगी।'

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर दिए गए अपने विवादित बयान पर झुकने से साफ इनकार कर दिया है। बुधवार को मीडिया से बात करते हुए चव्हाण ने दो टूक कहा, 'मैं माफी नहीं मांगूंगा। मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा है और खेद जताने की कोई जरूरत नहीं है।' चव्हाण के इस रुख ने उस आग में घी डालने का काम किया है, जिसे लेकर भारतीय जनता पार्टी संसद के चालू सत्र में कांग्रेस को घेरने की पूरी तैयारी कर चुकी है।

हाल ही में पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम में पृथ्वीराज चव्हाण ने दावा किया था कि मई में पाकिस्तान के साथ ऑपरेशन सिंदूर के पहले ही दिन भारत की हार हुई थी। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तानी सेना ने पहले दिन भारतीय सैन्य विमानों को मार गिराया था, जिसके कारण भारतीय वायु सेना (आईएएफ) पूरी तरह ग्राउंडेड हो गई थी। आज सुबह अपने बयान पर कायम रहते हुए उन्होंने कहा, 'मैं अब और कुछ नहीं कहना चाहता। लेकिन माफी नहीं मांगूंगा। इसकी कोई जरूरत नहीं है।'

कांग्रेस ने झाड़ा पल्ला, 'हमारी सेना पर हमें गर्व'

विवाद बढ़ता देख कांग्रेस पार्टी ने चव्हाण के बयान से खुद को अलग कर लिया है। झारखंड से सांसद सुखदेव भगत ने कहा, 'पृथ्वीराज चव्हाण ही अपने सूत्रों का खुलासा कर सकते हैं, लेकिन हमें अपनी सेना पर गर्व है। कांग्रेस आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सरकार के साथ है।' वहीं, प्रमोद तिवारी ने सेना की तारीफ तो की, लेकिन तंज कसते हुए याद दिलाया कि इंदिरा गांधी के राजनीतिक नेतृत्व में हमारी सेना विश्वविजेता रही है।

क्या है 'ऑपरेशन सिंदूर' की हकीकत?

ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ भारत की जवाबी सैन्य कार्रवाई थी। उस वक्त भारत ने पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने अक्टूबर में स्पष्ट किया था कि पाकिस्तान ने सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलें दागीं, जिन्हें भारत ने नाकाम कर दिया। भारत ने पाकिस्तान के कम से कम चार लड़ाकू विमान (एफ-16 और जे-17) मार गिराए और उनके रडार सिस्टम व रनवे को तबाह कर दिया। हालांकि पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने भारत के रफाल विमान को गिराया है। लेकिन एयर चीफ मार्शल ने इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे 'पाकिस्तानी जनता को बेवकूफ बनाने वाला प्रोपेगेंडा' करार दिया था। पाकिस्तान आज तक अपने दावों का कोई सबूत पेश नहीं कर पाया है।

पति के मोबाइल में मिली दूसरी महिला की 'चैट' गुस्से में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

लातूर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के लातूर जिले के पास वरवंटी शिवार इलाके में पति के दूसरी महिला के साथ मोबाइल पर चैटिंग करने से आहत होकर एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पति और ससुर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। महिला के परिजनों का आरोप है कि पति अक्सर पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था और उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। आरोप है कि ससुराल के अन्य सदस्य भी उसे लगातार परेशान कर रहे थे, जिससे वह काफी तनाव में थी। घटना वाले दिन विवाहिता के हाथ पति का मोबाइल लग गया।

मोबाइल चेक करने पर उसे पता चला कि उसका पति किसी दूसरी महिला के साथ लगातार संपर्क में था और उसके साथ आपत्तिजनक चैटिंग कर रहा था। जो पति खुद पत्नी के चरित्र पर शक करता था, वही धोखा दे रहा था, यह सच्चाई सामने आते ही महिला का गुस्सा और दुख बेकाबू हो गया।

बीएमसी चुनाव में अजित पवार को करीबी नेता की वजह से होगा बड़ा नुकसान

बीजेपी-शिवसेना ने बना लिया प्लान!

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई महानगरपालिका समेत 29 निकायों के चुनावों में अजित पवार की अगुवाई वाले नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी को तगड़ा झटका लग सकता है। दरअसल, भारतीय जनता पार्टी और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना ने एनसीपी नेता नवाब मलिक की चुनावी भूमिका को लेकर आपत्ति जताई है। दावा है कि दोनों ही दलों ने मनपा चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस के साथ गठबंधन न करने की भूमिका तैयार कर है। हालांकि सूत्रों का दावा है कि इस मुद्दे को लेकर लगातार बातचीत जारी है।

उधर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की मुंबई इकाई ने बीएमसी की सभी 227 सीटों पर पार्टी की स्थिति की रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट के मुताबिक करीब 50 सीटों पर पार्टी की स्थिति मजबूत मानी जा रही है। पार्टी अणुशक्ति नगर, भायखला, कुर्ला, मानखुर्द, बांद्रा ईस्ट-वेस्ट और चेंबूर जैसे इलाकों में अपने उम्मीदवार उतारना चाहती है। बता दें 29 नगर निकायों के लिए 15 जनवरी को मतदान होगा। वहीं 16 जनवरी को परिणाम आएंगे।

इस चुनाव में सभी दलों की प्रतिष्ठा दांव पर है। शिवसेना यूबीटी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और एनसीपी शरद पवार की एमवीए भी इन चुनावों में अपना पूरा जोर लगा रही है। हालांकि इनके बीच भी राज ठाकरे को साथ लाने पर मतभेद के दावे किए जा रहे हैं। दावा है कि अगर कांग्रेस राज ठाकरे को साथ लाने पर नहीं मानी तो ठाकरे बंधु अलग राह चुन सकते हैं। वहीं बीएमसी चुनाव से ठीक पहले मनसे पार्टी में अंतरिक विवाद देखने मिल रहा है।

पश्चिम बंगाल: हुगली में संदिग्ध हवाला ऑपरेटर के घर ईडी की छापेमारी

कोलकाता, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के रिशरा इलाके में एक घर पर 'हुंडी' सिस्टम के जरिए अवैध लेन-देन की जांच के लिए छापेमारी की। केंद्रीय जांच एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि रिशरा के लक्ष्मी पल्ली थर्ड लेन में एक घर पर छापा मारा गया। सूत्र ने यह भी कहा कि वहां कथित तौर पर एक हवाला ऑपरेटर रहता था।

ईडी के अधिकारी जांच कर रहे हैं कि क्या उसके बिजनेस में कोई गैर-कानूनी लेन-देन शामिल था। ईडी सूत्रों के अनुसार, तीन गाड़ियों में छह सीआईएसएफ के जवानों के साथ ईडी के पांच अधिकारी घर में घुसे। जानकारी के अनुसार, काफी समय से पूछताछ चल रही है और ईडी के अधिकारी घर की तलाशी ले रहे हैं और परिवार के

सदस्यों से पूछताछ कर रहे हैं। ऐसा समझा जा रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय की यह रेड हुंडी सिस्टम के जरिए अवैध लेन-देन के आरोपों की जांच से जुड़ी है।

यह ध्यान देने वाली बात है कि हुंडी ट्रेडिंग में पारंपरिक भारतीय फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स का इस्तेमाल बिल ऑफ एक्सचेंज, प्रॉमिसरी नोट या पैसे भेजने के साधनों के तौर पर किया जाता है ताकि बैंकिंग सिस्टम को बाइपास कर पैसे या क्रेडिट ट्रांसफर किया जा सके। यह हवाला जैसे भरोसे के नेटवर्क और पेमेंट के लिए हाथ से लिखे ऑर्डर पर निर्भर करता है और व्यापार, लोन और फंड भेजने के लिए एक अनौपचारिक, समानांतर अर्थव्यवस्था में काम करता है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि यह परिवार काफी समय से इलाके में रह रहा है, लेकिन उनसे उनकी ज्यादा बातचीत नहीं होती है। लोगों की इस बात से शक और बढ़ गया कि यह परिवार हुंडी ट्रेडिंग सिस्टम के जरिए कुछ गैर-कानूनी लेन-देन में शामिल हो सकता है। एक स्थानीय निवासी ने मीडिया को बताया कि सुबह-सुबह इलाके में सेंट्रल फोर्स के जवानों को देखकर हम हैरान रह गए। फिर हमें पता चला कि ईडी के अधिकारी यहां एक घर में रेड कर रहे हैं। जिस घर में रेड हो रही है, उस घर के लोग स्थानीय लोगों से ज्यादा बातचीत नहीं करते। इसलिए, हमें उस परिवार के बारे में या वे किस बिजनेस में शामिल हैं,

नाबालिग से दरिंदगी! पहले शराब पिलाई फिर लॉज में ले जाकर किया रेप

रत्नागिरी, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के गुहागर से एक बेहद चौंकाने वाली और शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां एक नाबालिग लड़की को समुद्र तट पर ले जाकर एक युवक ने शराब पिलाई और उसके साथ रेप किया। इसके बाद आरोपी ने लड़की को रात में जबरदस्ती एक लॉज में भी ले गया। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना के बाद लड़की पूरी रात घर नहीं लौटी।

परेशान माता-पिता ने तुरंत गुहागर पुलिस स्टेशन में बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, अगले दिन दोपहर में लड़की खुद किसी तरह घर पहुंची। उसकी हालत देखकर माता-पिता के होश उड़ गए। पूछताछ के दौरान लड़की ने पूरी आपबीती बताई, जिससे यह गंभीर मामला सामने आया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी का नाम प्रितेश सुर्वे (उम्र 29) है।

खेल मंत्री माणिकराव कोकाटे को बड़ा झटका

2 साल की सजा बरकरार, अरेस्ट वारंट जारी

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के खेल मंत्री माणिकराव कोकाटे की मुश्किलें बढ़ गई हैं।नासिक की सेशंस कोर्ट ने धोखाधड़ी के मामले में मंत्री और उनके भाई के खिलाफ 2 साल को बरकरार रखा है। दरअसल, ये मामला 1998 में कम इनकम दिखाकर 10% ईडब्ल्यूएस कोटे के तहत फ्लैट हासिल करने का है। कोर्ट ने माणिकराव कोकाटे और उनके भाई विट्ठल कोकाटे को हाउसिंग कोटा धोखाधड़ी मामले में दो साल की सश्रम कैद की सजा सुनाई गई थी। इनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। अब इन्हें कभी भी गिरफ्तार किया जा सकता है। इनके भाई-बहनों ने दो फ्लैट हासिल किए थे। हालांकि, कोर्ट ने महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी और डिप्टी कलेक्टर को कोकाटे भाइयों को फ्लैट का अलॉटमेंट कैंसिल करने और फिर से अलॉट करने के ट्रायल कोर्ट के निर्देश को खारिज कर दिया।

फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट कोर्ट ने कोकाटे को दो साल जेल की सजा सुनाई थी और उन पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया था। यह मामला 30 साल से भी ज़्यादा पुराना है। उन्होंने फर्जी डॉक्यूमेंट का इस्तेमाल करके कम इनकम ग्रुप कैटेगरी के लिए बने एक फ्लैट को अलॉट कराया। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पाया था कि कोकाटे और उनके भाई, विजय कोकाटे ने मुख्यमंत्री के विवेकाधीन कोटे के तहत धोखाधड़ी से दो फ्लैट लिए थे। इस मामले में उन्हें बाद में जमानत मिल गई थी। इस मामले में बाद में वे सेशंस कोर्ट गए थे। लेकिन, जिला सेशंस जज पीएम। बदर ने उनकी इस सजा को बरकरार रखा।

यह केस को पूर्व मंत्री और शिवसेना नेता तुकाराम ने दायर किया था। उन्होंने कोकाटे भाइयों पर नासिक के येओलेकर माला में कॉलेज रोड पर स्थित निर्माण व्यू अपार्टमेंट में धोखे से फ्लैट पाने के लिए डॉक्यूमेंट में हेराफेरी करने का आरोप लगाया था। नासिक जिले के सिन्नर से पांच बार विधायक रहे माणिकराव कोकाटे फिलहाल अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ हैं। फैसले के बाद विपक्ष ने उनकी तत्काल अयोग्यता और कैबिनेट से हटाने की मांग की है। एनसीपी (एसपी) नेता रोहित पवार ने मांग की है कि सरकार को तुरंत कोकाटे को उनके पद से हटा देना चाहिए।

टीवीके प्रमुख विजय का आज इरोड में कार्यक्रम, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

इरोड, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु वेट्री कजगम (टीवीके) प्रमुख विजय के गुरुवार को तमिलनाडु के इरोड दौरे से पहले, पुलिस और आयोजकों की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। टीवीके के मुख्य समन्वयक के.ए। सेंगोत्तैयान की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, पुलिस ने सुरक्षा से संबंधित कई निर्देश जारी किए हैं, जिन्हें पूरी तरह से लागू किया जा रहा है। पूर्व तमिलनाडु मंत्री और वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी पुलिस की ओर से मांगे गए सुरक्षा इंतजामों से कहीं ज्यादा इंतजाम कर रही है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा को एक ऐसे स्तर तक बढ़ा दिया गया है कि ये इंतजाम राज्य में सार्वजनिक सभाओं के लिए एक मिसाल कायम करेंगे। सुरक्षा योजना के तहत, कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्यक्रम स्थल और उसके आस-पास लगभग 1,500 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए 14 जगहों पर एंट्री और एग्जिट पॉइंट बनाए गए हैं।

बयान में कहा गया है कि निगरानी उपायों के तहत कार्यक्रम स्थल पर रणनीतिक जगहों पर 60 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एक व्यापक मेडिकल सेटअप भी तैयार किया गया है, जिसमें 72 डॉक्टर, 120 नर्स और 24 एम्बुलेंस मौके पर तैनात रहेंगी।

जबलपुर में खनन कारोबारी के घर आयकर का छापा

इंदौर-भोपाल की टीमें कर रही सर्चिंग कटनी और सतना में भी कार्रवाई

इंदौर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भोपाल आय से अधिक संपत्ति के मामले में आयकर विभाग की टीम ने बुधवार को जबलपुर में बड़ी छापामार कार्रवाई की। सिविल लाइन स्थित खनन कारोबारी राजीव चड्ढा के घर आयकर विभाग की टीम अचानक पहुंची और सर्चिंग शुरू कर दी। इसके साथ ही कटनी में जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं भाजपा नेता अशोक विश्वकर्मा तथा उनके तीन भाईयों के ठिकानों और सतना में भी एक साथ छापे मारे गए हैं।

तीनों ही स्थानों पर इंदौर और भोपाल से आई आयकर विभाग की टीमें कार्रवाई कर रही हैं। जब आयकर विभाग की टीम सिविल लाइन स्थित कारोबारी के घर पहुंची, तो उनकी कार पर 'स्वच्छता जागरूकता अभियान 2025' का पोस्टर लगा हुआ था। इसे देखकर कारोबारी के चौकीदार को पहले लगा कि नगर निगम की टीम किसी सर्वे के लिए आई है, लेकिन कुछ ही देर में स्पष्ट हो गया कि यह आयकर विभाग की छापामार कार्रवाई है।

सूत्रों के अनुसार खनन कारोबारी राजीव चड्ढा और उनके कुछ साथियों के खिलाफ आयकर विभाग को शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन्हीं शिकायतों के आधार पर जबलपुर, कटनी और सतना में एक साथ कार्रवाई की गई है। आयकर विभाग की टीमें फिलहाल कारोबारियों के घर और कार्यालयों में दस्तावेजों की जांच कर रही हैं। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति, टैक्स चोरी और अवैध लेन-देन से जुड़े मामलों को लेकर की जा रही है। सर्चिंग के दौरान क्या-क्या सामने आता है, इसको लेकर फिलहाल आयकर विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

कटनी जिला पंचायत उपाध्यक्ष व भाजपा नेता अशोक विश्वकर्मा और अन्य तीन भाइयों के ठिकानों पर सुबह आयकर विभाग ने कार्रवाई की है। आयकर विभाग की टीम ने अशोक विश्वकर्मा के निवास, फर्म और बॉक्साइट माइनिंग से जुड़े विभिन्न ठिकानों पर एक साथ छापा मारा। विश्वकर्मा माइनिंग कारोबारी हैं और उनकी फर्म वीएमसी विश्वकर्मा माइंस के नाम से संचालित है। विश्वकर्मा और उनके अन्य तीन भाइयों के जलपा वार्ड स्थित घर फर्म ग्राम टिकरिया और सिघनपुरी में खदान है।

दिल्ली पुलिस ने दबोचे अनमोल बिश्नोई गैंग के 5 खूंखार शूटर

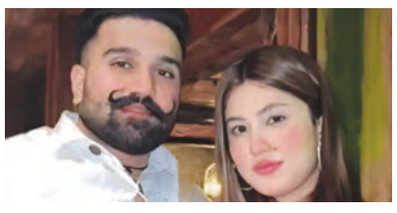

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को बड़ी कामयाबी मिली है। दिल्ली पुलिस ने कुख्यात आर्जू-अनमोल बिश्नोई और हैरी बॉक्सर गैंग से जुड़े पांच खतरनाक अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, जिन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है, वे इंदरप्रीत सिंह उर्फ पैरी, राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी सोनू नोल्टा और लाइन बार एंड रेस्टोरेंट के मालिक आशु महाजन की हत्या में शामिल रहे हैं। इन सभी शूटर्स को लंबे समय से पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ पुलिस ढूंढ़ रही थी।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल का कहना है कि यह गिरोह सुपारी किलिंग, गैंगवार और संगठित अपराध में सक्रिय था। आरोपियों की गिरफ्तारी से गैंग के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। पुलिस अब इनके हथियार सप्लायर, फंडिंग और अन्य साथियों की तलाश में जुटी है। दिल्ली पुलिस की इस कार्रवाई से बिश्नोई गैंग के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। बता दें, ताजा मामला चंडीगढ़ में इंद्रप्रीत सिंह उर्फ पैरी की हत्या का है, जिनमें ये अपराधी शामिल थे। बिश्नोई गैंग ने उनकी एसयूवी पर हमला कर दिया था। बिश्नोई गैंग ने इंद्रप्रीत सिंह को 'गद्दार' बताया था। इंद्रप्रीत की करीब 11 राउंड फायरिंग करके हत्या कर दी गई थी। इससे पहले इसी गैंग ने नेशनल कबड्डी प्लेयर सोनू नोल्टा की पिंजौर में जून 2025 में गोली मारकर हत्या की थी। इस मर्डर केस की बिश्नोई गैंग ने वीडियो जारी करके जिम्मेदारी ली थी। हीं, तीसरा मर्डर केस सितंबर 2025 में अमृतसर में हुआ।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
गुरुवार, 18 दिसंबर, 2025 3

सुविचार
औकात से ज्यादा अगर बिना मेहनत के मिल जाए, तो आँखे अंधी और आत्मा बहरी हो जाती है!

अपराध नियंत्रण में सीमाएं बाधा न बनें : पुलिस आयुक्त

तीनों कमिश्नरेट के वरिष्ठ अधिकारियों की समन्वय बैठक

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद महानगर में शांति-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण के मामलों में पुलिस थानों या कमिश्नरेटों की सीमाएँ किसी भी तरह की बाधा नहीं बननी चाहिए। पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने और अपराध की सूचना मिलते ही तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए ज़ीरो डिले नीति को जमीनी स्तर पर और अधिक सख़्ती से लागू किया जाए। यह निर्देश हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने दिए। बुधवार को बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (टी-आईसीसीसी) में तीनों कमिश्नरेटों हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा के वरिष्ठ अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने की।

इसमें साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती, तथा राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू शामिल हुए। बैठक में शहर की सुरक्षा, ट्रैफिक समस्याओं और अपराधियों की आवाजाही पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि तकनीक के तेज़ी से बदलते दौर में अपराधी एक कमिश्नरेट क्षेत्र में अपराध कर दूसरे कमिश्नरेट में शरण ले रहे हैं। ऐसे में अधिकार क्षेत्र के नाम पर किसी भी तरह की देरी अपराधियों को लाभ पहुँचा सकती है। पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट किया कि निचले स्तर के कर्मियों के बीच किसी भी प्रकार का संचार अंतर नहीं होना चाहिए और अपराध चाहे कहीं भी हो, नज़दीकी पुलिस तुरंत कार्रवाई करे। तीनों कमिश्नरेटों के बीच राउडीशीटरों और पुराने अपराधियों की गतिविधियों पर संयुक्त निगरानी रखने, खुफिया सूचनाओं को साझा करने और नियमित सूचना-विनिमय की पुख़्ता व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए गए। अपराधियों द्वारा बार-बार ठिकाने बदलने की प्रवृत्ति को देखते हुए उनकी हर गतिविधि पर सतत नज़र रखने पर ज़ोर दिया गया।

बैठक में ट्रैफिक प्रबंधन को लेकर भी अहम निर्णय लिए गए। तीनों कमिश्नरेट क्षेत्रों में नियमों का सख़्ती से पालन, शहर में प्रवेश करने वाले भारी वाहनों के नो-एंट्री समय को एक समान लागू करने और पीक ऑवर्स में इन्हें शहर की सीमा के बाहर ही रोकने पर सहमति बनी। सप्ताहांत में शराब पीकर वाहन चलाने वालों को रोकने के लिए तीनों क्षेत्रों में एक साथ संयुक्त जांच अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा, लंबित चालानों की वसूली के लिए एक साथ स्पेशल ड्राइव चलाने, सीमा जंक्शनों पर सिग्नल टाइमिंग को लेकर संबंधित कमिश्नरेटों के ट्रैफिक पुलिस के बीच रियल-टाइम समन्वय सुनिश्चित करने और निजी ट्रैवल बसों से उत्पन्न ट्रैफिक समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए संयुक्त कदम उठाने पर भी चर्चा हुई। पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने कहा कि जब अपराधियों के लिए सीमाएँ नहीं होतीं, तो पुलिस के लिए भी नहीं होनी चाहिए। ज़ीरो डिले नीति के ज़रिए पीड़ितों को त्वरित न्याय देना हमारी प्राथमिकता है। भले ही तीन कमिश्नरेट अलग-अलग हों, लेकिन लक्ष्य एक ही है, सेफ हैदराबाद। तकनीक का प्रभावी उपयोग करते हुए यदि हम एक सिंगल फोर्स की तरह काम करें, तो अपराध पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सकती है। साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने कहा कि हैदराबाद तेज़ी से विस्तार कर रहा है, विशेषकर आईटी कॉरिडोर और फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट जैसे क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण और ट्रैफिक प्रबंधन के लिए तीनों कमिश्नरेटों का समन्वय बेहद आवश्यक है। आधुनिक तकनीक और सीसीटीवी नेटवर्क के एकीकरण से अपराधियों की गतिविधियों पर रियल-टाइम निगरानी संभव है। राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू ने संयुक्त टीमों के गठन पर ज़ोर देते हुए कहा कि पुराने अपराधियों की निगरानी और गांजा जैसे अवैध गतिविधियों पर रोक के लिए सूचनाओं का आदान-प्रदान बेहद अहम है। इस बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त एम. श्रीनिवासुलु, संयुक्त आयुक्त तफ़सीर इक़बाल, जोएल डेविस, गजराव भूपाल सहित तीनों कमिश्नरेटों के डीसीपी भी उपस्थित रहे।

बालापुर में युवक की चाकू मारकर हत्या

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को बालापुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के रॉयल कॉलोनी में अज्ञात हमलावरों ने एक युवक की बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान मुर्शीद के रूप में हुई है। उस पर चाकू से कई वार किए गए, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, हत्या के पीछे पुरानी दुश्मनी बताई जा रही है, जिसका कारण लेनदेन से जुड़ा विवाद माना जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही बालापुर पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके को घेरकर जांच शुरू की। फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्र किए गए। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश के साथ ही घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

कार झोपड़ी में घुसी, दो की मौत, एक गंभीर

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार सुबह मैलार्देवपल्ली थाना क्षेत्र के दुर्गा नगर में एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे पानी विक्रेता की झोपड़ी में जा घुसी। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान दीपक (25) और प्रभु महाराज (60) के रूप में हुई है। दोनों मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। दीपक की मौके पर ही गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई, जबकि प्रभु महाराज ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में घायल तीसरे व्यक्ति सधुनाथ (27) को गंभीर हालत में उस्मानिया जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना सुबह करीब 5 बजे हुई। एपी09 बीपी 9444 नंबर की इनोवा कार आउटर रिंग रोड से दुर्गा नगर की ओर जा रही थी। तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण दुर्गा नगर मैदान के पास चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और कार झोपड़ी में जा घुसी।

उस समय तीनों लोग झोपड़ी में सो रहे थे। मैलार्देवपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कार चालक की पहचान कर उसे हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हादसा तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुआ।

विशेष मुख्य सचिव ने नए उच्च न्यायालय परियोजना की समीक्षा की

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के परिवहन, सड़क एवं भवन विभाग के विशेष मुख्य सचिव विकास राज ने बुधवार को राजेंद्रनगर में निर्माणाधीन नए उच्च न्यायालय भवन परिसर के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों, परामर्शदाताओं तथा ठेकेदार को निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। श्री राज ने मुख्य अभियंता (भवन एवं विद्युत), आरएंडबी विभाग के फील्ड इंजीनियरों, ठेकेदार एम/एस डी.ई.सी. इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स (इंडिया) प्रा. लि. तथा परामर्शदाता एम/एस टीम वन इंडिया प्रा. लि. के प्रतिनिधियों के साथ निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों की गति, क्रमबद्धता और गुणवत्ता का आकलन करते हुए परियोजना के विभिन्न घटकों के लिए स्पष्ट समय-सीमाएं तय कीं। तेलंगाना सरकार की यह महत्वाकांक्षी न्यायिक अवसंरचना परियोजना 2,583 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत की गई है, जिसका कुल निर्मित क्षेत्र 36.52 लाख वर्ग फुट होगा। इसमें से 1,980 करोड़ सिविल, विद्युत एवं एमईपी कार्यों के लिए तथा 603 करोड़ रुपए फर्नीचर और संचालन उपकरणों के लिए निर्धारित हैं। परियोजना को जीओ आरटी नंबर 827 (दिनांक 7 दिसंबर 2024) के माध्यम से प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। समीक्षा बैठक के दौरान श्री राज ने परामर्शदाताओं को निर्देश दिया कि वे विस्तृत निर्माण ड्रॉइंग समय से पहले प्रस्तुत करें, ताकि मानव संसाधन, सामग्री और मशीनरी की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित हो सके तथा समय और लागत में वृद्धि से बचा जा सके। उन्होंने मुख्य अभियंता (भवन), परामर्शदाताओं और ठेकेदार को संयुक्त रूप से एक समग्र पूर्णता कार्यक्रम तैयार करने तथा विभागीय अधिकारियों को नियमित समीक्षा के माध्यम से प्रगति की कड़ी निगरानी करने के निर्देश दिए। ठेकेदार को अनुबंधित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए कार्यों में तेजी लाने को कहा गया, जबकि परामर्शदाताओं को न्यायिक अधिकारियों से परामर्श कर संशोधित योजनाओं को शीघ्र अंतिम रूप देकर आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही, श्री राज ने मुख्य अभियंता (भवन) को ज़ोन-2 क्षेत्रों से संबंधित वन स्वीकृतियों सहित सभी वैधानिक अनुमतियों में तेजी लाने को कहा। समन्वय पर बल देते हुए विशेष मुख्य सचिव ने विभाग, परामर्शदाताओं और ठेकेदार के बीच घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता रेखांकित की, ताकि डिज़ाइन परिवर्तनों के कारण हुई देरी की भरपाई की जा सके और उच्च न्यायालय परियोजना को समय पर पूरा किया जा सके।

एयर होस्टेस के साथ दुर्व्यवहार के आरोप में यात्री गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आरजीआईए चौकी पुलिस ने दुबई से आ रही एक फ्लाइट में एयर होस्टेस के साथ कथित दुर्व्यवहार करने के आरोप में 58 वर्षीय बालकृष्णन रमेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार को हुई थी, और बाद में इसकी जानकारी मिली। आरोपी शराब के नशे में था और उड़ान के दौरान जानबूझकर एयर होस्टेस को अभद्र तरीके से छू गया। एयरलाइन अधिकारियों की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जिसने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

बोम्मईपल्ली स्टेशन पर मुख्य ट्रेनों के ठहराव की मांग

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भुवनगिरी लोकसभा सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से तेलंगाना के भुवनगिरी के पास स्थित बोम्मईपल्ली रेलवे स्टेशन पर मुख्य लाइन की ट्रेनों को ठहराव (हॉल्ट) देने का अनुरोध किया है। उन्होंने इसे लंबे समय से लंबित जन मांग बताते हुए बोम्मईपल्ली को हॉल्ट स्टेशन घोषित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बोम्मईपल्ली, भुवनगिरी के पास दूसरा रेलवे स्टेशन है और सिकंदराबाद से नडिकुडी होते हुए गुंटूर जाने वाली ट्रेनों के लिए एक महत्वपूर्ण जंक्शन है। रणनीतिक महत्व के बावजूद वर्तमान में इस स्टेशन पर किसी भी मुख्य लाइन ट्रेन का ठहराव नहीं है। सांसद ने बताया कि भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित प्रमुख तीर्थ स्थल स्वर्णगिरि मंदिर, जो प्रतिदिन लगभग एक लाख श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है, बोम्मईपल्ली रेलवे स्टेशन के ठीक पास स्थित है। इसके अलावा, एम्स , बीबीनगर यहां से मात्र 8 किलोमीटर की दूरी पर है और विश्व प्रसिद्ध यादाद्री (भगवान नरसिंह) मंदिर, जिसे तेलंगाना तिरुपति के नाम से जाना जाता है, भी निकट ही स्थित है। चमाला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि बोम्मईपल्ली स्टेशन पर मुख्य लाइन ट्रेनों का ठहराव मिलने से यात्रियों, तीर्थयात्रियों, दैनिक यात्रियों, छात्रों, कार्यालय जाने वालों, व्यापारियों और किसानों को काफी लाभ होगा। इससे मंदिर पर्यटन, वस्त्र व्यापार, कृषि विपणन और स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भुवनगिरी क्षेत्र का समग्र विकास होगा। उन्होंने बोम्मईपल्ली रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण और उन्नयन की भी मांग की, जिसमें प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, पेयजल सुविधा, खुदरा दुकानें और पर्याप्त वाहन पार्किंग जैसी यात्री सुविधाएं शामिल हों। इससे रेलवे को अतिरिक्त राजस्व प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी।

बीआरएस विधायकों की अयोग्यता याचिकाएं खारिज

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने बुधवार को बीआरएस द्वारा उन विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया, जो बीआरएस के चुनाव चिन्ह पर निर्वाचित होने के बाद कांग्रेस में शामिल हो गए थे। अध्यक्ष ने दोपहर करीब 3.30 बजे फैसला सुनाते हुए कहा कि विधायकों को दलबदलू घोषित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। सूत्रों के अनुसार, बीआरएस के नेता और उनके वकील अभी भी राज्य विधानसभा में अध्यक्ष से फैसले पर मुलाकात का इंतजार कर रहे हैं।

वहीं, बीआरएस ने सर्वोच्च न्यायालय में अध्यक्ष के आदेश को चुनौती देने की योजना की पुष्टि की है।

पहले चरण में इस फैसले में पांच विधायकों-तेल्लम वेंकट राव, बंदला कृष्णमोहन रेड्डी, प्रकाश गौड़, गुडेम महिपाल रेड्डी और अरेकापुडी गांधी-के खिलाफ याचिकाएं शामिल थीं। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय चार सप्ताह की समय सीमा समाप्त होने से एक दिन पहले आया, जिसमें स्पीकर को देरी के लिए कई बार फटकार लगाई गई थी और अवमानना की चेतावनी दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 21 अक्टूबर को समाप्त होने वाली तीन महीने की समय सीमा तय की थी, जिसका पालन नहीं होने पर स्पीकर पर कड़ी टिप्पणियां की गई थीं। बीआरएस ने 10 विधायकों के दलबदल की जांच न किए जाने का आरोप लगाते हुए कोर्ट का रुख किया था। 10 विधायकों को नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन केवल आठ ने जवाब दिया। कादियम श्रीहरि ने और समय मांगा, जबकि दानम नागेंद्र ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई उनके भविष्य का फैसला करने में अहम भूमिका निभाएगी।

बीसी आरक्षण विधेयक को मंज़ूरी देने की अपील, बीसी जेएसी की केंद्र से मांग

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पिछड़ा वर्ग संयुक्त कार्रवाई समिति (बीसी जेएसी) के अध्यक्ष जाजुला श्रीनिवास गौड़ ने केंद्र सरकार से तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण विधेयक को संसद में मंज़ूरी देने की अपील की है। बीसी जेएसी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को बीआरएस सांसद वड्डीराजू रविचंद्र के नेतृत्व में संसद में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार से मुलाकात कर पाँच प्रमुख मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा।

गौड़ ने कहा कि यह आरक्षण विधेयक लंबे समय से चले आ रहे बीसी आंदोलनों का परिणाम है, जिसके चलते डेडिकेटेड कमीशन का गठन हुआ और तेलंगाना में व्यापक जाति जनगणना कराई गई। उन्होंने बताया कि भाजपा, टीआरएस, सीपीआई, एमआईएम और टीजेएस सहित सभी दलों के समर्थन से विधानसभा ने सर्वसम्मति से इस विधेयक को पारित किया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा इसके क्रियान्वयन में बाधा बन रही है और केंद्र से संविधान संशोधन कर 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण को कानूनी वैधता देने का आग्रह किया।

इस अवसर पर बीआरएस सांसद वड्डीराजू रविचंद्र ने कहा कि तेलंगाना में बड़ी आबादी होने के बावजूद बीसी समुदाय को शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में गंभीर अन्याय झेलना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि बीसी आरक्षण कानून को मंज़ूरी दिलाने के लिए संसद में पहले ही एक प्राइवेट बिल पेश किया जा चुका है।

प्रतिनिधिमंडल की बातों का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार बीसी आरक्षण के विरोध में नहीं है, लेकिन इंदिरा साहनी फैसले के मद्देनज़र इस मामले की सावधानीपूर्वक समीक्षा की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार अगले वर्ष राष्ट्रीय जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने की योजना बना रही है और इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चर्चा करने का आश्वासन दिया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 14503897Y, NK(TS), Mohammed Abdul Gaffar Khan, R/o, Dist; Hyderabad, Telangana, changed my name from Mohammed Abdul Gaffar Khan to Mohd Abdul Gaffar Khan, vide Affidavit No.BN 820611 dt. 16.12.2025, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I, Tejeswini, W/o, No. 14668108K, Hav, Dinesh Rajguru, R/o, Dist: Chhindwara, Madhya Pradesh, changed my name from Tejeswini to Tejaswini Rajguru, vide Affidavit No. BN 820619 dt. 16.12.2025, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I , Gurmail Kaur, Mother of No. 17015420W, Hav, Gagandeep Singh, R/o, Dist: Mansa, Punjab, changed my name from Gurmail Kaur to Gurmel Kaur,vide Affidavit No. 282924 dt. 15.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Sri Ram Sanehi, Father of JC 770286K, Sub, Ashok Kumar, R/o, Dist: Kanpur, U P, changed my name from Sri Ram Sanehi to Ram Sanehi,vide Affidavit No. 282929 dt. 15.12.2025, before, Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , Kuki Devi, Mother of JC 768579W, Sub, Jai Prakash, R/o, Dist: Pauri Garhwal, Uttarakhand, changed my name from Kuki Devi to Kukki Devi , vide Affidavit No.282940 dt.16.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बिरला मंदिर में एनएसजी का मॉक ड्रिल

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड ने मंगलवार रात बिरला मंदिर में एक मॉक सुरक्षा अभ्यास किया। यह अभ्यास संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा तैयारियों और प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया। अधिकारियों के अनुसार, अभ्यास का मकसद मानक संचालन प्रक्रियाओं की जांच करना, संभावित खतरों से निपटने की व्यवस्था का आकलन करना और किसी भी आतंकी आपात स्थिति में सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना था। मॉक ड्रिल के दौरान धार्मिक और सार्वजनिक स्थल पर नकली खतरे की स्थिति बनाई गई। इसमें त्वरित हस्तक्षेप, इलाके पर नियंत्रण, लोगों की सुरक्षित निकासी और खतरे को निष्क्रिय करने की प्रक्रियाओं का परीक्षण किया गया। अभ्यास में शामिल एनएसजी के विशेष रूप से प्रशिक्षित कमांडो ने तेज तैनाती और रणनीतिक कार्रवाई का प्रदर्शन किया। यह मॉक अभ्यास स्थानीय पुलिस और मंदिर प्रशासन के साथ समन्वय में किया गया, ताकि श्रद्धालुओं और आम लोगों की सुरक्षा बनी रहे और उन्हें कम से कम असुविधा हो।

कांग्रेस और बीआरएस कार्यकर्ताओं में झड़प

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी के नारायणखेड़ मंडल के जुकाल थंडा में मंगलवार रात कांग्रेस और बीआरएस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। बताया जा रहा है कि कांग्रेस कार्यकर्ता गांव में मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी बांट रहे थे, जिसे रोकने के लिए बीआरएस कार्यकर्ता पहुंचे। इसके बाद दोनों पक्षों में झड़प हुई। घटना में बीआरएस कार्यकर्ताओं की दो कारों को भी नुकसान पहुंचा। बीआरएस कार्यकर्ता रवि नायक, मारुति नायक, रामुलु महाराज, लक्ष्मीबाई, राजू, लक्ष्मण राव और देवी सिंह गंभीर रूप से घायल हुए, जिनमें से तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है। सभी घायलों को नारायणखेड़ अस्पताल में भर्ती कराया गया। पूर्व विधायक और वरिष्ठ बीआरएस नेता एम. भूपाल रेड्डी ने गांव का दौरा कर घटना की निंदा की। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर चुनाव हार के डर से हिंसा करने का आरोप लगाया और पुलिस से हमले में शामिल लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज करने की मांग की। रेड्डी ने बीआरएस कार्यकर्ताओं को हर संभव समर्थन का आश्वासन भी दिया।

ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी में 32 लाख रुपये के घोटाले का आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग धोखाधड़ी के एक मामले में अंसारी मोहम्मद उमर मुराद उर्फ उमर (21) को गिरफ्तार किया है। इस घोटाले में पीड़ित को लगभग 32 लाख रुपये का नुकसान हुआ और आरोप है कि इसमें क्रिप्टोकरेंसी चैनलों के माध्यम से काम करने वाले एक चीनी नागरिक का भी सहयोग था।

उमर मुंबई का निवासी है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित को सोशल मीडिया पर एक विज्ञापन मिला, जिसमें झूठा दावा किया गया कि यह आदित्य बिरला समूह से जुड़ा है। लिंक पर क्लिक करने के बाद पीड़ित को व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया, जो खुद को स्टॉक और आईपीओ सलाहकार प्लेटफॉर्म बता रहा था। एक महिला ने खुद को ट्रेडिंग सलाहकार बताकर पीड़ित को फर्जी एप्लिकेशन और वेबसाइट के जरिए निवेश करने के लिए राजी किया।

एप्लिकेशन में फर्जी आईपीओ आवंटन और बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए मुनाफे के कारण पीड़ित ने विभिन्न बैंक खातों में 32 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब पीड़ित ने अतिरिक्त 1 करोड़ रुपये जमा करने से इनकार किया, तो एप्लिकेशन काम करना बंद कर दिया और धोखाधड़ी उजागर हो गई। पुलिस ने बताया कि उमर का टेलीग्राम के जरिए चीनी नागरिक से संपर्क था और उसने धोखाधड़ी से कमाए गए पैसे को क्रिप्टोकरेंसी में बदलने में मदद की। अन्य गिरफ्तार आरोपियों के साथ मिलकर उसने लगभग 50 लाख रुपये को यूएसडीटी में बदलकर चीनी एजेंट द्वारा दिए गए क्रिप्टो वॉलेट में भेजा। एक अन्य संदिग्ध ने फर्जी बैंक खातों की सुविधा प्रदान की और कथित तौर पर 12 लाख रुपये निकाले, जिसमें से कमीशन काटकर धोखाधड़ी नेटवर्क को दिया। साइबर पुलिस ने उमर के मोबाइल और लैपटॉप जब्त किए, जिससे टेलीग्राम चैट, बैंक विवरण और क्रिप्टो लेनदेन के प्रमाण मिले। जांच में पता चला कि संदिग्ध भारत के तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल और पश्चिम बंगाल में कम से कम 12 इसी तरह के मामलों में शामिल है।

एयर गन की गोली से घायल तीन साल के बच्चे का सफल इलाज

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित शंकर आई हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने तीन वर्षीय बच्चे का सफल इलाज किया, जिसकी आंख के पास गलती से एयर गन की गोली लगी थी। घटना उस समय हुई जब बच्चा अपने चचेरे भाइयों के साथ खेल रहा था और अचानक एयर गन की गोली चल गई। गोली बच्चे की नाक के निचले हिस्से में लगी और लगभग 7-8 मिलीमीटर आकार की धातु की गोली आंख के बेहद करीब फंसी रही। डॉक्टरों ने जनरल एनेस्थीसिया के तहत सफल एंटीरियर ऑर्बिटोटॉमी सर्जरी कर गोली को आंख और आसपास के ऊतकों से निकाल दिया। यह सर्जरी शंकर आई हॉस्पिटल की ऑर्बिट और ओकुलोप्लास्टी व मोतियाबिंद विशेषज्ञ डॉ. सिरिशा पोलकम्पल्ली ने की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्रीराम सिमाकुर्थी ने बताया कि सर्जरी के बाद बच्चे की सेहत में अच्छी सुधार हुई है, जिससे आंख और आसपास के ऊतकों से संबंधित संभावित जटिलताओं को रोका जा सकेगा।

पीएसी स्थापना दिवसः सीएम योगी बोले- बीते साढ़े आठ वर्षों में हमने यूपी की बदली हुई तस्वीर देश के सामने रखी

लखनऊ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के बाद हमने पूरे देश के सामने उत्तर प्रदेश की बदली हुई तस्वीर सामने रखी। अब प्रदेश तेजी से विकसित हो रहा है और निवेशक यहां पर आने के लिए उत्साहित हैं। यह बेहतर कानून व्यवस्था के कारण ही संभव हो सका है। सीएम योगी बुधवार को महानगर स्थित पीएवी की 35वीं बटालियन में पीएसी स्थापना दिवस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से पीएसी की संख्या, क्षमता, उसका प्रशिक्षण और तकनीक के स्तर पर उन्हें सशक्त बनाने का काम जारी है। पीएसी को अत्याधुनिक हथियारों और दंगा नियंत्रण उपकरणों से सुसज्जित किया गया है।

हिजाब विवाद पर नीतीश कुमार को पाकिस्तानी आतंकी की धमकी

महिला से माफी मांगें नहीं तो अंजाम बहुत बुरा होगा

पटना, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हिजाब मामले में पाकिस्तान के चर्चित आतंकी शहजाद भट्टी ने धमकी दी है। उसने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सार्वजनिक तौर पर माफी मांगे, नहीं तो अंजाम बहुत बुरा होगा। भट्टी ने कहा कि सभी लोगों ने देखा होगा कि बिहार में क्या हुआ? किस तरह से एक बड़े पद पर बैठे शख्स ने एक मुस्लिम महिला के साथ ऐसा व्यवहार किया। भट्टी ने कहा कि उस व्यक्ति के पास अभी समय है, वह उस महिला से माफी मांग लें।

अगर आज माफी नहीं मांगी तो जिम्मेदार संस्थाओं को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। बाद में यह मत कहना कि चेतावनी नहीं दी गई थी। गैंगस्टर से आतंकी बने पाकिस्तान के कुख्यात की धमकी के बाद बिहार पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों की टीम एक्टिव हो गई है टीम मामले की जांच कर रही है।

जानिए क्या है पूरा मामला

दरअसल, 15 दिसंबर को मुख्यमंत्री के सचिवालय 'संवाद' में आयुष डॉक्टरों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नियुक्त किए गए डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र बांट रहे थे। वहां लगभग 1,000 से अधिक नव नियुक्त आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र दिए गए। नियुक्ति पत्र देते वक्त ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक महिला डॉक्टर के हिजाब को हटाने हटाने की कोशिश की इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद सियासत शुरू हो गई। विपक्ष ने मुख्यमंत्री नीतीशकमार पर जमकर हमला बोला। मुस्लिम संगठनों ने इस घटना की निंदा की।

जानिए कौन है गैंगस्टर से आतंकी बना शहजाद भट्टी

गैंगस्टर से आतंकी बना शहजाद भट्टी हवाला, सुपारी किलिंग, हथियार तस्करी और सोशल मीडिया पर खौफ फैलाने को जाना जाता है। आईएसआई का समर्थन मिलने के बाद इसने भारत में आतंक का जाल बिछाना शुरू किया है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान का रहने वाला शहजाद भट्टी पाकिस्तानी गैंगस्टर फारुख खोखर गैंग का हिस्सा था। वह दाउद इब्राहिम की तरह बड़ा नेटवर्क खड़ा करना चाहता था।

शुरुआत में यह हवाला, सुपारी किलिंग, हथियार तस्करी और सोशल मीडिया पर डर फैलाने के लिए जाना जाता था। इसी वजह से भारत के कुछ गैंगस्टर से भी इसके करीबी संबंध थे। लॉरेंस बिश्नोई भी इसका करीबी था। पहलगाम हमले के बाद लॉरेंस ने हाफिज सईद को धमकी दी तो शहजाद भट्टी को यह बात हज्म नहीं हुई। उसने लॉरेंस को धमकी दे दी। बताया जा रहा है कि फिलहाल लॉरेंस और शहजाद एक दूसरे के खून के प्यासे हैं। लगातार शहजाद भट्टी भारत के खिलाफ आतंक फैलाने का काम कर रहा है।

यूपी विधानसभा का शीतकालीन सत्र कल से

22 को पेश होगा अनुपूरक बजट

लखनऊ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर 2025 से शुरू होकर 24 दिसंबर तक चलेगा। विधानसभा सचिवालय ने सत्र का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस सत्र में कुल 5 बैठकें होंगी और सबसे महत्वपूर्ण कार्य अनुपूरक बजट का पेश किया जाना होगा। सत्र की शुरुआत 19 दिसंबर (शुक्रवार) को शोक प्रस्ताव से होगी। 20 और 21 दिसंबर (शनिवार-रविवार) को अवकाश रहेगा। 22 दिसंबर (सोमवार) को सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होगी।

इस दिन दोपहर करीब 12:30 बजे वित्त मंत्री सुरेश खन्ना अनुपूरक मांगों (द्वितीय) को सदन के पटल पर रखेंगे। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुपूरक अनुदानों की मांगों पर चर्चा होगी। संबंधित विनियोग विधेयक भी पेश किया जाएगा। 23 दिसंबर (मंगलवार) को सामान्य कार्य और यदि कोई अन्य कार्य शेष रह गया तो उसे निपटाया जाएगा। 24 दिसंबर (बुधवार) को वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुपूरक अनुदानों पर चर्चा, मतदान तथा तत्संबंधी विनियोग विधेयक का सदन में पारित होना प्रस्तावित है।

इस दिन अनुपूरक बजट पर अंतिम मुहर लगने की उम्मीद है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में तैयार इस कार्यक्रम के अनुसार सत्र में कुल 5 कार्य दिवस होंगे। विपक्ष ने पहले ही घोषणा की है कि वह महंगाई, बेरोजगारी, किसान और युवा मुद्दों पर सरकार को घेरेगा। वहीं सत्ता पक्ष अनुपूरक बजट के जरिए विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त धनराशि की मांग करेगा। राज्य सरकार इस अनुपूरक बजट में विभिन्न विभागों के लिए हजारों करोड़ रुपये की अतिरिक्त मांग रख सकती है। पिछले वर्षों की तरह इस बार भी विकास परियोजनाओं, सिंचाई, स्वास्थ्य, शिक्षा और पुलिस आधुनिकीकरण के लिए सबसे ज्यादा राशि मांगी जा सकती है।

69,000 सहायक अध्यापक भर्ती के 4 शिक्षकों को हाईकोर्ट से राहत; सेवा समाप्ति का आदेश रद्द

प्रयागराज, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। 69,000 सहायक अध्यापक भर्ती से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, सद्भावनापूर्ण त्रुटि के मामले में सहानुभूति पूर्ण नजरिया अपनाया जाना चाहिए। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने 4 शिक्षकों की सेवा समाप्ति का आदेश रद करते हुए उनको सेवा में बहाल करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि चयन प्रक्रिया में यदि अभ्यर्थी ने जानबूझकर अपने अंकों को बढ़ाकर लाभ लेने का प्रयास किया है तो उसे किसी भी प्रकार की राहत नहीं दी जा सकती। जबकि, सद्भावनापूर्ण भूल या अभ्यर्थी को किसी प्रकार का लाभ न पहुंचाने वाली त्रुटि के मामलों में सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया जा सकता है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा 2019 से संबंधित दो याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिकाओं में 09 मई और 21 मई को जारी सेवा समाप्ति आदेशों को चुनौती दी थी। सेवा समाप्ति का आधार यह था कि आवेदन पत्र में उन्होंने अपने वास्तविक शैक्षणिक अंकों की तुलना में अधिक अंक दर्शाए थे, जिसके आधार पर उनका चयन हुआ था।

अदालत ने अपने निर्णय में शीर्ष न्यायालय और उच्च न्यायालयों द्वारा पूर्व में स्थापित सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए 'लाभदायक स्थिति' और 'नुकसानदायक स्थिति' के बीच स्पष्ट अंतर किया। कोर्ट ने कहा कि यदि अभ्यर्थी द्वारा की गई त्रुटि से उसे कोई अनुचित लाभ प्राप्त नहीं होता है अथवा वह त्रुटि परिस्थितिजन्य या सद्भावनापूर्ण भूल के कारण हुई हो, तो ऐसे मामलों को धोखाधड़ी की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। रिकॉर्ड के अवलोकन के बाद न्यायालय ने पाया कि 4 याचिकाकर्ताओं प्रीति, मनीष कुमार माहौर, रिंकू सिंह और स्वीटी शौकीन के मामलों में अंकों को लेकर हुई विसंगति जानबूझकर लाभ लेने के उद्देश्य से नहीं थी। कोर्ट ने माना कि इन मामलों में या तो विश्वविद्यालय द्वारा संशोधित मार्कशीट जारी किए जाने के कारण अंकों में बदलाव हुआ या फिर ऐसी त्रुटि हुई जिससे याचिकाकर्ताओं को कोई लाभ प्राप्त नहीं हुआ। इन परिस्थितियों को देखते हुए कोर्ट ने उनके सेवा समाप्ति आदेशों को रद कर उनकी सेवाएं बहाल करने का निर्देश दिया है।

वहीं शेष याचिकाकर्ताओं के मामलों में अदालत ने पाया कि उन्होंने आवेदन पत्र में जानबूझकर अपने वास्तविक अंकों से अधिक अंक दर्शाए थे, जिससे उनकी योग्यता सूची में स्थिति प्रभावित हुई और उन्हें अनुचित लाभ मिला। न्यायालय ने इस आचरण को गंभीर बताते हुए कहा कि इसे केवल मानवीय भूल नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि यह स्थापित सिद्धांत है कि धोखाधड़ी किसी भी गंभीर कृत्य को दूषित कर देती है और ऐसी स्थिति में न्यायालय किसी प्रकार की राहत नहीं दे सकता।

उत्तर प्रदेश के अमेठी में गैस सिलेंडर फटने से ढहा मकान, एक की मौत

अमेठी, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। एक मकान में रात साढ़े 10 बजे छोटा गैस सिलेंडर फट गया, जिससे मकान में डंप कोल्ड ड्रिंक में आग लग गई। स्थानीय लोगों ने बचाव कर कार्य शुरू करते हुए घायल दो व्यक्तिओं को अस्पताल पहुंचाया। जहां एक को मृत घोषित कर दिया गया। जामो कस्बा में भादर मार्ग स्थित शिवमहेश पाण्डेय निवासी ग्राम जिया का पुरवा मजरे जामो का दो शटरयुक्त पुरानी दुकान हैं। जिसमें सुभाष चन्द्र पाण्डेय निवासी अतरवां मजरे भोएं किराये पर रहते थे।

दुकान में वह कोल्ड ड्रिंक व मिनरल वाटर का गोदाम बनाए थे। रात सतीश तिवारी निवासी बस्तीदेई भटगंवा थाना गौरीगंज व बलराम चन्द्र पाण्डेय निवासी अतरवां मजरे भोएं दुकान के अन्दर बैठकर कुछ काम कर रहे थे। देर रात साढ़े 10 दुकान में रखा गैस सिलेंडर अचानक फट गया। जिससे पूरा मकान ढह गया। दुकान में डंप कोल्ड ड्रिंक में आग लग गई। सूचना पर स्थानीय पुलिस, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंचकर घायल सतीश तिवारी व बलराम चन्द्र पाण्डेय को सीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने सतीश तिवारी को मृत घोषित कर दिया।

'अरे भइया, हमें भी सिलवा दो ऐसा कोट'

अखिलेश यादव को पसंद आया सपा कार्यकर्ता का सूट, कह दी ऐसी बात

लखनऊ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव अक्सर व्यंग्य कसने के लिए जाने जाते हैं लेकिन अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ वो अक्सर हंसी मजाक करते भी देखे जाते हैं। ऐसा ही एक नजारा संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सदन के बाहर देखने को मिला जब उन्हें मेरठ से आए एक कार्यकर्ता का कोट पसंद आ गया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का ये वीडियो संसद परिसर के बाहर का है, जहां मेरठ से कुछ पार्टी कार्यकर्ता उनसे मिलने पहुंचे थे। अखिलेश यादव संसद से बाहर आए, इस दौरान अपनी कार में बैठने से पहले उन्होंने बाहर खड़े सपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनका हालचाल पूछा, तभी उनकी नजर कार्यकर्ता के कोट पर पड़ गई।

'हमें भी सिलवा दो ऐसा कोट'

अखिलेश यादव ने सपा कार्यकर्ता एक नजर में ऊपर से नीचे तक देखा और अपने लिए भी वैसा ही कोट बनवाने को कहा। अखिलेश ने उससे पूछा कि भाई कौन ऐसा कोट सिलता है, हमारे पास भी लेकर आओ। हम भी उससे कोट सिलाएंगे। सपा अध्यक्ष का ये वीडियो सोशल मीडिया पर भी जमकर वायरल हो रहा है। वायर वीडियो में अखिलेश यादव सपा कार्यकर्ता से मजाकिया अंदाज में कहते हैं- हमें भी सिलवा दो ऐसा कोट।।, अरे भैया हमें भी सिलवा दो ऐसा कोट, कौन सिलता है? इस पर कार्यकर्ता ने जवाब दिया कि मेरठ में हैं एक।। इसके बाद अखिलेश यादव कार में बैठते हुए उससे कहते है कि लेकर आना तुम।। तब सिलवाएंगे।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

सपा अध्यक्ष का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें लोगों को उनका कार्यकर्ता से बात करने का अंदाज़ काफी पसंद आ रहा है। लोग उनके व्यवहार की तारीफें भी कर रहे हैं। बता दें अखिलेश यादव ने अपनी हाजिर जवाबी, हास्य और व्यंग्य कसने के अंदाज को लेकर जाने जाते हैं। अक्सर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ उनके ऐसे वीडियो भी सामने आते है जो चर्चा का विषय बन जाते हैं।

बिहार में खुलेगा तलवारबाजी का ओलिंपिक ट्रेनिंग सेंटर, पहले यूथ नेशनल गेम्स की मेजबानी भी मिली

पटना, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में तलवारबाजी का ओलिंपिक ट्रेनिंग सेंटर खोला जाएगा। इसके लिए केंद्रीय खेल मंत्री डॉ। मनसुख मंडाविया ने स्वीकृति दे दी। प्रदेश की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने दिल्ली स्थित मंडाविया के सरकारी आवास पर बिहार राज्य खेल प्राधिकरण (बीएसएसए) के महानिदेशक रवींद्रण शंकरण, उप निदेशक हिमांशु सिंह तथा राज्य के दो खेल सलाहकारों के साथ बिहार में ओलिंपिक ट्रेनिंग सेंटर खोलने का आग्रह और प्रस्ताव केंद्रीय खेल मंत्री समक्ष रखा, जिसपर उन्होंने सहमति दी।

डॉ। मनसुख मंडाविया और राज्य मंत्री रक्षा एन खडसे को श्रेयसी सिंह ने खेल के क्षेत्र में सुदृढ़ता के साथ राज्य की छवि और उपलब्धियों के लिए बिहार सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों और सहयोगों के बारे में उन्हें अवगत कराया। बिहार पहले यूथ नेशनल गेम्स की मेजबानी करेगा। 2028 में राज्य में इस राष्ट्रीय स्तर के खेल का आयोजन किया जाएगा। भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने इसकी स्वीकृति दी है।

बिना बुर्के मायके गई बीवी

गुस्साए फारूक ने पत्नी और दोनों बेटियों को मार डाला, आंगन में दफनाया

शामली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। शामली के कांधला थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी दौलत में एक सप्ताह पूर्व लापता हुई महिला और उसकी दो मासूम बेटियों के शव घर के अंदर दफन मिले हैं। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने गड्ढे की खुदाई कर तीनों शवों को बाहर निकलवाया। इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने मृतका के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला उत्तर प्रदेश के शामली जिले के गांव गढ़ी दौलत से सामने आया है, गढ़ी दौलत निवासी फारूक की पत्नी ताहिरा (35 वर्ष) और उसकी दो बेटियां शहरीन (14 वर्ष) और आफरीन (6 वर्ष) एक सप्ताह से लापता थीं। ग्राम प्रधान द्वारा थाने पहुंचकर गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई गई। इसके बाद शक के आधार पर पुलिस ने जब पति फारूक को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने के पुलिस के सामने जुर्म स्वीकार लिया।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने पत्नी और दोनों बच्चियों की हत्या कर शवों को घर में बने सेप्टी टैंक में दफनाने की बात कबूल की। आरोपी पति की निशानदेही पर पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचे और गड्ढे की खुदाई कर तीनों शव बरामद किए।

जिला कारागार में बंद कैदी ने की आत्महत्या, जांच में जुटे अधिकारी

अंबेडकरनगर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अंबेडकरनगर जिला कारागार में निरुद्ध एक कैदी ने बुधवार को आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान भीटी के बेनीपुर निवासी सुशील तिवारी उर्फ ज्ञानू के रूप में हुई है। वह भीटी थाने में बीएनएस की विभिन्न धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत जिला कारागार में निरुद्ध था। सुशील तिवारी ने हाता नंबर तीन की बैरक नंबर 18 के बाथरूम में गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंचे। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भेजा गया। मामले की जांच जारी है।

रेड लाइट एरिया से 4 नाबालिग मुक्त

सीतामढ़ी, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सीतामढ़ी के रेड लाइट एरिया में मानव तस्करी और नाबालिगों के शोषण के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर), नई दिल्ली के निर्देशों पर चलाए गए इस विशेष अभियान में चार नाबालिग बच्चियों को मुक्त कराया गया। मौके से दो महिला दलालों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक अमित रंजन के आदेश पर नगर थाना क्षेत्र के वोहा टोला रेड लाइट एरिया में यह कार्रवाई की गई। दिल्ली से आई रेस्क्यू फाउंडेशन की टीम और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। इस दौरान इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कई दलाल भागने में सफल रहे। करीब दो घंटे तक चले इस तलाशी अभियान में पुलिस ने कई कमरों की गहन जांच की।

रेस्क्यू फाउंडेशन के जांच पदाधिकारी अक्षय पांडेय ने बताया कि उन्हें नाबालिग लड़कियों से जबरन देह व्यापार कराए जाने की सूचना मिली थी। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक को दी गई, जिसके बाद तत्काल छापेमारी की रणनीति बनाई गई। कार्रवाई के दौरान आपत्तिजनक सामग्री और कंडोम के कई पैकेट भी बरामद हुए। यह संगठित अवैध गतिविधियों की ओर संकेत करता है। इस अभियान में महिला थाना की थानाध्यक्ष श्वेता स्वराज, एएचटीयू प्रभारी निरीक्षक कृष्ण नंद झा, नगर थाना के एसआई सीबी। शुक्ला और सदर की सीडीपीओ कामिनी कुमारी सहित पुलिस बल व महिला-बाल विकास विभाग के अधिकारी शामिल थे।

हिंदुओं ने लगाए 'मकान बिकाऊ' के पोस्टर, युवती के अपहरण मामले में पुलिस ने युवक को किया है गिरफ्तार

मेरठ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। शताब्दीनगर सेक्टर पांच में एक युवक पर मुस्लिम युवती के अपहरण का मुकदमा दर्ज होने पर वहां रहने वाले हिंदू परिवारों ने अपने घरों पर मकान बिकाऊ के पोस्टर लगा दिए। इसके बाद हिंदू परिवार युवक को थाने से छोड़ने की मांग को लेकर कालोनी के पार्क में धरने पर बैठ गए। सीओ ब्रह्मपुरी ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी मांग पर अड़े हैं। परतापुर थाना क्षेत्र के शताब्दी नगर सेक्टर पांच निवासी राजेंद्र पाल ने बताया कि कालोनी में रीना पत्नी गिरिराज अपने चार बच्चों के साथ रहती है। रीना फैक्ट्री में काम कर अपने बच्चों का पालन-पोषण कर रही है। रीना के बड़े बेटे वीर की दोस्ती कालोनी में ही रहने वाली एक मुस्लिम युवती से है। युवती रीना के घर आ गई।

आरोप है कि देर रात में युवती का पिता और उसकी बड़ी बहन महिला के घर आई और जबरन युवती को अपने साथ ले जाने लगे रीना व उसके बेटे वीर ने विरोध किया तो उनके साथ मारपीट कर दी। शोर शराबा होने पर आसपास के लोग वहां पहुंचे और उनका बीच-बचाव कराया। इसके बाद युवती अपने पिता के साथ घर चली गई।

सुबह मुस्लिम व्यक्ति ने वीर पर अपनी बेटी के अपहरण व मारपीट का मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस वीर को गिरफ्तार कर थाने ले गई। युवक के गिरफ्तार होने के बाद कालोनी के करीब 40 परिवारों ने अपने घरों पर मकान बिकाऊ के पोस्टर लगाकर पार्क में धरने पर बैठ गए। लोगों ने युवक को थाने से छोड़े जाने और मुस्लिम परिवार पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए वहां पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और धरने पर बैठे लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी मांग पर अड़े रहे। इसके बाद सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना मौके पर पहुंची और समझाने का प्रयास किया,

'भस्मासुर को आशीर्वाद दोगे तो क्या होगा'?

काशी में मठ-मंदिर को नोटिस भेजने पर भड़के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद काशी स्थित मठ पर वेद विद्या से जुड़े कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे, जहां उन्होंने वाराणसी के साधु संतों को नगर निगम द्वारा नोटिस देने के मामले कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब इस बात पर विचार हो कि सत्ता पर आशीर्वाद रखना है या अब हाथ हटाने का समय आ गया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने नोटिस भेजने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि मठ मंदिर वालों ने ही आशीर्वाद दिया था, अब भोगे फल। गलत आदमी को आशीर्वाद देंगे तो क्या होगा? भस्मासुर को भगवान शिव ने वरदान दिया तो क्या हुआ? उन्हीं के माथे पर हाथ रखने के लिए आ रहा कि उन्हीं को जलाकर भस्म कर दूं।

उन्होंने कहा कि आप भस्मासुर को आप आशीर्वाद देते हो तो आपको भोगना पड़ेगा। भस्मासुर वो है जो मठ

और मंदिरों को नोटिस भेज रहा है। जिनसे आशीर्वाद लेकर वो सत्ता में आया, उन्हीं को नोटिस भेजने का मतलब वहीं भस्मासुर है। हम संत समाज के साथ हैं, सनातनी समाज जहां होगा, हम वहां खड़े दिखाई देंगे। शंकराचार्य ने कहा कि हमने मार्च 10-11 को दिल्ली में एक बहुत बड़ा सम्मेलन बुलाया है और हम अपने साधु संतों को कह रहे हैं कि आप विचार करो, जैसे समर्थन वापसी का विचार राजनीतिक पार्टियां करती हैं वैसे आप आशीर्वाद वापसी पर विचार करो कि ये आशीर्वाद इनके साथ रहे या वापस ले लिया जाए। मनरेगा का नाम बदलने पर शंकराचार्य ने कहा कि हमारी आपत्ति तीर्थ शब्द पर है। योजनाएं किसी के नाम पर हो हमें कोई आपत्ति नहीं लेकिन, प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम तीर्थ के नाम पर नहीं हो सकता। बांके बिहारी मंदिर में बाल भोग लगाने में हुई देरी पर शंकराचार्य ने कहा अब इसी तरह रोज परंपराएं टूटेगी, अभी ये पहली बार हुआ है। अब हज़ार बार होगा। हमने पहले ही कहा था कि जो हमारे धर्म स्थल है, वह धार्मिक लोगों के हाथ में होना चाहिए।

सांसद प्रिया सरोज ने केंद्रीय रेल मंत्री से की मुलाकात

जलालगंज स्टेशन पर की शटल एक्सप्रेस के ठहराव की मांग

केराकत (जौनपुर), 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सांसद प्रिया सरोज ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री से मुलाकात कर शटल एक्सप्रेस का ठहराव जलालगंज रेलवे स्टेशन पर कराए जाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि इसके ठहराव से बड़ी संख्या में यात्रियों को सुविधा मिलेगी और आवागमन सुगम होगा। केंद्रीय रेल मंत्री ने सांसद की मांग पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए आश्वासन दिया कि शीघ्र ही शटल एक्सप्रेस का ठहराव जलालगंज रेलवे स्टेशन पर सुनिश्चित किया जाएगा। सांसद ने केराकत के कुसरना अंडरपास निर्माण के विषय में आग्रह किया। साथ ही बरसठी रेलवे स्टेशन पर मूलभूत सुविधाओं जैसे सफाई, पेयजल, प्रतीक्षालय आदि के त्वरित समाधान की मांग रखी। इसके अतिरिक्त मडियाहू–जफराबाद मार्ग पर प्रस्तावित अंडरपास एवं ओवरब्रिज के कार्यों को भी शीघ्र प्रारंभ कराने का मुद्दा उठाया गया, जिस पर केंद्रीय रेल मंत्री ने आवश्यक कार्रवाई और जल्द कार्य प्रारंभ कराने का आश्वासन दिया।

साइबर ठगों ने 15 खातों से उड़ाए पौने दो करोड़

प्रयागराज, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस तमाम जतन कर रही है। जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मोबाइल नंबरों पर साइबर अपराधियों से बचाव को लेकर संदेश भेजे जा रहे हैं, बावजूद इसके लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं। साइबर अपराधी कोई न कोई नया हथकंडा अपनाकर लोगों को ठग रहे हैं। दो दिन के भीतर साइबर क्राइम थाने में 15 लोगों ने रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिनसे बैंक खाते से करीब 1.71 करोड़ रुपये उड़ा दिए गए। एक साथ इतनी संख्या में ठगी की एफआइआर दर्ज होने पर साइबर क्राइम थाने के पुलिसकर्मियों का भी माथा चकरा गया है।

लोगों को लगा धूप सेंक रहा है, बहुत देर तक नहीं हिला,ड्रग ओवरडोज से युवक की मौत

लुधियाना, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब में युवाओं के बीच नशे की बढ़ती लत एक गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। आए दिन नशे की ओवरडोज़ से मौत की खबरें सामने आ रही हैं। ऐसा ही एक दर्दनाक मामला लुधियाना से सामने आया है, जहां एक युवक की नशे की ओवरडोज़ से मौत हो गई। हैरानी की बात यह है कि मृतक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। यह घटना लुधियाना के सुंदर नगर इलाके में डाबा रोड पर सामने आई। यहां एक खाली प्लॉट में दीवार के सहारे युवक का शव पड़ा मिला। शुरुआत में आसपास के लोगों को लगा कि युवक दीवार पर बैठकर धूप सेंक रहा है। लेकिन जब काफी देर तक वह हिला-डुला नहीं, तो लोगों को शक हुआ। स्थानीय लोग जब युवक के पास पहुंचे और उसे जगाने की कोशिश की, तब उन्हें पता चला कि युवक की मौत हो चुकी है।

महानगरपालिका चुनाव में आम आदमी पार्टी की एंट्री

25 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी

पुणे, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों के बीच अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी पुणे महानगरपालिका के चुनाव में ताल ठोंकने के लिए तैयार है। पार्टी ने 25 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में प्रभाग 3 (अ) से शितल कांडेलकर, प्रभाग 5(अ) से संतोष काले, प्रभाग 6(अ) से श्रद्धा शेट्टी, प्रभाग 7(ड) से शंकर थोरात को टिकट दिया है।

15 जनवरी को होगी वोटिंग

बता दें कि महाराष्ट्र में मुंबई समेत 29 नगर निकायों के लिए चुनाव 15 जनवरी को होगा और नतीजे 16 जनवरी को घोषित किए जाएंगे। विधानसभा चुनाव के एक साल बाद, सत्ताधारी भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन और विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) के बीच प्रमुख शहरी केंद्रों में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन देखने को मिलेगा। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) का चुनाव 2022 की शुरुआत में होना था। एसईसी ने कहा कि इन नगर निकायों में कुल 2,869 सीट के लिए मतदान होगा, जिनमें बीएमसी की 227 सीट भी शामिल हैं।

3.48 करोड़ से अधिक पात्र मतदाता

बीएमसी 2025-26 में 74,000 करोड़ रुपये से अधिक के बजट के साथ एशिया का सबसे बड़ा नगर निकाय है। राज्य के प्रमुख शहरी केंद्रों के इन नगर निकायों में 3.48 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। इन नगर निकायों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया 23 दिसंबर से शुरू होगी और 30 दिसंबर तक जारी रहेगी। नामांकन पत्रों की छंटनी 31 दिसंबर को की जाएगी और उम्मीदवार के नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि दो जनवरी 2026 है।

तीन जनवरी को जारी होगी उम्मीदवारों की अंतिम लिस्ट

चुनाव चिह्नों का आवंटन और उम्मीदवारों की अंतिम सूची तीन जनवरी को प्रकाशित की जाएगी। महाराष्ट्र भर में फैले 29 नगर निकायों में 15 जनवरी को मतदान होगा और मतों की गिनती अगले दिन होगी। उन्होंने कहा कि मतदान सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक होगा और जो लोग शाम 5:30 बजे तक कतार में खड़े होंगे, उन्हें एक पर्ची दी जाएगी और उन्हें निर्धारित समयसीमा के बाद भी मतदान करने की अनुमति दी जाएगी।

जन्म के तुरंत बाद फेंके गए नवजात को कुत्तों ने नोंच डाला, शव के टुकड़े देख कांप उठे लोग

बालासोर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के बालासोर जिले में मानवता को शर्मसार करने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सोरो पुलिस स्टेशन के तहत चित्तल पंचायत के बालिकतिरन गांव में एक नवजात शिशु को जन्म के तुरंत बाद छोड़ दिया गया, जिसके बाद आवारा कुत्तों ने उसे नोंच डाला।

यह अमानवीय दृश्य गांव के खेल के मैदान के पास तब सामने आया जब स्थानीय निवासियों ने आवारा कुत्तों के एक झुंड को मानव शरीर के अंग नोचते हुए देखा। करीब से देखने पर पुष्टि हुई कि अवशेष एक नवजात शिशु के थे। यह देखते ही स्थानीय लोग तुरंत कुत्तों को भगाकर दूर ले गए और शिशु के शरीर के कुछ हिस्सों को बरामद करने में कामयाब रहे। इस घटना से पूरे इलाके में गहरा सदमा फैल गया है। घटना की सूचना तुरंत सोरो पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाली अनंतपुर पुलिस चौकी को दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बिना देर किए घटनास्थल पर पहुंचकर शिशु के अंगों को बरामद किया। स्थानीय निवासियों की उपस्थिति और सभी कानूनी औपचारिकताओं का पालन करते हुए पुलिस ने शव को सम्मानपूर्वक दफना दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि नवजात शिशु को जन्म के तुरंत बाद खुले मैदान में छोड़ दिया गया होगा, जिसके कारण वह आवारा जानवरों का शिकार बन गया।

हालांकि, शिशु की मृत्यु के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पुलिस अब इस अमानवीय कृत्य के पीछे के दोषियों की पहचान करने के लिए तेजी से जांच कर रही है। सुराग जुटाने के लिए आस-पास के सभी मेडिकल सेंटरों और घरों की छानबीन की जा रही है।

'जेल ब्रेक' की तैयारी या खूनी गैंगवार की प्लानिंग

बैरक से निकले दर्जनों चाकू-मोबाइल, डीजीपी बोले- ये तो शुरुआत है

बेंगलूरू, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक की जेलों में सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलते हुए एक ऐसी सच्चाई सामने आई है, जिसने राज्य के पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है। पिछले 36 घंटों से राज्य की अलग-अलग जेलों में चल रहे एक 'विशेष सघन अभियान' में जेल अधिकारियों ने वह सब बरामद किया है, जो सलाखों के पीछे मौत का सामान माना जाता है। कर्नाटक के डीजीपी (कारागार) आलोक कुमार के नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान ने अपराधियों के उस नेटवर्क को तोड़ दिया है, जो जेल के भीतर बैठकर बाहर की दुनिया को कंट्रोल कर रहे थे। बेंगलुरु के परप्पना अग्रहारा (बेंगलुरु सेंट्रल जेल) से लेकर मैसूर, बेलगावी, मैंगलोर और विजयपुरा तक पुलिस की रेड में मोबाइल फोन, सिम कार्ड, धारदार चाकू और भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ है। हैरानी की बात यह है कि बेंगलुरु सेंट्रल जेल से 6 मोबाइल फोन और 4 चाकू मिले हैं, जो जेल के भीतर किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा करते हैं। वहीं, मैसूर जेल तो 'मोबाइल की दुकान' साबित हुई, जहां से 9 मोबाइल फोन और 11 सिम कार्ड जब्त किए गए। सवाल यह उठता है कि जैमर और हाई-टेक सुरक्षा के बावजूद ये सिम कार्ड जेल के भीतर कैसे एक्टिव थे?

इस छापेमारी का सबसे चौंकाने वाला पहलू बेलगावी जेल में देखने को मिला। यहां पुलिस ने 366 ग्राम गांजा और 4 मोबाइल फोन बरामद किए। जांच में पता चला कि ये प्रतिबंधित सामान बाहरी तत्वों द्वारा दीवार फांदकर जेल परिसर के भीतर फेंके गए थे। पुलिस अब उन 'बाहरी मददगारों' की तलाश कर रही है जो जेल की दीवारों को पार कर सप्लाई पहुंचा रहे थे। डीजीपी आलोक कुमार ने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस कार्रवाई की पुष्टि की।

उन्होंने साफ शब्दों में अपराधियों और लापरवाह कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा, 'हमारे प्रयास जारी रहेंगे।' इस कार्रवाई के बाद अब जेल प्रशासन के भीतर उन काली भेड़ों की तलाश शुरू हो गई है, जिनकी मिलीभगत के बिना इतना सामान बैरक तक पहुंचना नामुमकिन था।

दुष्कर्म मामले में राम कुमार बिंदल के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट पेश

सोलन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल के बड़े भाई राम कुमार बिंदल के युवती से दुष्कर्म मामले में पुलिस ने जांच पूरी कर ली है। पुलिस ने चार्जशीट तैयार कर कोर्ट में पेश कर दी है। पुलिस के अनुसार फॉरेंसिंक रिपोर्ट में दो जगह से आरोपी का सलाइवा मैच हो गया है। सोलन पुलिस ने राम कुमार बिंदल को 10 अक्तूबर को 25 वर्षीय युवती से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस को दी शिकायत में युवती ने कहा था कि आरोपी पेश से वैद्य है। सात अक्तूबर को जब वह उसके पास इलाज करवाने के लिए गई, तो आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने पीड़िता के बयान कोर्ट में दर्ज करवाने के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया था। इस बीच 81 वर्षीय राम कुमार बिंदल की तबीयत खराब हो गई। इसके बाद वह पुलिस की निगरानी में अस्पताल में भर्ती रहा। पुलिस ने मामले में सलाइवा मैच के लिए सैंपल जुन्गा लैब भेजे थे।

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की मुश्किलें बढ़ीं

60 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में अब ईडी एंट्री की तैयारी!

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति, कारोबारी राज कुंद्रा के खिलाफ दर्ज मामले में अब धोखाधड़ी की धारा 420 भी जोड़ दी है। यह एफआईआर दीपक कोठारी की शिकायत पर दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता के वकीलों की ओर से जारी बयान के मुताबिक, जांच के दौरान ईओडब्ल्यू को ऐसे सबूत मिले हैं, जिनके आधार पर यह गंभीर धारा जोड़ी गई है। ईओडब्ल्यू ने इस संबंध में क्षेत्राधिकार वाले मजिस्ट्रेट को भी जानकारी दी है। एजेंसी का कहना है कि अब तक गवाहों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी जुटाए गए हैं, जिनसे यह संकेत मिलता है कि इस मामले में शिकायतकर्ता को करीब 60 करोड़ रुपये से ज्यादा का कथित नुकसान हुआ है। वकीलों के अनुसार, जांच में सामने आए तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर कानून के तहत धोखाधड़ी का अपराध जोड़ना जरूरी था। शिकायतकर्ता का कहना है कि ईओडब्ल्यू की यह कार्रवाई पूरी तरह कानूनी प्रावधानों के अनुरूप है और पहले से उनकी ओर से अदालत में रखे गए तर्कों को मजबूत करती है।

ईडी की एंट्री और प्रॉपर्टी अटैच करने की मांग

इस मामले में धारा 420 के जुड़ने के बाद अब जांच का दायरा और बढ़ सकता है। दरअसल, आईपीसी की धारा 420, मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत एक शेड्यूल्ड ऑफेंस मानी जाती है। इसी वजह से शिकायतकर्ता ने अपने वकीलों को निर्देश दिया है कि वे अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने भी जरूरी कानूनी कार्रवाई शुरू करें। बयान में कहा गया है कि शिकायतकर्ता ईडी से मांग करेगा कि कथित अपराध से जुड़े पैसों की पहचान की जाए, उन्हें ट्रेस किया जाए और कानून के तहत जब्त किया जाए। साथ ही, पीएमएलए के प्रावधानों के अनुसार संपत्तियों को अटैच करने की भी मांग की जाएगी।

फर्जी आयकर अधिकारी बनकर एक किलो सोना लूटने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। आयकर विभाग और पुलिस अधिकारी बनकर ज्वेलरी वर्कशॉप में फर्जी रेड डालकर करीब एक किलो सोना लूटने के मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से लूट का 130.162 ग्राम सोना और वारदात में इस्तेमाल की गई पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शेख अकबर उर्फ शेख अकरम (49) निवासी डी-डी-ए फ्लैट्स, मदनगीर, डॉ। अंबेडकर नगर, दक्षिण दिल्ली के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना प्रसाद नगर में दर्ज एफआईआर संख्या 577/25 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है।

27 नवंबर 2025 को थाना प्रसाद नगर में करोल बाग इलाके में स्थित एक ज्वेलरी मेकिंग वर्कशॉप के मालिक ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, पांच से छह लोग उसकी वर्कशॉप में घुसे थे। इनमें से एक व्यक्ति दिल्ली पुलिस की फर्जी वर्दी में था, जबकि चार अन्य खुद को आयकर विभाग का अधिकारी बता रहे थे। आरोपियों ने सबसे पहले ज्वेलर और वहां काम कर रहे कर्मचारियों के मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लिए। इसके बाद उन्होंने फर्जी तलाशी के नाम पर वर्कशॉप से करीब एक किलो एक ग्राम सोना निकाल लिया। जाते-जाते आरोपी सीसीटीवी डीवीआर भी उखाड़कर ले गए, ताकि उनकी पहचान न हो सके।

इस मामले में जांच के दौरान सेंट्रल जिला पुलिस ने पहले ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन शेख अकरम फरार चल रहा था। क्राइम ब्रांच की सेंट्रल रेंज को आरोपी शेख अकरम की दक्षिण दिल्ली में मौजूदगी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर सुनील कुमार कालखंडे के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। यह कार्रवाई डीसीपी क्राइम विक्रम सिंह और एसीपी राजबीर मलिक की निगरानी में की गई। 14 दिसंबर 2025 को टीम ने सीआर पार्क स्थित माल्होत्रा बी एंड बी में छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान तकनीकी और मैनुअल सर्विलांस के जरिए पुख्ता की गई।

कहां गया सेना का जवान? ड्यूटी पर लौटने के लिए बनारस से पकड़ी थी फ्लाइट; दिल्ली पहुंचा सिर्फ सामान

सिंगरौली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया। सिंगरौली जिले का रहने वाला भारतीय सेवा का जवान अपने घर से ड्यूटी और पोस्टिंग पर तैनाती के लिए घर से तो निकला, लेकिन दिल्ली में रेजीमेंट के लोगों ने बताया कि जवान का सामान तो फ्लाइट में मिला परंतु जवान दिल्ली नहीं पहुंचा। परिवार और रेजिमेंट के लोगों की माने तो कल ही सेना के जवान का मणिपुर स्थित रेजिमेंट में पोस्टिंग का रिपोर्टिंग टाइम भी निर्धारित था। फोन भी आउट ऑफ रीच है और कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है।

फिलहाल लापता जवान की खोज खबर के लिए पुलिस से अपील भी की गई है। सिंगरौली जिले के बरगवां थाना क्षेत्र के ग्राम पचोर निवासी शैलेश कुमार दुबे, पिता जीवन प्रकाश दुबे जो कि वर्तमान में भारतीय सेना 4 महार रेजीमेंट में तैनात है।

14/12/2025 अपने बैढन स्थित घर से अपनी पोस्टिंग वाली जगह 4 महार रेजीमेंट मणिपुर के लिए रवाना हुआ था। परिजनों ने बताया कि जवान शैलेश की फ्लाइट वाराणसी से दिल्ली के लिए पहली फ्लाइट 15 /12 /2025 की सुबह 7 बजे थी, जो किसी कारणवश कैंसिल हो गई। उसके बाद दूसरी फ्लाइट के लिए सुबह 9 बजे दिल्ली रवाना होने की जानकारी प्राप्त हुई।

दिल्ली फ्लाइट पहुंची तो रेजिमेंट द्वारा परिजनों को बताया गया कि जवान का सामान जरूर पहुंचा है, लेकिन जवान फ्लाइट से नहीं आया।

अब 24 घंटे बीतने के बाद भी जवान का कोई पता नहीं है। फोन भी आउट ऑफ रीच आ रहा है, ऐसे में परेशान परिजनों ने पुलिस से लापता जवान को ढूंढने की गुहार लगाई है। रिपोर्टिंग टाइम पर पोस्टिंग रेजिमेंट नहीं पहुंचने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। आखिरकार सेना का जवान कहां गया? 24 घंटे से ज्यादा का वक्त बीतने के बाद भी लापता जवान का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। परिजनों ने पुलिस से लापता जवान की खोज खबर की गुहार लगाई है।

सिंगरौली का रहने वाला सेना का जवान घर से ड्यूटी जाते वक्त लापता,

सिंगरौली जिले के बैढन कोतवाली थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार ने बताया कि सेना का जवान बनारस से गुम हुआ है।

कल शाम को परिजनों से बात हुई थी। अब तक लापता जवान शैलेश का कोई पता नहीं चल पाया है। जवान के परिजन वाराणसी गए हैं, वहां रिपोर्ट करेंगे। पुलिस लगातार संपर्क कर पता करने के तलाश में जुटी हुई है।

असम से मजदूरी करने आए थे दंपति, पहले पीटा फिर पति के सामने पत्नी का किया गैंगरेप

चैन्नई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले के श्रीवैकुंटम क्षेत्र से एक बेहद ही चौंकाने और शर्मनाक घटना की खबर सामने आई है, यहां असम से आई एक प्रवासी मजदूर महिला के साथ गैंगरेप किया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि इस घटना को अंजाम उसके पति की मौजूदगी में दिया गया। बता दें कि अरसरकुलम क्षेत्र में एक पत्थर खदान में दो साल पहले असम राज्य के एक दंपति ने काम करना शुरू किया था। तिरुनेलवेली में रहने वाले असम राज्य के 27 साल के मोहम्मद हुसैन ने खदान के मालिक से कमीशन लेकर उन्हें अनुबंध के आधार पर काम पर रखा था।

पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं की कमी और कम सैलरी के कारण, दंपति ने नौकरी छोड़ने की बात कही। इसके बाद, दोनों ने केरल राज्य में काम करने का फैसला किया और उसके बाद दंपति अरसरकुलम से ऑटो में तिरुनेलवेली जा रहे थे। जब हुसैन को इसकी जानकारी हुई तो वह गुस्से में आ गया। उसने फोन पर धमकी दी कि नौकरी नहीं छोड़नी चाहिए, क्योंकि उसने कमीशन लिया है। इस मामले पर बातचीत करने के लिए कहने वाले मोहम्मद हुसैन, बाइक पर दो युवा बच्चों को लेकर शिवंथिपट्टी क्षेत्र में ऑटो को रोकने का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही ऑटो वहां पहुंचा, उन्होंने ऑटो रोक लिया और ड्राइवर को झूठ बोला कि यह दंपति खदान मालिक से पैसे चुराकर भाग रहे हैं। इसके बाद उन्होंने दंपति को जबरदस्ती पास के एक सुनसान जंगल में ले गए।

वहां, मोहम्मद हुसैन सहित 3 लोगों ने उस महिला के पति पर अंधाधुंध हमला किया। फिर उसकी आंखों के सामने, उस महिला के साथ गैंगरेप किया गया। कई घंटों के बाद, तीनों ने पीड़ित दंपति को जंगल में छोड़ दिया और वहां से भाग गए। इस घटना के संबंध में, पीड़ित महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर गहन जांच की।

युवाओं को नशे से बचाने के लिए गुजरात सरकार ने उठाया बड़ा कदम, इन चीजों को कर दिया बैन

अहमदाबाद, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक और सख्त कदम उठाया है। गृह विभाग ने पूरे राज्य में तत्काल प्रभाव से रोलिंग पेपर, गो गो स्मोकिंग कोन और परफेक्ट रोल की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अब इन वस्तुओं की बिक्री करना कानूनन अपराध माना जाएगा। सरकार के आदेश के बाद अब पान पार्लर, चाय की दुकानों, किराने की दुकानों और यहां तक कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी इन स्मोकिंग पेपर और कोन की बिक्री नहीं की जा सकेगी।

यदि कोई दुकानदार या व्यक्ति इन वस्तुओं को बेचते या जमा करते हुए पकड़ा गया तो उसके खिलाफ सख्त पुलिस कार्रवाई की जाएगी। पिछले कुछ समय से गुजरात में युवाओं और नाबालिगों में नशे की लत तेजी से बढ़ रही थी। पिछले पांच दिनों से 'गो गो पेपर' की खुलेआम बिक्री और इसके दुष्प्रभावों को लेकर चलाए गए अभियान के बाद सरकार हरकत में आई। मीडिया रिपोर्ट में सामने आया कि इन पेपर का इस्तेमाल चरस और गांजा जैसे मादक पदार्थों के सेवन में किया जा रहा है।

स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक

जांच में यह भी सामने आया है कि इन रोलिंग पेपर और स्मोकिंग कोन में टाइटेनियम ऑक्साइड, पोटेशियम नाइट्रेट, आर्टिफिशियल रंग, कैल्शियम कार्बोनेट और क्लोरीन ब्लीच जैसे जहरीले रसायन पाए जाते हैं। ये रसायन शरीर के लिए धीमा जहर साबित हो सकते हैं और लंबे समय तक सेवन करने पर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ा देते हैं। गृह विभाग ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163(2) और 163(3) के तहत मिली शक्तियों का उपयोग करते हुए यह आदेश जारी किया है।

नियम तोड़ने वालों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस-2023) की धारा 223 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस विभाग को आदेश का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार के इस फैसले का अभिभावकों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने स्वागत किया है। लोगों का मानना है कि इस कदम से युवाओं को नशे की लत से बचाने में मदद मिलेगी और समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा। राज्य सरकार का कहना है कि इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आसानी से मिलने वाली नशे की सामग्री से दूर रखना और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाना है।

हार्ट अटैक के दर्द से तड़पता रहा युवक, पत्नी लगाती रही गुहार, किसी ने नहीं सुनी, हो गई मौत

बेंगलुरु, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण बेंगलुरु में एक दर्दनाक घटना ने जहां आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की खामियों और समाज की उदासीनता को उजागर कर दिया है तो वहीं मानवीय संवेदनाओं को भी तार तार कर दिया है।सोमवार तड़के हार्ट अटैक आने के बाद अपनी पत्नी के साथ जा रहे 34 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। पत्नी अपने पति की हालत देख, रास्ते पर जा रहे राहगीरों से हाथ जोड़कर मदद की गुहार लगाती रही, लेकिन कई मिनट तक किसी ने उसकी मदद नहीं की। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मृतक की पहचान बनशंकरी थर्ड स्टेज के इत्तमाडु, बालाजी नगर निवासी वेंकटरमणन के रूप में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, वेंकटरमणन को तड़के करीब 3.30 बजे घर पर अचानक सीने में तेज दर्द उठा, उनकी हालत तेजी से बिगड़ गई। तत्काल कोई एंबुलेंस या अन्य व्यवस्था नहीं होने के कारण उनकी पत्नी उन्हें बाइक पर लेकर अस्पताल निकली। सबसे पहले वे पास के एक निजी अस्पताल पहुंचे, जहां कथित तौर पर डॉक्टर के उपलब्ध नहीं होने की बात कहकर इलाज से इनकार कर दिया गया।

एक हफ्ते में 6 बाघों की मौत, सालभर का आंकड़ा पहुंचा 54! एमपी में जारी है शिकारियों का कहर

भोपाल, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के 'टाइगर स्टेट' मध्य प्रदेश में पिछले एक हफ्ते के भीतर 6 बाघों की मौत दर्ज की गई है। इसके साथ ही वर्ष 2025 में अब तक बाघों की कुल मौतों का आंकड़ा 54 हो गया है। यह संख्या 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत के बाद किसी एक साल में अब तक की सबसे अधिक बताई जा रही है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अधिकतर मौतें प्राकृतिक कारणों से हुई हैं, जो बाघों की बढ़ती संख्या को भी दर्शाती हैं। उन्होंने कहा, "संख्या जितनी ज्यादा होगी, प्राकृतिक मौतें भी उतनी बढ़ेंगी। यह स्वाभाविक है।" अधिकारियों के अनुसार, यह रुझान बताता है कि अगली बाघ गणना में भी मध्य प्रदेश देश का शीर्ष 'टाइगर स्टेट' बना रह सकता है।

बाघ की मौत का ताजा मामला बांधवगढ़ का है, जहां उमरिया जिले के चंदिया वन परिक्षेत्र के आरएफ-10 में कथली नदी के पास एक बाघ का शव मिला। शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला, जिसके बाद इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी गई है। फील्ड स्टाफ नियमित गश्त और जनगणना कार्य में जुटा था, तभी यह मामला सामने आया। वन विभाग की टीमें साक्ष्य सुरक्षित करने में जुटी हैं। डॉग स्क्वॉड की मदद से संदिग्ध गतिविधियों की तलाश की जा रही है और आसपास के वन क्षेत्रों व नदी किनारे की पट्टी की सघन तलाशी ली जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि शव बिजली लाइन कॉरिडोर के पास मिला है, इसलिए करंट लगने की आशंका से भी इनकार नहीं किया गया है। नजदीकी बिजली ढांचे की जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं खुले या अवैध तारों की वजह से घटना तो नहीं हुई। टाइगर की 54 मौतों में से 36 मौतें रहस्यमयी हैं। ज्यादातर मामलों में टाइगर का शिकार किया गया है। कई बार टाइगर के पंजे काटकट शिकारी ले गए। तस्करी में एक टाइगर की कीमत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर करीब एक से 3 करोड़ रुपये होती है। कई बार शिकारी जंगल मे टाइगर्स की निगरानी में लगे कैमरों में कैद हो चुके हैं। बाघों की निगरानी के लिए लगाए गए कैमरे भी चोरी होने के कई मामले आए हैं। टाईगर्स की बढ़ती मौतों और सुरक्षा में लापरवाही पर एनटीसीए ने चिंता जताई है। टाइगर्स की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस ने सरकार को में असफल बताया है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बबारोलिया ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वन राज्यमंत्री दिलीप सिंह अहरवार का कहना है कि विभाग मामलों की गंभीरता से जांच कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 18 दिसंबर - 2025

प्रिंसेस सरवत अल हसन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक जॉर्डन यात्रा ने दुनिया का ध्यान तब केंद्रित किया जब हाशमी साम्राज्य के साथ भारत ने संबंध में प्रगाढ़ता दिखी। पीएम मोदी की यह यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक है। भारत और जॉर्डन के संबंधों में गर्मजोशी को दर्शाते हुए अरब देश के युवराज अल हुसैन बिन अब्दुल्ला द्वितीय पीएम नरेन्द्र मोदी को स्वयं वाहन चलाकर जॉर्डन संग्रहालय लेकर गए। बताना गर्व की बात है कि युवराज पैगंबर मोहम्मद की 42वीं पीढ़ी के सीधे वंशज हैं। पीएम मोदी की जॉर्डन यात्रा इस सहस्राब्दी में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है। उससे भी बड़ी बात यह है कि पीएम मोदी की किंग अब्दुल्ला द्वितीय के निमंत्रण पर पहली पूर्ण द्विपक्षीय यात्रा थी। यह यात्रा दोनों देशों के राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हो रही है। लेकिन कूटनीति से परे, भारत और जॉर्डन के बीच कहीं अधिक व्यक्तिगत एवं पारिवारिक संबंध है, जो संधियों में नहीं बल्कि संबंधों में निहित है। कम ही लोग जानते हैं कि जॉर्डन के शाही परिवार का भारत से सीधा संबंध है। यह राजकुमारी सरवत अल हसन से जुड़ा है। प्रिंसेस सरवत अल हसन का जन्म कोलकाता (तब कलकत्ता) में हुआ था। 1947 में जन्म लेने वाली राजकुमारी का नाम सर्वथ इकरामउल्लाह था। हाशमी शाही परिवार की सदस्य बनने से बहुत पहले, उनकी कहानी स्वतंत्रता-पूर्व भारत में शुरू हुई थी, जो भारत-जॉर्डन संबंधों में एक और रोचक आयाम जोड़ती है। सरवत इकरामउल्लाह का जन्म विभाजन से कुछ सप्ताह पहले ब्रिटिश-शासित भारत में प्रभावशाली सुहरावर्दी परिवार में हुआ था। उनका परिवार एक प्रतिष्ठित बंगाली मुस्लिम परिवार है। मोहम्मद इकरामउल्लाह और बेगम शास्ता सुहरावर्दी इकरामउल्लाह की संतान, उनके माता-पिता दोनों ही पाकिस्तानी सत्ता में उच्च पदों पर रहे और कराची में रहते थे। सरवत के पिता भारतीय सिविल सेवा में कार्यरत थे और बाद में पाकिस्तान के पहले विदेश सचिव बने, जबकि उनकी माता पाकिस्तान की पहली महिला सांसदों में से एक थीं और मोरक्को में राजदूत भी रह चुकी थीं। माता-पिता के राजनयिक तबादलों के दौरान सरवत कई देशों में पली-बढ़ीं और पढ़ीं। बाद में उन्होंने यूनाइटेड किंगडम में, विशेष रूप से कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में, अध्ययन किया। कराची में उनका विवाह जॉर्डन के तत्कालीन युवराज हसन बिन तलाल से हुआ। युवराज राजकुमारी के रूप में, उन्होंने जॉर्डन साम्राज्य की सर्वोच्च महिला शासकों में से एक के रूप में शिक्षा, महिला मुद्दों, सामाजिक कल्याण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1999 में, अपनी मृत्यु से ठीक पहले, राजा हुसैन ने अपने बेटे, वर्तमान राजा अब्दुल्ला को अपने भाई, राजकुमार हसन के स्थान पर अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया। तब से, राजकुमार हसन और राजकुमारी सरवत ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और वे नियमित रूप से यूरोपीय शाही समारोहों में दिखाई देते हैं। राजकुमारी सरवत अल हसन को कई सार्वजनिक अवसरों पर साड़ी पहने हुए देखा जाता है, जो उनकी जड़ों से उनके जुड़ाव को दर्शाता है। युवा पीढ़ी को प्रेरित करने में एक दीर्घकालिक और प्रभावशाली समर्थक के रूप में उनकी उपलब्धियों को देखते हुए, उन्हें 2015 में बाथ विश्वविद्यालय से शिक्षा में मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। दंपति के चार बच्चे भी हैं। सबसे खास बात यह है कि वे अपने कलकत्ता की रीति-रिवाज से आज भी बंधी हुई हैं।

एसआईआर लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा

सुरेश गांधी

उत्तर प्रदेश में चल रहा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) केवल मतदाता सूची को दुरुस्त करने की प्रशासनिक कवायद नहीं है, बल्कि यह इस बात की परीक्षा है कि देश का सबसे बड़ा राज्य अपने लोकतंत्र को कितनी गंभीरता से लेता है। यह इस सवाल का उत्तर खोजने की कोशिश है कि क्या लोकतंत्र अपनी जड़ों तक पहुंच पा रहा है, या रास्ते में ही कुछ नाम, कुछ चेहरे, कुछ आवाजें छूट जा रही हैं? सवाल सीधा है, क्या लोकतंत्र हर नागरिक तक पहुंच रहा है, या करोड़ों नाम रास्ते में ही छूट जा रहे हैं? बता दें, यूपी में कुल 15,41,03,670 मतदाता थे, जिनमें 8,77,23,028 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यानी प्रदेश की सभी 80 सीटों पर 59.11 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया. यह संख्या अपने आप में एक ठोस आधार है। ये वे लोग हैं, जिनके नाम उस समय मतदाता सूची में थे, जिन्होंने पहचान, आयु और पते की सभी शर्तें पूरी की थीं, और जिन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाई। आज जब एसआईआर के आंकड़े यह बताते हैं कि करीब 4 करोड़ पात्र मतदाता सूची से बाहर हैं, तो सवाल उठता है, क्या ये लोग अचानक गायब हो गए? या फिर कहीं न कहीं प्रणाली से चूक हो रही है?

मतलब साफ है 25 करोड़ की आबादी, 16 करोड़ मतदाता, पर सूची में केवल 12 करोड़, ये हैरतअंगेज नहीं तो और क्या है? सामान्य जनसांख्यिकीय गणना के अनुसार, किसी भी समाज में 60 से 65 प्रतिशत लोग मतदान योग्य आयु वर्ग में होते हैं। इस हिसाब से यूपी में करीब 16 करोड़ मतदाता होने चाहिए। लेकिन एसआईआर की मौजूदा स्थिति बताती है कि अब तक करीब 12 करोड़ मतदाताओं की ही मैपिंग या डेटा फीडिंग हो सकी है, यानी लगभग 4 करोड़ मतदाता अब भी 'मिसिंग' हैं। इस अंतर को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं कहा है कि यह "गंभीर गैप" है और इसे भरना लोकतंत्र के लिए अनिवार्य है। 'मिसिंग वोटर' का मुद्दा राजनीतिक बहस से कहीं बड़ा है। यह सवाल न सत्ता का है, न विपक्ष का। यह सवाल है अधिकार का, पहचान का, और सहभागिता का। इन छूटे हुए नामों में, वे मतदाता भी हैं जिन्होंने 2024 में मतदान किया, वे युवा भी हैं जो अब 18 वर्ष पूरे कर चुके हैं, वे प्रवासी मजदूर भी हैं जो अस्थायी रूप से बाहर हैं, और वे लोग भी हैं जिनके नाम तकनीकी या मानवीय चूक से दर्ज नहीं हो पाए। लोकतंत्र में सबसे खतरनाक स्थिति यह नहीं होती कि कोई चुनाव हार जाए, बल्कि यह होती है कि कोई नागरिक चुनाव से बाहर रह जाए। एसआईआर के साथ एक और बहस तेज हुई, कि इस प्रक्रिया के जरिए मुस्लिम वोट काटे जाएंगे। लेकिन जमीनी रिपोर्ट इस दावे को खारिज करती है।

प्रदेश के 1265 से अधिक बूथों के निरीक्षण में बीएलओ का स्पष्ट कहना है कि मुस्लिम मतदाता रिकॉर्ड के साथ स्वयं आगे आ रहे हैं, फार्म भरने और सत्यापन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, और सूची के सापेक्ष करीब 95 प्रतिशत मुस्लिम मतों की मैपिंग पूरी हो चुकी है। यह तथ्य साबित करता है कि एसआईआर की चुनौती सांप्रदायिक नहीं, संरचनात्मक है। मतदाता सूची की प्रक्रिया तभी सफल हो सकती है, जब मतदाता को भरोसा हो कि उसका नाम सुरक्षित है, उसकी पहचान का सम्मान है, और उसका अधिकार किसी अफवाह की भेंट नहीं चढ़ेगा। डर लोकतंत्र को कमजोर करता है, जबकि भरोसा उसे मजबूत करता है। एसआईआर की असली कसौटी यही है कि यह भय को तोड़कर विश्वास को कितना मजबूत कर पाता है। एसआईआर का अंतिम चरण सबसे अहम है। इस चरण में बीएलओ की भूमिका निर्णायक हो जाती है, तकनीकी प्लेटफॉर्म की विश्वसनीयता परख में आती है, और प्रशासन की संवेदनशीलता जनता के सामने होती है। घर-घर जाकर नाम ढूंढना, बुजुर्गों को समझाना, प्रवासी मतदाताओं से संपर्क करना, यह सब केवल सरकारी काम नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सेवा है। मतदाता सूची कोई साधारण रजिस्टर नहीं है। यह नागरिक की लोकतांत्रिक पहचान है, अधिकारों का पहला दस्तावेज है, और संविधान की जमीनी प्रति है। अगर इसमें एक भी नाम गलत ढंग से छूटता है, तो लोकतंत्र कमजोर पड़ता है। मतलब साफ है उत्तर प्रदेश में एसआईआर यह तय करेगा कि हम लोकतंत्र को सिर्फ चुनाव तक सीमित रखते हैं या हर नागरिक तक पहुंचाने का साहस दिखाते हैं। 2024 में जिन्होंने मतदान किया, वे गवाह हैं कि लोकतंत्र जीवित है। अब जिम्मेदारी व्यवस्था की है कि कोई भी मतदाता, किसी भी कारण से सूची से बाहर न रहे। क्योंकि चुनाव कोई भी जीते, लोकतंत्र को जीतना चाहिए। लोकतंत्र की सबसे पहली और सबसे बुनियादी शर्त है, मतदाता सूची की शुद्धता। अगर सूची अधूरी है, तो मतदान अधूरा है; और अगर मतदान अधूरा है, तो जनादेश भी अधूरा है। उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े राज्य में यह सवाल और भी गंभीर हो जाता है, जहां लोकतंत्र की धड़कन सिर्फ चुनाव परिणामों से नहीं, बल्कि मतदाता की भागीदारी से तय होती है।

जब सूची सवालों के घेरे में आई

एसआईआर ने यूपी के लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। कुल आबादी (अनुमानित) : लगभग 25 करोड़, अनुमानित मतदान योग्य आबादी (60 से 65 फीसदी) : 15.5 से 16 करोड़. 2024 लोकसभा चुनाव में सक्रिय मतदाता : 8,77,23,028 करोड़, एसआईआर में अब तक मैप/फीड मतदाता : लगभग 12 करोड, मिसिंग मतदाता (अनुमानित) : करीब 4 करोड, यह अपने आप में चौकाने वाला आंकड़ा है. जबकि मतदाता सूची केवल नामों की सूची नहीं, लोकतंत्र का आधार है। अगर करोड़ों पात्र नागरिक उससे बाहर रह जाते हैं, तो यह चुनावी नहीं, संवैधानिक संकट है। एसआईआर की सफलता इसी में है कि हर योग्य नागरिक तक लोकतंत्र की पहुंच सुनिश्चित हो। मतलब साफ है उत्तर प्रदेश में एसआईआर के दौरान सामने आई अनियमितताओं ने मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वयं उठाए गए उदाहरण, मतदाता सूची में बांग्लादेशी नागरिकों के नाम, पीढ़ियों की उम्र में विसंगति और एक राज्य का व्यक्ति दूसरे राज्य में मतदाता पाया जाना, यह दर्शाते हैं कि समस्या केवल आंकड़ों की नहीं, बल्कि प्रणालीगत शिथिलता की है।

जनवरी 2025 में जहां प्रदेश की मतदाता सूची में 15 करोड़ 44 लाख नाम दर्ज थे, वहीं आज यह संख्या घटकर करीब 12 करोड़ रह जाना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चेतावनी है। खासकर तब, जब एक जनवरी 2026 तक 18 वर्ष पूरे करने वाले नए युवाओं के जुड़ने से संख्या बढ़नी चाहिए थी। मुख्यमंत्री का यह कहना कि "98 या 100 प्रतिशत का दावा सच्चाई नहीं है" दरअसल प्रशासनिक आत्ममंथन का संकेत है।

जी राम जी 'बिल लेगा मनरेगा की जगह

अशोक भाटिया

आज लोकसभा में नरेंद्र मोदी की सरकार एक नया बिल ला रही है जो मनरेगा की जगह लेगा और नया ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून बनाया जाएगा। इस बिल का नाम 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) बिल 2025 रखा गया है जिसे शॉर्ट फॉर्म में 'VB जी. राम जी' के नाम से जाना जाएगा। इस बिल के जरिए सरकार नया रोजगार गारंटी कानून बनाने जा रही है जो मनरेगा की जगह लेगा। इसमें 125 दिन रोजगार की गारंटी होगी जबकि मनरेगा में 100 दिन रोजगार की गारंटी होती थी। इस बिल में राज्यों की भी हिस्सेदारी तय की जा रही है जबकि मनरेगा में सिर्फ केंद्र की ही हिस्सेदारी होती थी लेकिन इस बिल को लेकर देश में जबरदस्त सियासी बवाल मच गया है। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी पार्टियां विरोध कर रही है।

सरकार विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड अजीविका मिशन (ग्रामीण) या वीबी-जी राम जी नाम से कानून बनाने की तैयारी कर रही है। आज संसद में शिवराज चौहान इस बिल को पेश करेंगे। यह कई मायने में मनरेगा से बेहतर है। मजबूत और टिकाऊ ग्रामीण बुनियादी ढांचे के निर्माण के मकसद से लाए जा रहे इस विधेयक के प्रावधान न सिर्फ ग्रामीण मजदूरों, बल्कि किसानों के हित भी सुनिश्चित करेंगे। सरकार के मुताबिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ यह कानून विकसित भारत की नींव को और मजबूत करेगा।

नई योजना के तहत निर्मित परिसंपत्तियां विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना संग्रह (नेशनल रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर स्टैक) में दर्ज की जाएंगी। इससे एकीकृत एवं समन्वित रूप से राष्ट्रीय विकास की रणनीतियां बनाने में मदद मिलेगी। ग्रामीण परिवारों के वयस्क सदस्यों को सालाना 125 दिनों की अकुशल रोजगार की कानूनी गारंटी देने वाला यह कानून 20 वर्ष पुरानी योजना मनरेगा की जगह लेगा। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर पहले से चली आ रही एक योजना में बदलावों की जरूरत क्यों पड़ी। यह किस तरह उससे अलग और बेहतर है और क्या इससे वाकई ग्रामीण भारत की तस्वीर बदलेगी।

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने कहा कि प्रस्तावित कानून 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक आधुनिक कानूनी ढांचा स्थापित करेगा।मंत्रालय ने कहा कि इस बिल का मकसद चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के जरिए रोजगार और टिकाऊ ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना है। ये चार मुद्दे हैं पानी से जुड़े कामों के ज़रिए पानी की सुरक्षा, ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर, आजीविका से जुड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर और खराब मौसम की घटनाओं से निपटने के लिए खास काम।

यूपीए सरकार की मनरेगा योजना और एनडीए सरकार का VB-G RAM G बिल कैसे एक दूसरे से अलग है। यह जानना भी जरुरी है ।। मनरेगा में 100 दिनों के रोजगार की गारंटी है, जबकि VB-G RAM G बिल में सरकार ने हर घर के व्यस्क व्यक्ति को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी गई है। इस समय केंद्र सरकारः अकुशल मजदूरी की लागत का 100% और सामग्री की लागत का 75% वहन करती है। राज्य सरकारेंः सामग्री की लागत का शेष 25% और बेरोजगारी भत्ते का भुगतान करती हैं, साथ ही प्रशासनिक लागत भी साझा करती हैं।

जी राम जी बिल यूं तो केंद्र द्वारा स्पॉन्सर्ड बिल है। लेकिन वित्तीय जिम्मेदारी राज्य और केंद्र मिलकर उठाएंगे। पूर्वोत्तर और हिमालय बेल्ट के राज्यों में 90 फीसदी फंडिंग केंद्र की होगी जबकि 10 फीसदी हिस्सा राज्य सरकार उठाएगी। जबकि दूसरे राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के मामले में केंद्र की हिस्सेदारी 60 फीसदी और राज्य की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत होगी।

मनरेगा और VB-G राम-जी विधेयक में एक बड़ा फर्क का ब्रेक पीरियड का है। नई स्कीम में खेती वाले सीजन में रोजगार गारंटी को 60 दिनों के लिए अस्थायी तौर पर रोक दिए जाने का प्रावधान किया जा रहा है, ताकि खेतों में काम न रुक पाए। रिपोर्ट के अनुसार खेती वाले पीक सीजन में इस अधिनियम के तहत कोई काम नहीं कराया जाएगा।केंद्र का कहना है कि MGNREGA के काम बिना किसी मजबूत राष्ट्रीय रणनीति के कई कैटेगरी में फैले हुए थे। नया एक्ट 4 मुख्य तरह के कामों पर फोकस करता है, जो पानी की सुरक्षा, ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर, आजीविका से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण और जलवायु अनुकूलन में मदद करते हैं।

नया एक्ट विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं को अनिवार्य करता है, जिन्हें पंचायतों द्वारा खुद तैयार किया जाता है और PM गति-शक्ति जैसे राष्ट्रीय योजनाओं के साथ इंटीगरेट किया जाता है।यह एक्ट प्रोडक्टिव एसेट बनाने, ज्यादा इनकम और बेहतर लचीलेपन के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है। इस स्कीम में पानी से जुड़े कामों को प्राथमिकता दी जाएगी। गावों में बुनियादी विकास पर जोर दिया जाएगा। सड़कें, कनेक्टिविटी और बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा। ताकि बाजार इन इलाकों तक पहुंच पाए।

इसके अलावा भंडारण, बाजार , इनकम डाइवर्सीफिकेशन पर जोर दिया जाएगा। नया स्कीम जल संचयन, बाढ़ जल निकासी और मिट्टी संरक्षण के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रामीण आजीविका की रक्षा करता है। ग्रामीण इलाकों में रोजगार की उपलब्धता से प्रवासन में कमी आएगी।

मजदूरों को नौकरी की गारंटी लंबे समय तक मिल सकेगी। उन्हें बेहतर मजदूरी मिलेगी, इलेक्ट्रॉनिक मज़दूरी (2024-25 में पहले ही 99।94%) पूरी बायोमेट्रिक और आधार-आधारित वेरिफिकेशन के साथ जारी रहेगी, जिससे मज़दूरी की चोरी पूरी तरह से खत्म होगी।

हाइपरलोकल विकसित ग्राम पंचायत प्लान यह पक्का करेंगे कि काम पहले से प्लान किया होगा। अगर मजदूरों को काम नहीं दिया जाता है, तो राज्यों को बेरोजगारी भत्ता देना होगा। बेहतर सड़कें, पानी और आजीविका से जुड़ी संपत्तियों का निर्माण मजदूरों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाते हैं। इससे उनकी जीवन शैली बदलती है।

गौरतलब है कि MGNREGA 2005 में बनाया गया था लेकिन इसके बाद अगले 20 सालों में ग्रामीण भारत बदल गया है। कई सरकारी एजेंसियों ने अपने सर्वे में बताया है कि लोगों में खर्च करने की क्षमता बढ़ी है। आय और फाइनेंशियल एक्सेस के कारण गरीबी 25।7% (2011–12) से घटकर 4।86% (2023–24) हो गई है।

मज़बूत सोशल प्रोटेक्शन, बेहतर कनेक्टिविटी, ज़्यादा डिजिटल एक्सेस और ज़्यादा विविध ग्रामीण आजीविका के साथ पुराना ढांचा अब आज की ग्रामीण अर्थव्यवस्था से मेल नहीं खा रहा था। इस स्ट्रक्चरल बदलाव को देखते हुए, MGNREGA का ओपन-एंडेड मॉडल पुराना हो गया था।

VB – G RAM G बिल सिस्टम को आधुनिक बनाता है, गारंटी वाले दिनों को बढ़ाता है और प्राथमिकताओं पर फिर से ध्यान केंद्रित करता है।

नए बिल में AI से धोखाधड़ी का पता लगाया जाएगा। इन योजनाओं की निगरानी के लिए केंद्र और राज्य सरकारें संचालन समितियां चलाएंगी। इसके अलावा ग्रामीण विकास के लिए 4 प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाएगा। पंचायतों के लिए बेहतर निगरानी भूमिका हो सकेगी।

भारत एक संतुलित शक्ति

प्रो. आरके जैन

जब विश्व की राजनीतिक धुरी बदल रही है और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में नए अध्याय आकार ले रहे हैं, तब भारत की आवाज़ केवल सुनी ही नहीं जाती, बल्कि वह वैश्विक दिशा को भी प्रभावित करती है। प्राचीन सभ्यतागत विरासत से ऊर्जा लेकर आधुनिक तकनीकी युग में नेतृत्व करता हुआ भारत आज 21वीं सदी के वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर चुका है। वर्ष 2023 में जी20 शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी से लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और स्थायी सदस्यता की निरंतर दृढ़ मांग तक, भारत का प्रभाव निरंतर विस्तार पा रहा है। यह उभार किसी एक राष्ट्र की उपलब्धि भर नहीं, बल्कि विकासशील विश्व की सामूहिक आकांक्षाओं का प्रतीक है, जहां भारत की विदेश नीति राष्ट्रीय हितों के साथ-साथ वैश्विक शांति, संतुलन और समृद्धि की ठोस आधारशिला रखती है।

भारत की विदेश नीति की आधारशिला 'वसुधैव कुटुम्बकम' के विचार पर टिकी है, जो प्राचीन भारतीय दर्शन से निकलकर आज आधुनिक कूटनीति की दिशा तय कर रहा है। यह सिद्धांत केवल विचारात्मक घोषणा नहीं, बल्कि व्यवहारिक नीति के रूप में भारत के कार्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। कोविड-19 महामारी के कठिन दौर में 'वैक्सीन मैत्री' पहल के तहत 95 से अधिक देशों तक वैक्सीन पहुँचाकर भारत ने स्वयं को विकासशील विश्व का भरोसेमंद और संवेदनशील साझेदार सिद्ध किया। जलवायु संकट के बीच भारत की प्रतिबद्धता 'पंचामृत' लक्ष्यों में झलकती है, जिनमें 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन में कटौती और हरित विकास की स्पष्ट रूपरेखा शामिल है। पेरिस समझौते के अंतर्गत भारत ने अपने दायित्वों का पालन करते हुए विकासशील देशों के लिए न्यायपूर्ण वित्तीय सहयोग की माँग उठाई, जिससे उसकी नैतिक नेतृत्व क्षमता सामने आई। यह जिम्मेदारी पर्यावरण तक सीमित नहीं रही; संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में भारत की अग्रणी भूमिका, अफ्रीका से मध्य-पूर्व तक तैनात उसके सैनिकों के माध्यम से, वैश्विक स्थिरता को सुदृढ़ करती है।

यह सब केवल परोपकार नहीं, बल्कि दूरदर्शी रणनीति है, जो भारत को वैश्विक व्यवस्था और अर्थव्यवस्था में सशक्त स्थान दिलाती है।

दुनिया में भारत का बढ़ता प्रभाव आर्थिक मोर्चे पर सबसे स्पष्ट है। 2025 में भारत की जीडीपी लगभग 4.2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच चुकी है, जो उसे विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाती है, तथा 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। यह प्रभाव विदेश नीति के माध्यम से बढ़ा है, जैसे 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के तहत एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में साझेदारियां। क्वाड —भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का गठबंधन, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की आक्रामकता के खिलाफ एक दीवार की तरह खड़ा है। भारत ने यहां न केवल सैन्य अभ्यास किए, बल्कि तकनीकी सहयोग से आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत किया। इसी तरह, ब्रिक्स (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) में भारत की भूमिका विकासशील देशों की आवाज़ को मजबूत करती है, जहां न्यू डेवलपमेंट बैंक के माध्यम से इंफ्रास्ट्रक्चर फंडिंग हो रही है। लेकिन भारत की नीति अलग हटकर इसलिए है क्योंकि वह किसी एक ब्लॉक में बंधा नहीं; वह 'रणनीतिक स्वायत्तता' का पालन करता है। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत ने तटस्थता अपनाई, लेकिन मानवीय सहायता प्रदान की, जिससे उसका प्रभाव दोनों पक्षों में बढ़ा। यह नीति न केवल राष्ट्रीय हितों की रक्षा करती है—जैसे रूस से सस्ता तेल आयात—बल्कि वैश्विक संतुलन बनाए रखती है।

अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा में भारत की प्रतिबद्धताएं और भूमिका भी उल्लेखनीय हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग करते हुए भारत ने जी4 (भारत, जापान, जर्मनी, ब्राजील) का नेतृत्व किया, जो पुरानी व्यवस्था को चुनौती दे रही है। 2025 में, जब विश्व आतंकवाद से जूझ रहा है, भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति—जैसे मुंबई हमलों के बाद की कार्रवाई—वैश्विक मानक बन गई है। भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में पाकिस्तान और चीन के साथ बैठकर भी सीमा सुरक्षा पर अपनी बात रखी। लेकिन भारत का प्रभाव सॉफ्ट पावर से भी आता है—योग को अंतर्राष्ट्रीय दिवस का दर्जा दिलाना, बॉलीवुड की वैश्विक पहुंच और डिजिटल इंडिया की क्रांति।

उबर और गूगल जैसे प्लेटफॉर्म्स में भारतीय इंजीनियर्स का योगदान भारत को तकनीकी सुपरपावर बनाता है। 2025 में, भारत की स्पेस प्रोग्राम—चंद्रयान-3 की सफलता के बाद आर्टेमिस समझौते में शामिल होना—वैश्विक सहयोग का प्रतीक है। यह सब मिलकर भारत को एक ऐसे राष्ट्र के रूप में पेश करता है जो न केवल प्रतिक्रिया देता है, बल्कि एजेंडा सेट करता है।

हालांकि, चुनौतियां भी कम नहीं। चीन के साथ सीमा विवाद, पाकिस्तान से आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव भारत की नीति को परीक्षा में डालते हैं। लेकिन भारत की प्रतिबद्धता 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति में झलकती है, जहां बांग्लादेश और नेपाल के साथ जल समझौते और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स हो रहे हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के बाद भी भारत ने मानवीय सहायता जारी रखी, जो उसकी दीर्घकालिक दृष्टि दिखाती है।

वैश्विक व्यापार में भारत की भूमिका भी बढ़ी है—आरसीईपी से बाहर रहकर भी इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क में शामिल होना।

यह नीति आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करती है, जहां 'मेक इन इंडिया' वैश्विक निवेश आकर्षित कर रहा है।

क्या भ्रष्टाचार का समाधान केवल कानून से संभव है?

डा. वीरेन्द्र भाटी मंगल

राजस्थान की राजनीति में इन दिनों राजनेताओं से जुड़े भ्रष्टाचार की चर्चा व्यापक स्तर पर है। जब राजनीति से जुड़े लोग भ्रष्टाचार में लिप्त होते है तो लोकतंत्र की क्या दशा होगी, हम अंदाजा लगा सकते है। भ्रष्टाचार आधुनिक समाज की सबसे जटिल और गंभीर समस्याओं में से एक है। यह न केवल आर्थिक विकास में बाधा उत्पन्न करता है, बल्कि सामाजिक नैतिकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनता के विश्वास को भी कमजोर करता है। सामान्यतः यह माना जाता है कि भ्रष्टाचार पर नियंत्रण के लिए कठोर कानून और सख्त दंड ही सबसे प्रभावी उपाय हैं किंतु प्रश्न यह उठता है कि क्या वास्तव में भ्रष्टाचार का समाधान केवल कानून से ही संभव है? इस प्रश्न पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक है।

निस्संदेह, कानून भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का एक महत्वपूर्ण साधन है। भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, लोकपाल, सतर्कता आयोग, सीबीआई जैसी संस्थाएं तथा न्यायपालिका की सक्रिय भूमिका भ्रष्टाचार के मामलों को उजागर करने और दोषियों को दंडित करने में सहायक रही हैं। कानून का भय व्यक्ति को गलत कार्य करने से रोकने में कुछ हद तक प्रभावी भी होता है। जब दंड कठोर और प्रक्रिया पारदर्शी होती है, तो भ्रष्ट आचरण की संभावना कम होती है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि कानून भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई की आधारशिला है।

लेकिन केवल कानून पर्याप्त नहीं है, यह तथ्य व्यवहार में बार-बार सिद्ध हुआ है। अनेक सख्त कानूनों के बावजूद भ्रष्टाचार समाज के विभिन्न स्तरों पर विद्यमान है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि कानून तब तक प्रभावी नहीं हो सकता, जब तक उसके क्रियान्वयन में ईमानदारी और निष्पक्षता न हो। यदि कानून लागू करने वाली संस्थाएं ही भ्रष्टाचार से ग्रस्त हों तो कानून मात्र कागजों तक सीमित रह जाता है। लंबी न्यायिक प्रक्रियाएं, राजनीतिक हस्तक्षेप और दंड में देरी भी कानून की प्रभावशीलता को कम कर देती हैं।

भ्रष्टाचार की जड़ें केवल कानूनी ढांचे की कमजोरी में नहीं बल्कि सामाजिक, नैतिक और मानसिक प्रवृत्तियों में भी निहित हैं। जब समाज में अनैतिक आचरण को मौन स्वीकृति मिलती है, रिश्वत को सिस्टम का हिस्सा मान लिया जाता है और व्यक्तिगत लाभ को सार्वजनिक हित से ऊपर रखा जाता है, तब कानून अकेला कुछ नहीं कर सकता। स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार एक नैतिक संकट भी है। इस संदर्भ में नैतिक शिक्षा और मूल्यबोध की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। बचपन से ही ईमानदारी, उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और सामाजिक कर्तव्य जैसे मूल्यों का संस्कार यदि परिवार और शिक्षा-प्रणाली के माध्यम से किया जाए तो भविष्य में भ्रष्ट आचरण की प्रवृत्ति स्वतः कम हो सकती है।

जिस समाज में ईमानदारी को सम्मान और भ्रष्टाचार को सामाजिक तिरस्कार मिले, वहां कानून को बार-बार कठोर होने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसके अतिरिक्त, प्रशासनिक सुधार भी भ्रष्टाचार-निवारण में अहम भूमिका निभाते हैं। प्रक्रियाओं का सरलीकरण, डिजिटल तकनीक का प्रयोग, ई-गवर्नेंस, सूचना का अधिकार, और पारदर्शी निर्णय-प्रणाली भ्रष्टाचार के अवसरों को कम करती है। जब मानवीय हस्तक्षेप घटता है और जवाबदेही बढ़ती है, तब रिश्वत और अनियमितताओं की गुंजाइश स्वतः सीमित हो जाती है।

जनभागीदारी और जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। यदि नागरिक स्वयं भ्रष्टाचार के विरुद्ध खड़े हों, शिकायत दर्ज कराएं, और 'देने' के साथ-साथ 'लेने' से भी इंकार करें, तो व्यवस्था पर सकारात्मक दबाव बनता है। मीडिया, नागरिक समाज और सामाजिक आंदोलनों की सक्रियता भी भ्रष्टाचार को उजागर करने और जनमत तैयार करने में सहायक होती है।

डाक्टरेट ऑन डिस्काउंट

डॉ. सुरेश कुमार

पहले मुझे लगता था "ज्ञान" कोई कठिन तपस्या है, जैसे वेदांत को समझना या समाज की सेवा में जीवन झोंक देना। फिर एक दिन फेसबुक खोला तो पाया कि "ज्ञान" अब ऑफर पर है—राशि मात्र पैंतीस हज़ार, सर्टिफ़िकेट फ्री में प्रसिद्धि! क्या जमाना आ गया है! पहले जहाँ शंकराचार्य पैदल दक्षिण से उत्तर तक विवाद करते घूमे, वहाँ अब मोबाइल डेटा और गूगल पे से डाक्टरेट घर पहुँचा दी जाती है। पंडिताई अब परिश्रम नहीं, बल्कि भुगतान माँगती है। अजी, जिस समाज में 'राय' बिकती हो, वहाँ 'सम्मान' का दाम लगना कोई बड़ी बात थोड़ी है!

फोन पर एक मीठी आवाज़ आई — "सर, हम आपको अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डाक्टर बना सकते हैं। सिर्फ़ 35,000 में।" मैंने पूछा — "क्या मेरा शोध विषय भी उनकी ओर से तय होगा या साथ में मिलेगा?" वह बोली — "जी सर, विषय की क्या जरूरत? अब रिसर्च नहीं, रीचार्ज जरूरी है!" मैंने दिल थाम लिया। पहले लोग किताबें लिखकर डिग्री पाते थे, अब मोबाइल रिचार्ज से। हद तो तब हुई, जब उसने कहा — "सर, आप चाहें तो अवार्ड घर बैठे 25,000 में पा सकते हैं। मोमेंटो, मीडिया पब्लिसिटी सब शामिल!" यानी मानो डाक्टरेट नहीं, डीटीएच कनेक्शन लिया जा रहा हो।

अब मेरे मन में द्वंद्व चल रहा था। एक ओर डाक्टरेट का लालच—नाम के आगे Dr. लगेगा, पड़ोसी झुककर नमस्ते करेंगे, और घरवाले कहेंगे "अब हमारे भी खानदान में विद्वान पैदा हुआ।" दूसरी ओर साहित्य रत्न का आकर्षण—भले ही मैं 'रत्न' से ज़्यादा 'भस्म' ही क्यों न बन चुका हूँ, पर फेसबुक पर चमक जरूर बढ़ेगी।

मैंने पत्नी से पूछा — "कौन सा पैकेज लूं?" वह बोली — "भई, कम में ज्यादा लो। 25 वाला ले लो। आखिर अवार्ड से ज्यादा ज़रूरी गैस सिलेंडर है।" सच में, वह महिला नहीं, राष्ट्र की अर्थनीति थी—सीमित आय में असीम सम्मान की चाह!

अगले दिन उसने फोन किया — "सर, सीरियल की नायिका से सम्मान लेना चाहेंगे या पूर्व सांसद से?"

मैंने कहा — "देखिए, बस किसी ऐसे से दिलवा दीजिए जो मुझे पहचानता न हो, ताकि संकोच न हो।" सम्मान समारोह में क्या भीड़ थी! सब लोग फेसबुकिया समाजसेवी, व्हाट्सएप कवि और इंस्टाग्राम महात्मा।

मंच पर सब एक-दूसरे को सम्मान दे रहे थे—जैसे मूर्खता और अहंकार की साँठगाँठ का वार्षिक उत्सव चल रहा हो। लौटते हुए मैंने ट्रॉफी को देखा—चमचमाती, लेकिन खोखली। तभी समझ आया, सम्मान वह नहीं जो पैसे से मिले—सम्मान वह है जो पढ़ने वाला व्यंग्यकार को दे, जब कहते-कहते उसका पेट फट पड़े!

आज मनेगी शिवरात्रि ?

हिंदू धर्म में मासिक शिवरात्रि का विशेष महत्व होता है। यह प्रत्येक महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर मनाई जाती हैं। इस दिन महाकाल की उपासना और उनके नाम का स्मरण करने से वह प्रसन्न होते हैं। यही नहीं इसके प्रभाव से साधक निडर और साहसी भी बनता है।

शास्त्रों के मुताबिक, मासिक शिवरात्रि शिव और माता पार्वती के मिलन का प्रतीक है। इस तिथि पर उनकी पूजा-अर्चना करने से वैवाहिक जीवन सुखमय बनता है। हालांकि, कन्याओं को शिवलिंग का जलाभिषेक करने की सलाह दी जाती हैं।

इससे मनचाहा साथी पाने की कामना शीघ्र पूर्ण होती हैं। पौष महीने में यह व्रत 18 दिसंबर को रखा जाएगा। ऐसे में आइए इसके मुहूर्त और महत्व को जानते हैं।

पौष मासिक शिवरात्रि 2025

पंचांग के मुताबिक, पौष माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि का प्रारंभ 18 दिसंबर को सुबह 2 बजकर 32 मिनट पर होगा। इस तिथि का समापन 19 दिसंबर को सुबह 4 बजकर 49 पर है। ऐसे में पौष मासिक शिवरात्रि 18 दिसंबर 2025 को मान्य होगी।

पौष मासिक शिवरात्रि मुहूर्त

पंचांग के मुताबिक, मासिक शिवरात्रि पर शिव पूजा के लिए पहला मुहूर्त सुबह 11:57 से दोपहर 12:38 मिनट तक रहेगा। रात्रि मुहूर्त रात 11 बजकर 51 मिनट से देर रात 12.45 तक है। इस अवधि में आप महाकाल की उपासना कर सकते हैं। इसके अलावा मासिक शिवरात्रि पर अनुराधा नक्षत्र और धृति योग का संयोग बना रहेगा। चंद्रमा वृश्चिक राशि में संचरण करेंगे।

मासिक शिवरात्रि पूजा विधि

मासिक शिवरात्रि पर पूजा के लिए सर्वप्रथम एक साफ चौकी पर शिव परिवार की स्थापना करें। आप फिर शिव परिवार को वस्त्र अर्पित करें और सभी को चंदन का तिलक लगाएं।

इसके बाद शिवलिंग पर गंगाजल, दूध, दही, शहद से अभिषेक करें।

फिर महादेव को बेलपत्र और फूल माला अर्पित करें।

इस दौरान शिव जी को गेहूं, फल और सफेद मिठाई भी चढ़ा दें।

महादेव के सामने घी का दीप जलाएं और शिव मंत्रों का उच्चारण करें।

मासिक शिवरात्रि की कथा का पाठ कर लें।

फिर आप महादेव की आरती करें और उन्हें शक्कर भोग के रूप में चढ़ाएं।

अंत में जरूरतमंदों को चावल, दूध या धन का दान करें। कुछ चीजों का दान करें।

महामृत्युंजय मंत्र

ऊँ हौं जूं सः ऊँ भुर्भवः स्वः ऊँ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
ऊर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात
ऊँ भुवः भूः स्वः ऊँ सः जूं हौं ऊँ।।

जगन्नाथ मंदिर के शिखर पर चीलों का दिखना क्या देता है आपदा का संदेश?

ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर सिर्फ एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आस्था, रहस्य और परंपराओं का ऐसा केंद्र है, जहां घटने वाली हर छोटी-बड़ी घटना लोगों के मन में कई सवाल खड़े कर देती है. इस मंदिर से जुड़ी मान्यताएं सदियों पुरानी हैं और यहां होने वाले बदलावों को लोग अकसर भविष्य के संकेत मान लेते हैं. हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो और कुछ तस्वीरें तेजी से वायरल हुई हैं, जिनमें जगन्नाथ मंदिर के शिखर और नीले चक्र के आसपास चीलों का बड़ा झुंड उड़ता नजर आ रहा है. वीडियो सामने आने के बाद लोगों में हलचल मच गई है. कोई इसे दैवीय संकेत बता रहा है तो कोई आने वाली किसी बड़ी परेशानी से जोड़ रहा है. कुछ लोगों का मानना है कि मंदिर के ऊपर इस तरह पक्षियों का मंडराना आम बात नहीं है और इसके पीछे कोई गहरा संदेश छिपा हो सकता है. वहीं, कई यूजर्स इसे प्राचीन ग्रंथों और भविष्यवाणियों से जोड़ते हुए तरह-तरह के दावे कर रहे हैं. जगन्नाथ मंदिर से जुड़ी हर असामान्य घटना पहले भी चर्चा का विषय बनती रही है. चाहे रथ यात्रा के दौरान कोई अनोखी घटना हो या मंदिर के ध्वज से जुड़ा रहस्य, भक्त हर संकेत को भगवान की लीला मानते हैं. ऐसे में शिखर पर चीलों का झुंड दिखना लोगों के मन में डर, उत्सुकता और आस्था तीनों भाव पैदा कर रहा है।

सोशल मीडिया पर क्यों मचा हंगामा?

जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ, सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई. कुछ लोगों ने लिखा कि यह किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का इशारा हो सकता है, जबकि कुछ ने इसे युद्ध या सामाजिक उथल-पुथल से जोड़ दिया. कई पोस्ट में कहा गया कि पहले भी ऐसी घटनाओं के बाद देश या दुनिया में कुछ न कुछ बड़ा घटा है।

वहीं, दूसरी ओर कुछ लोग इसे अफवाह बता रहे हैं. उनका कहना है कि आजकल हर वायरल वीडियो को रहस्य से जोड़ दिया जाता है, जबकि हकीकत में कई बार वजह बेहद सामान्य होती है. फिर भी, जगन्नाथ मंदिर का नाम जुड़ते ही मामला आम नहीं रह जाता और चर्चा अपने आप गहरी हो जाती है।

भविष्य मलाइका ग्रंथ और मान्यताएं

इस पूरे मामले में भविष्य मलाइका ग्रंथ का नाम भी बार-बार लिया जा रहा है. मान्यता है कि यह ग्रंथ करीब 1400 के आसपास ओडिशा के पंचसखा संतों ने भगवान जगन्नाथ के मार्गदर्शन में लिखा था. ताड़ के पत्तों पर लिखे इस ग्रंथ में कलियुग से जुड़े कई संकेतों और घटनाओं का जिक्र मिलता है. कुछ मान्यताओं के मुताबिक, अगर मंदिर के ध्वजदंड या शिखर के आसपास चील जैसे पक्षी बार-बार दिखाई दें, तो इसे किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा या अशांति से जोड़कर देखा जाता है. इसी वजह से वायरल वीडियो को देखकर लोग भविष्य मलाइका की बातों को याद कर रहे हैं और अंदाजे लगा रहे हैं कि क्या वाकई कोई चेतावनी सामने आई है।

चील, गरुड़ और धार्मिक नजरिया

हिंदू मान्यताओं में चील या गरुड़ को भगवान विष्णु से जोड़ा जाता है. कई भक्त मानते हैं कि गरुड़ भगवान के वाहन हैं और उनका मंदिर के ऊपर दिखना शुभ संकेत भी हो सकता है. इसी वजह से कुछ लोग इसे डर की बजाय आशीर्वाद के रूप में देख रहे हैं. उनका कहना है कि अगर सैकड़ों पक्षी नीले चक्र के चारों ओर उड़ रहे हैं, तो इसका मतलब मंदिर की ऊर्जा और शक्ति मजबूत है. ऐसे लोग इसे भगवान की उपस्थिति का संकेत मानते हैं, न कि किसी अनहोनी का.

क्या सच में यह किसी आपदा का इशारा है? इतिहास में कई बार ऐसा देखा गया है कि प्राकृतिक घटनाओं को धार्मिक संकेतों से जोड़ दिया जाता है।

पक्षियों का झुंड बनाकर उड़ना मौसम, हवा की दिशा और आसपास के माहौल पर भी निर्भर करता है. समुद्र के पास होने की वजह से पुरी क्षेत्र में कई तरह के पक्षी अकसर दिखाई देते हैं।

विशेषज्ञों की मानें तो खुले वातावरण और ऊंची संरचनाओं के कारण चील जैसे पक्षी मंदिर के आसपास मंडरा सकते हैं. इसका मतलब यह नहीं कि हर बार कोई खतरा ही सामने आ रहा हो।

गलत दवा जैसे लाभ नहीं देती, वैसे ही गलत समझ हमेशा गलत परिणाम देती है

एक वैद्य जी के पास दो रोगी पहुंचे, दोनों का मर्ज एक जैसा था, दोनों रोगियों को आंख और पेट में दर्द हो रहा था। वैद्य जी ने दोनों से सब बातें पूछकर दोनों को पेट के लिए चूर्ण दिया और कहा इसे उबाल कर पी लेना, आंख के लिए एक पुड़िया में अंजन दे दिया और कहा कि सोते समय आँख में अंजन डालकर आँखें घुमाना जिससे लाभ मिलेगा। दोनों पुड़ियाओं पर अलग-अलग निशान लगाकर दोनों रोगियों को समझाकर दिया।

एक रोगी ने तो वैद्य जी के कहे अनुसार वैसा ही किया, उसे आराम हो गया, दूसरे ने विधि तो वैसी ही की, परन्तु पुड़िया बदल ली अर्थात आँख में चूर्ण डाल लिया और अंजन को उबाल कर पी लिया। अंजन ठंडा होने से पेट में वायु कर गया और पेट में दर्द बढ़ गया। आंख में एक फूस गिर जाने से मुश्किल हो जाती हैं, जब उसने चूर्ण मोटा कुटा हुआ डाल लिया, जिससे आंख सूज गई और ज्यादा दर्द होने लगा। वह रात भर घबराया और नींद नहीं आई। रात में मन ही मन वह वैद्य जी को कोसने लगा और सबुह जाकर झुंझलाकर वैद्य जी से बोला, 'आपने कैसी गलत दवा दी, जिससे मेरा हाल-बेहाल हो गया, मैं तो रात भर तड़पता रहा!'

वैद्यजी ने आश्चर्य से पूछा, "ऐसा कैसे हुआ? दवा से बीमारी ठीक न भी हो, पर बढ़े यह तो संभव नहीं।" उसी समय दूसरा रोगी भी वहाँ आ गया। वैद्यजी ने उससे पूछा, "तुम कैसे हो?" वह बोला, "पेट और आंख दोनों में खूब आराम है।" पहला रोगी यह सुनकर भड़क उठा, "ज़रूर इसे अच्छी दवा दी होगी और मुझे बेकार वाली!" वैद्यजी ने शांत स्वर में पूछा, "तुम्हारी दवाई कैसी थी? दिखाओ ज़रा!" उसने चूर्ण आगे किया और कहा, "यह आंख की बची हुई दवा है और बताया कि दूसरी दवा वह उबालकर पी गया। अब सारी बात वैद्यजी को समझ आ गई। उन्होंने कहा, "जब दवा की पुड़ियां गड़बड़ी से बदल दीं, तो बीमारी बढ़ना ही थी। दोष दवा या वैद्य का नहीं, गलत उपयोग का था।'

भगवान की वाणी, शास्त्रों या उपदेशों को यदि सही अर्थ में न समझकर मनमाने अर्थ लगाए जाएं और फिर उन्हें मनचाहे ढंग से उपयोग किया जाए, तो उनसे वह वास्तविक लाभ कभी नहीं मिल सकता, जो मिलना चाहिए। ज्योतिष शास्त्र का उपयोग अथवा कोई भी उपाय करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि पूर्ण फल तभी मिलता है जब उसे सही रूप में ग्रहण किया जाए।

क्या भाग्य और भविष्य वास्तव में एक ही हैं

इस परिस्थिति में भाग्य भी भविष्य हो जाता है

बहुत से लोग कहते हैं कि, सब कुछ भाग्य में लिखा है, वहीं कुछ लोग मानते हैं कि, भविष्य हम स्वयं बनाते हैं, दोनों में कौन सी बात सत्य है? भाग्य वह है, जिसे बदला नहीं जा सकता है, यानि भाग्य तय है। यह वह परिणाम है जो हमारे पिछले कर्मों, निर्णयों या परिस्थितियों से बन चुका है।

जैसे पूर्व जन्मों के कर्म अनुसार किसी बच्चे का गरीब या अमीर परिवार में जन्म लेना, यह उसका भाग्य है, भाग्य वह है जिस पर व्यक्ति का सीधा नियंत्रण नहीं होता। भविष्य, व्यक्ति के हाथों में रहता है, जो आज यानि वर्तमान के कर्मों से बनता है, भविष्य निश्चित नहीं होता। यह बदलता है, और इसे बदलने का साधन हमारे कर्म हैं। अगर कोई बच्चा गरीब घर में जन्मा, तो यह उसका भाग्य है।

लेकिन अच्छी शिक्षा लेकर अपना अच्छा जीवन बनाना, यह उसका भविष्य है। बारिश हो रही है, लेकिन आप आज से छतरी रखना शुरू कर दें, तो अगली बार भीगने का भविष्य बदल सकता है, इसलिए कहा गया है कि भविष्य के मालिक आप खुद होते हैं।

आसान अंतर - भाग्य, जो हो चुका है, भविष्य, जो होना बाकी है। भाग्य जिसे बदला नहीं जा सकता, भविष्य जिसे बदला जा सकता है। भाग्य है अतीत का परिणाम और भविष्य है वर्तमान का परिणाम।

भाग्य और भविष्य, दोनों एक जैसे कब - भाग्य वह हिस्सा है जिसे आप बदल नहीं सकते, भविष्य वह है जिसमें आप हमेशा कुछ बदल सकते हैं।

लेकिन दोनों एक जैसे तब लगते हैं जब व्यक्ति मेहनत छोड़ देता है, परिस्थितियां देख कर हार मान लेता है, इस स्थिति में भविष्य भी भाग्य जैसा हो जाता है। भाग्य और भविष्य अलग हैं, लेकिन लोग इन्हें एक जैसा समझ लेते हैं क्योंकि दोनों नज़र नहीं आते, सिर्फ महसूस होते हैं। भाग्य वह है जिसे आप स्वीकार करते हैं।

भविष्य वह है जिसे आप बनाते हैं। एक कहावत इसे बिल्कुल स्पष्ट कर देती है, "भाग्य दरवाज़ा खोल सकता है, लेकिन अंदर आपको ही जाना होता है, जिससे आपके भविष्य का निर्माण होता है।"

खरमास में करें इन पांच में से किसी 1 चीज का दान, चमकेगी किस्मत

खरमास का आरंभ हो गया है। इस दौरान कुछ विशेष चीजों का दान करने से भगवान विष्णु की कृपा मिलती है। इन दानों से कुंडली के कमजोर सूर्य और गुरु ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होते हैं। खरमास में किए गए दान का दोगुना फल मिलता है। जानें खरमास में किसका दान करें।

खरमास का आरंभ हो चुका है। हिंदू धर्म में खरमास का विशेष महत्व बताया गया है। जब भी सूर्य धनु राशि में प्रवेश करते हैं तब से खरमास का आरंभ हो जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दौरान सूर्य का तेज कम हो जाता है। जिस वजह से इस महीने में कोई भी शुभ कार्य नहीं किया जाता है। हालांकि, खरमास का महीना देव गुरु बृहस्पति और भगवान विष्णु की पूजा अर्चना के लिए खास माना जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं खरमास में किन चीजों का दान करने से व्यक्ति भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करके धन और ऐश्वर्य हासिल करेगा।

खरमास में क्या दान करें

1) पुराणों के अनुसार, खरमास के महीने में गुड़ का दान करना अत्यंत शुभ फलदायी माना गया है। जरूरतमंद लोगों को गुड़ का दान खरमास में करने से कुंडली में कमजोर सूर्य मजबूत होता है। साथ ही गुड़ का संबंध बृहस्पति से भी बताया गया है। अगर किसी की कुंडली में गुरु कमजोर अवस्था में है तो उन्हें भी गुड़ का दान करना चाहिए। ऐसा करने से कुंडली में कमजोर गुरु के अच्छे परिणाम मिलते हैं।

2) खरमास में तिल का दान भी करना चाहिए। वैसे तो आप काले सफेद किसी का भी दान कर सकते हैं। लेकिन, लाल रंग के तिल का दान करना सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

3) खरमास के दौरान गर्म कपड़े को दान करना भी अच्छा माना जाता है। गर्म कपड़े और कंबल का दान करने से सूर्य ग्रह की कृपा मिलती है। साथ ही अगर कुंडली में भी है गुरु ग्रह कमजोर है तो व्यक्ति को खरमास में जरूरतमंद लोगों को गर्म कपड़े और कंबल दान करने से बहुत सुख समृद्धि मिलती है।

4) नमक के दान को महादान कहा जाता है। साथ ही इसका दान करने से चंद्रमा का बुरा प्रभाव कम होता है। इसके दान से कई प्रकार का पाप का नाश होता है। नमक का दान सूर्य से भी संबंध माना जाता है।

5) खरमास में रुई का दान या रुई से बनी चीजें जैसे पूजा की बत्तियां इन सभी का दान आप किसी मंदिर में कर सकते हैं।

खरमास में दान का महत्व

ऐसी मान्यता भी है कि खरमास में किए गए दान का दोगुना फल व्यक्ति को मिलता है। हालांकि, खरमास में कोई शुभ काम तो किया जाता नहीं है लेकिन, इस समय भगवान विष्णु की पूजा और दान आदि करने से कुंडली में कमजोर सूर्य और गुरु के अशुभ प्रभाव को कम कर दिया जाता है।

मनुष्य जितना नीचे गिरेगा, उतना पतित होता जाएगा

कायदे से तो मंदिर में जाकर अहंकार गिराना चाहिए, पर कुछ लोग वहां जाकर आचरण गिरा देते हैं। पानी कितना ही नीचे गिरे, पानी ही रहेगा। लेकिन मनुष्य जितना नीचे गिरेगा, उतना ही पतित और पशुवत होता जाएगा। लोग धार्मिक क्षेत्र में भी भ्रष्ट होने के नए-नए मानक स्थापित कर रहे हैं। इन दिनों मांसाहार, शाकाहार और भ्रष्टाचार- इसकी बड़ी चर्चा होती है।

मांसाहार में हम दूसरों का जीवन समाप्त करके अपना पेट भरते हैं। शाकाहार में हम प्रकृति का सम्मान करते हुए अपना उदर तृप्त करते हैं। और भ्रष्टाचार में हम एक व्यवस्था के प्राण ले लेते हैं। इस समय दुनिया मांसाहार के प्रति उदासी बरत रही है। मीटलेस मंडे, वीगन फ्राइडे- इन सबका चलन बढ़ गया है।

लोगों को समझ आ गया है कि मांसाहार छोड़ने से पर्यावरण और स्वास्थ्य पर अनुकूल असर पड़ेगा। लेकिन भ्रष्टाचारी लोग और बिगड़ रहे हैं। देश के सबसे धनाढ्य मंदिर में पहले लड्डू का भ्रष्टाचार किया। अब साड़ी प्रकरण सामने आ गया। ये भगवान के रोटी, कपड़ा, मकान- तीनों पर आक्रमण कर रहे हैं। आस्थावान आहत हैं और अपराधी अदृश्य हैं।

शनि तांबे के पाए पर करेंगे गोचर

नौकरी-कारोबार में इन 3 राशियों को जबरदस्त फायदा

शनि गोचर 2026 का महत्व

28 नवंबर को शनि मीन राशि में मार्गी हो चुके हैं और 26 जुलाई 2026 तक इसी अवस्था में रहेंगे। साल 2026 में शनि कुछ राशियों की चंद्र कुंडली में तीसरे, सातवें और दसवें भाव में तांबे के पाए पर संचरण करेंगे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यह स्थिति मेहनत का अच्छा फल देने वाली मानी जाती है और जीवन में स्थायित्व लाती है।

क्या होता है शनि का तांबे का पाया?

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, हर नए संवत्सर में शनि देव सोना, चांदी, तांबा या लोहा धातु के पाए धारण करते हैं। इन्हीं धातुओं के आधार पर साल भर के शुभ-अशुभ फल तय किए जाते हैं। तांबे का पाया मध्यम से शुभ फल देने वाला माना जाता है, जो आर्थिक मजबूती और करियर ग्रोथ का संकेत देता है।

इन राशियों पर बरसेगी शनि देव की विशेष कृपा।

मिथुन राशि: करियर और पार्टनरशिप में लाभ

शनि का तांबे के पाए पर संचरण आपके लिए बेहद फायदेमंद रहेगा। इस समय भाग्य आपके साथ है, क्योंकि शनि महाराज आपकी चंद्र राशि से सातवें भाव में संचरण कर रहे हैं। इससे मिथुन राशि वालों की नौकरी में तरक्की, सैलरी में बढ़ोतरी और व्यापार में पार्टनरशिप से लाभ के योग बनेंगे। नई जॉब सर्च कर रहे हैं, तो आपको सफलता मिल सकती है।

कन्या राशि: आय और निवेश में बढ़ोतरी

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, कन्या राशि के जातकों के लिए यह गोचर अनुकूल साबित होगा। जॉब और बिजनेस में तरक्की के साथ अचानक धन लाभ के संकेत हैं। करियर में ऊंचा पद मिल सकता है और आय के नए स्रोत बनेंगे। निवेशकों के लिए यह समय काफी अच्छा माना जा रहा है।

मकर राशि: धन, संपत्ति और आत्मविश्वास में वृद्धि

आपके ऊपर शनि की विशेष कृपा रहने वाली है। साल 2026 में धन प्राप्ति के प्रबल योग बनेंगे। आपके आत्मविश्वास और पराक्रम में वृद्धि होगी, जिससे विरोधियों पर विजय मिलेगी। फैमिला का साथ मिलेगा और पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बिताने का मौका मिलेगा। इस साथ ही प्रॉपर्टी खरीदने के योग भी बन नजर आ रहे हैं।

पाकिस्तान ने धुरंधर को बताया प्रोपेगेंडा मूवी

जवाब में लेकर आ रहे हैं 'मेरा ल्यारी' फिल्म, कहा- भारत का दुष्प्रचार सफल नहीं होगा

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' की जितनी चर्चा भारत में हो रही है, उससे कहीं ज्यादा पाकिस्तान में। फिल्म में पाकिस्तान के कराची के ल्यारी इलाके और 1999-2009 तक हुए वहां के गैंगवार को दिखाया गया है। ल्यारी और वहां के गैंगवार की दिखाने की वजह से पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान ने धुरंधर को प्रोपेगेंडा बता दिया है। साथ ही, उन्होंने 'मेरा ल्यारी' नाम की फिल्म की घोषणा की है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, धुरंधर में ल्यारी को दिखाने से सिंध के अधिकारियों में इतनी नाराजगी है कि सिंध सूचना विभाग ने अपनी खुद की फिल्म 'मेरा ल्यारी' की घोषणा की है। उनका दावा है कि इस फिल्म के जरिए इलाके के असली कहानी को दिखाई जाएगी। सिंध इंफॉर्मेशन डिपार्टमेंट के आधिकारिक हैंडल से मेरा ल्यारी के दो पोस्टर शेयर करते हुए लिखा गया- 'गलत बयानी से सच्चाई को मिटाया नहीं जा सकता। ल्यारी संस्कृति, शांति और दृढ़ता का प्रतीक है, हिंसा का नहीं।

जहां धुरंधर दुष्प्रचार फैला रहा है, वहीं मेरा ल्यारी जल्द ही गौरव और समृद्धि की सच्ची कहानी बयां करेगा। फिल्म जनवरी 2026 में रिलीज होगी। ल्यारी के खिलाफ भारत का दुष्प्रचार कभी सफल नहीं होगा।'

फिल्म धुरंधर की बात करें तो आदित्य धर की फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, दानिश पंडोर, राकेश बेदी, गौरव गेरा जैसे कलाकारों ने काम किया है। इस फिल्म में रणवीर सिंह ने एक भारतीय अंडर कवर एजेंट का रोल निभाया है। वहीं, अक्षय खन्ना ने ल्यारी के गैंगस्टार रहमान डकैत और दानिश ने उजैर बलोच का किरदार निभाया है।

ल्यारी को 'मदर ऑफ कराची' भी कहते हैं

वहीं, ल्यारी के ऐतिहासिकता की बात करें तो इसे कराची के सबसे पुराने बसे हुए इलाकों में से एक माना जाता है और यहां के लोग इसे 'मदर ऑफ कराची' भी बुलाते हैं। इस एरिया को ओरिजनली सिंधी मछुआरों और बलूच खानाबदोशों ने बसाया था। ऐसा कहा जाता है कि यह नाम सिंधी शब्द 'ल्यार' से लिया गया है। ल्यार एक ऐसा पेड़ था, जो कभी ल्यारी नदी के किनारे उगता था।

बिग बॉस 19 की ट्रॉफी जीतने के बाद गौरव खन्ना ने सलमान खान को लेकर कही यह बात

गौरव खन्ना का मानना है कि बिग बॉस 19 की ट्रॉफी जीतने के बाद अब उनकी असली यात्रा शुरू हुई है। एक्टर ने बिग बॉस 19 का विजेता बनने के बाद अब अपना यूट्यूब चैनल शुरू किया है। अपने चैनल पर अपना पहला वीडियो शेयर करते हुए गौरव ने अपने सफर के बारे में बात की। साथ ही इस वीडियो में उन्होंने अपनी बिग बॉस की यात्रा को भी याद किया।

पहले वीडियो में अपने सफर के बारे में की बात

अपने चैनल पर अपने पहले वीडियो में गौरव ने बचपन, शिक्षा और करियर को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने अनुपमा से लेकर सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तक के सफर को साझा किया। उन्होंने कहा कि कई प्रशंसकों ने मुझसे सोशल मीडिया पर सक्रिय होने के लिए कहा और आखिरकार मैंने अपने जीवन की एक झलक दिखाने का फैसला किया। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि यह मेरा पहला यूट्यूब वीडियो है।

मैंने खुद से किया था यह वादा

बिग बॉस 19 के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा कि मेरे नजरिए से विजेता वह होता है जो अपनी गलतियों को नहीं दोहराता, जो ऐसा कुछ

भी नहीं करता जिसे उसका अपना परिवार देखना पसंद न करे। हमेशा कहा जाता था कि बिग बॉस एक लड़ाई-झगड़े वाला शो है, लोग अपना आपा खो देते हैं और अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन घर में जाने से पहले मैंने खुद से वादा किया था कि अपशब्दों का इस्तेमाल न करना, किसी के शरीर को लेकर शर्मिंदगी न करना और सब कुछ अपने तरीके से करना है। यह एक मजेदार सफर था।

मृदुल और प्रणित का भी किया जिक्र

बिग बॉस के अपने साथी कंटेस्टें प्रणित और मृदुल तिवारी का दिल से शुक्रिया अदा करते हुए गौरव ने कहा कि शो में जिन लोगों ने मुझे पसंद नहीं किया या प्यार नहीं किया, मैं अगले शो में बेहतर करने की कोशिश करूंगा। मेरे दोनों छोटे भाई प्रणित और मृदुल ने मुझे बिठाकर समझाया कि मुझे सोशल मीडिया पर आना चाहिए, यह बहुत जरूरी है। मुझे इस दुनिया के बारे में कुछ भी पता नहीं है। यह आप दोनों के लिए है, मैंने वादा किया था। आप दोनों इस क्षेत्र में मेरे सीनियर हैं, अगर मुझसे कोई गलती हो जाए तो माफ करना। मुझे लाइव आना भी नहीं आता। यह मेरे लिए कुछ नया करने की कोशिश है।

सलमान को बोला खास थैंक्यू

बिग बॉस के होस्ट सुपरस्टार सलमान खान के बारे में बात करते हुए गौरव ने स्वीकार किया कि वीकेंड का वार से मिले रिएक्शन ने उनके खेल में सुधार किया। उन्होंने कहा कि मैं सलमान सर का हमेशा आभारी रहूंगा। मैंने बिग बॉस उन्हीं के लिए किया था, मैं उनका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। लोगों को लगता है कि वो वीकेंड एपिसोड में प्रतियोगियों को डांटते हैं, लेकिन असल में वो बीच-बीच में समझदारी से सुझाव देते हैं, जिससे आपका खेल बेहतर हो सके।

मैं समझ गया था कि वो मुझसे अपने खेल में क्या बदलाव चाहते हैं, जबकि दूसरे लोग यह नहीं समझ पाए कि मैंने पहले ही खुद पर काम कर लिया था। वीडियो के अंत में गौरव खन्ना ने अपने फैंस और टेलीविजन के अपने साथियों का भी आभार जताया।

फाइनल में इन्हें पछाड़कर जीती बिग बॉस 19 की ट्रॉफी

बिग बॉस 19 के फाइनल में गौरव खन्ना ने अपने साथी फाइनलिस्ट अरमान मलिक, प्रणित मोरे, तान्या मित्तल और फरहाना भट्ट को पछाड़ते हुए ट्रॉफी अपने नाम की। फरहाना भट्ट शो की पहली रनरअप रहीं। गौरव इससे पहले सेलिब्रिटी मास्टरशेफ के भी विनर रह चुके हैं।

42 साल की उम्र में सर्जन से फिल्मी सितारा बने श्रीराम लागू

अमिताभ-राजेश से रहा खास कनेक्शन

हिंदी सिनेमा के समंदर में कई सितारे ऐसे हैं, जिनकी पहचान बनाने की कहानी किसी प्रेरणा से कम नहीं होती। इनमें से एक नाम है डॉ. श्रीराम लागू। यह वही शख्स हैं, जिन्होंने अपनी शानदार मेडिकल प्रैक्टिस छोड़कर 42 साल की उम्र में फिल्मी दुनिया में कदम रखा और दर्शकों के दिलों में अपनी अलग पहचान बनाई। डॉक्टर से अभिनेता बनने का यह सफर आसान नहीं था, लेकिन उनकी लगन और जुनून ने उन्हें बॉलीवुड और मराठी सिनेमा दोनों में अमिट छाप छोड़ने का मौका दिया। श्रीराम लागू का जन्म 16 नवंबर 1927 को हुआ। बचपन से ही उनका कला और अभिनय के प्रति झुकाव था, लेकिन उन्होंने डॉक्टर बनने का रास्ता चुना। मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई के दौरान उन्होंने थिएटर में कदम रखा और प्रोग्रेसिव ड्रामेटिक एसोसिएशन से जुड़कर अपने अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद मुंबई में 'रंगायन' समूह के जरिए उन्होंने थिएटर की दुनिया में खुद को और निखारा। थिएटर में उनके काम की तारीफें इतनी

पुण्य तिथि पर विशेष

बढ़ीं कि अंततः 1969 में उन्होंने मराठी मंच पर पूर्णकालिक अभिनेता के रूप में कदम रखा और वसंत कानेटकर के नाटक 'इठे ओशलाला मृत्यू' में अपनी भूमिका से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मराठी थिएटर में उनका नाम नटसम्राट के पहले नायक के रूप में हमेशा याद रखा जाएगा। उनके अभिनय की सहजता और चरित्रों में जान डालने की क्षमता उन्हें अलग बनाती थी, लेकिन उनकी कहानी का सबसे रोमांचक मोड़ तब आया जब उन्होंने 42 साल की उम्र में फिल्मों की दुनिया में कदम रखा।

1975 में उन्होंने फिल्मी करियर की शुरुआत की और अगले 20 सालों में लगभग 100 हिंदी और मराठी फिल्मों में काम किया। उनका नाम बड़े सितारों के साथ जुड़ा। राजेश खन्ना के साथ मकसद, सौतन, नसीहत, थोड़ी सी बेवफाई, आवाम, तो अमिताभ बच्चन और ऋषि कपूर के साथ देवता, किनारा, सदमा, मुकद्दर का सिकंदर, लावारिस, इंकार, जुर्माना जैसी फिल्मों में उनका योगदान यादगार रहा। उनकी हर भूमिका में एक प्राकृतिक सहजता और किरदार के प्रति ईमानदारी झलकती थी। उन्होंने हिंदी फिल्म घरौंदा के लिए 1978 का फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार जीता।

डॉ. लागू सिर्फ अभिनेता नहीं थे, बल्कि थिएटर निर्देशक और सामाजिक कार्यकर्ता भी थे। उन्होंने 40 से अधिक मराठी, हिंदी और गुजराती नाटकों में अभिनय किया और 20 से ज्यादा मराठी नाटकों का निर्देशन किया। 1999 में उन्होंने भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन में हिस्सा लिया और उपवास करके समाज में अपनी सक्रिय भूमिका दिखाई।

उनकी पत्नी दीपा लागू भी थिएटर और फिल्मों से जुड़ी हुई हैं। अपने दिवंगत बेटे तनवीर लागू की याद में उन्होंने तनवीर सम्मान की स्थापना की, जो रंगमंच के होनहार कलाकारों को सम्मानित करने के लिए किया गया था।

परिवार के प्रति उनकी स्नेहशीलता और समाज के प्रति जिम्मेदारी उनके व्यक्तित्व का अहम हिस्सा रही। पुणे में 17 दिसंबर, 2019 को श्रीराम लागू का निधन हो गया।

रितेश-जेनेलिया की खुशहाल शादी का राज

अभिनेत्री ने पति के जन्मदिन पर खोला सबसे बड़ा सीक्रेट

बॉलीवुड के पावर कपल जेनेलिया देशमुख और रितेश देशमुख को फैंस काफी पसंद करते हैं। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर मजेदार वीडियो शेयर करते रहते हैं। बुधवार को अभिनेता रितेश देशमुख अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस अवसर पर अभिनेत्री ने खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी। जेनेलिया ने इंस्टाग्राम पर रितेश के साथ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में एक दूसरे की मुस्कान और करीबी साफ झलक रही है। पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, प्यारे रितेश, जो हमें जानते हैं, वे अक्सर सवाल पूछते हैं कि इतने सालों बाद भी हम साथ में इतने खुश कैसे हैं। मुझे लगता है कि इसके पीछे की असली वजह सिर्फ रितेश आप हैं। आप प्यार और अपनेपन के प्रतीक हैं। आप हर पल मुझे हंसाते रहते

हैं और जब मेरी आंखों में आंसू आते हैं, तो उन्हें पोंछ भी देते हैं।

उन्होंने रितेश की तारीफ करते बताया कि अभिनेता के अंदर लोगों से गहरा जुड़ाव रखने की अनोखी काबिलियत है। उन्होंने लिखा, आपके साथ रहने वाला हर व्यक्ति खुद को खास महसूस करता है। मैं भाग्यशाली हूं, क्योंकि आप मुझे एक ऐसे साथी के रूप में मिले, जिसका दिल इतना साफ है और सोचिए 24 घंटे, हर पल मैं आपके साथ रहती हूं। इस प्यारे रिश्ते के लिए मैं आपकी शुक्रगुजार हूं।

अभिनेत्री ने आखिरी में लिखा, मैं आपको हर दिन, हर घड़ी, हर सेकंड सेलिब्रेट करूंगी क्योंकि आप मेरे लिए सबकुछ हो और उससे भी कहीं ज्यादा। हैप्पी बर्थडे मेरे दिल की धड़कन! मेरा दिल आपके पास है, इसे हमेशा संभाल कर रखना।

इसी के साथ ही अभिनेता अजय देवगन ने भी जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर रितेश के साथ तस्वीर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं रितेश देशमुख। इस साल 'रेड' तो डाल दी, अब अगले साल फिर से धमाल मचाएंगे।

जहां आम लोग नहीं पहुंच पाते, वहां हमने की शूटिंग : अमृता खानविलकर

भारतीय ओटीटी इंडस्ट्री लगातार नए और दमदार कंटेंट के साथ दर्शकों को आकर्षित कर रही है। बड़े फिल्ममेकर्स अब वेब सीरीज के जरिए ऐसी कहानियां लेकर आ रहे हैं, जो पहले कभी पर्दे पर देखने को नहीं मिलीं। इसी कड़ी में मशहूर निर्देशक और निर्माता नीरज पांडे 'तस्करी' नामक नई वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं। इस सीरीज में बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी और लोकप्रिय अभिनेत्री अमृता खानविलकर अहम भूमिकाओं में हैं। यह वेब सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। अमृता खानविलकर ने इस वेब सीरीज को लेकर अपनी खुशी और अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, नीरज पांडे जैसे निर्देशक के साथ काम करना हमेशा खास होता है, क्योंकि उनकी कहानियां वास्तविक और जमीन से जुड़ी होती हैं। 'तस्करी' की शूटिंग का अनुभव बेहद रोमांचक रहा, और इस सीरीज पर काम करते हुए मैंने हर पल कुछ नया सीखा। यह मेरे लिए एक यादगार अनुभव बन गया।

अमृता ने कहा, सीरीज में किसी भी तरह के बनावटी सेट का इस्तेमाल नहीं किया गया, बल्कि वास्तविक जगहों पर शूटिंग हुई है ताकि कहानी ज्यादा सच्ची और प्रभावशाली लगे। शूटिंग के दौरान हमें ऐसी जगहों पर जाने का मौका मिला, जो आम लोगों के लिए पूरी तरह प्रतिबंधित हैं।

अभिनेत्री ने कहा, एयरपोर्ट के भीतर के ऐसे हिस्सों में शूटिंग की गई, जहां आम यात्रियों की पहुंच नहीं होती। इसमें एयरपोर्ट के एयरपैड्स और अन्य प्रतिबंधित जोन शामिल थे। इन जगहों पर शूट करना आसान नहीं था। लेकिन, इससे सीरीज की प्रामाणिकता और भी बढ़ गई है। यह अनुभव मेरे करियर के सबसे यादगार पलों में से एक बन गया। इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव को लेकर भी अमृता ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा, इमरान हाशमी एक बेहद सरल और विनम्र इंसान हैं। उनके साथ काम करना पेशेवर रूप से अच्छा तो था ही, व्यक्तिगत तौर पर भी काफी सहज और आनंददायक अनुभव रहा। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अमृता ने बताया कि 'तस्करी' में उनका रोल एक एनर्जेटिक और थोड़ी गुस्सैल लड़की का है। यह किरदार भावनाओं और जोश से भरा हुआ है, जिसे पर्दे पर निभाना उनके लिए काफी मजेदार रहा।

उन्होंने कहा, इस किरदार की पूरी यात्रा को जीना मेरे लिए एक चुनौती भी थी और एक सुखद अनुभव भी। मैं इस बात को लेकर बेहद खुश हूं कि यह सीरीज जल्द ही नेटफ्लिक्स पर दर्शकों के सामने आएगी।

एआई डीपफेक पर फूटा श्रीलीला का गुस्सा

बोलीं- अथॉरिटीज अब आगे की कार्रवाई करेंगी

श्रीलीला ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए एआई द्वारा बनाए गए डीपफेक को लेकर आवाज उठाई है। डीपफेक के जरिए महिलाओं की गरिमा को बहुत ठेस पहुंचाई जा रही है। इस बात से श्रीलीला काफी गुस्से में हैं। उन्होंने इस समस्या को लेकर एक लंबी-चौड़ी पोस्ट इंस्टाग्राम पर शेयर की है।

श्रीलीला ने कहा- एआई से बनी बकवास को सपोर्ट ना करें

श्रीलीला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें वह लिखती हैं, 'मैं हाथ जोड़कर हर सोशल मीडिया यूजर से रिक्वेस्ट करती हूं कि एआई से बनी बकवास को सपोर्ट न करें।

टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने और उसका गलत इस्तेमाल करने में फर्क होता है। मेरी राय में टेक्नोलॉजी की तरक्की से जिंदगी आसान होनी चाहिए ना कि मुश्किल।'

एक्ट्रेस ने डीपफेक को परेशान करने वाला मामला बताया

श्रीलीला पोस्ट आगे लिखती हैं, 'हर लड़की किसी की बेटी, पोती, बहन, दोस्त या कुलीग होती है। फिर चाहे वह आर्ट के प्रोफेशन को चुने, फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बने। हमें उसके लिए ऐसा माहौल बनाना चाहिए, जो सुरक्षित हो। मैं अपने शेड्यूल की वजह से ऑनलाइन चीजों पर नजर नहीं रख पाती हूं। लेकिन मेरे शुभचिंतकों ने मुझे इस बारे में बताया है। मैं उनकी शुक्रगुजार हूं। मैंने हमेशा

चीजों को हल्के में लिया है और अपनी दुनिया में मस्त रही। लेकिन एआई डीपफेक बहुत परेशान करने वाला मामला है। मैं अपनी साथी कुलीग्स को भी इसी दौर से गुजरते हुए देख रही हूं। मैं सभी की तरफ से बात कर रही हूं। गरिमा और सम्मान के साथ और अपने दर्शकों पर भरोसा करते हुए, मैं रिक्वेस्ट करती हूं कि प्लीज हमारा साथ दीजिए। अब अथॉरिटीज आगे की कार्रवाई करेंगी।'

नेहा कक्कड़ के 'कैंडी शॉप' को सुनकर नेटिजेंस ने पकड़ा माथा, ढिंचैक पूजा से कर डाली तुलना

सिंगर नेहा कक्कड़ का नया गाना 'कैंडी शॉप' इन दिनों चर्चाओं में बना है। अपने नाम से ही ये गाना लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा था। अब गाना रिलीज होने के बाद नेहा कक्कड़ लोगों के निशाने पर आ गई हैं। सोशल मीडिया पर नेटिजेंस गाने के बोल और नेहा कक्कड़ के डांस दोनों की जमकर आलोचना कर रहे हैं। एक ओर जहां कई यूजर्स गाने के लिरिक्स को लेकर हैरानी जता रहे हैं, तो वहीं कई लोगों का कहना है कि अब तो नेहा कक्कड़ ने हद ही पार कर दी है। जानिए इस गाने के रिलीज होने के बाद नेटिजेंस ने कैसे-कैसे रिएक्शन दिए हैं।

यूजर्स के निशाने पर आया नेहा कक्कड़ का गाना

टोनी कक्कड़ और नेहा कक्कड़ अपना नया गाना 'कैंडी शॉप' लेकर आए हैं। लेकिन गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हो गया। लोगों ने नेहा कक्कड़ के इस गाने और उनके डांस को अश्लील बता दिया। वहीं कई लोगों ने गाने के लिरिक्स को लेकर नेहा को जमकर ट्रोल कर दिया। जबकि कई नेटिजेंस ने इस गाने को सिर्फ एक पब्लिसिटी स्टंट करार दिया। एक यूजर ने इस गाने को लेकर लिखा कि यह सिर्फ पब्लिसिटी के लिए किया गया है। एक अन्य ने लिखा कि नेहा कक्कड़ का डाउनफॉल शुरू हो चुका है।

लोगों ने की गाना डिलीट करने की विनती

एक यूजर ने लिखा कि बचपन में लोगों से सुनते थे कि गाने उनके जमाने में अच्छे बनते हैं, अब लगता है कि वो सच कहते थे। एक यूजर ने गाने को डिलीट करने का अनुरोध किया। तो वहीं एक ने कहा कि अब तो भगवान ने भी हाथ जोड़ लिए हैं। अब तो रुक जाओ। जबकि कई यूजर्स ने सवालिया लहजे में पूछा कि आखिर ये कैसा गाना है।

नेहा कक्कड़ को बताया भारतीय संगीत की सबसे बुरी उत्पत्ति

एक यूजर ने नेहा कक्कड़ की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें भारतीय संगीत के लिए सबसे बुरी चीज बताया। तो वहीं एक यूजर ने गाने के बोल और डांस स्टेप्स की आलोचना करते हुए इसे अश्लील और करार दिया। एक यूजर ने कहा कि नेहा कक्कड़ अब ढिंचैक पूजा बनने से बस एक कदम ही दूर हैं। तो वहीं कई यूजर्स ने कहा कि इस गाने को सुनने से अच्छा है कि मैं मर ही जाऊं। कई यूजर्स ने कहा कि इसे मेडिसिन की जरूरत है। तो वहीं एक यूजर ने लिखा कि नेहा कक्कड़ पर किसी ने जादू-टोना करा दिया है।

भाई-बहन ने मिलकर तैयार किया है गाना

'कैंडी शॉप' गाने को नेहा कक्कड़ और उनके भाई टोनी कक्कड़ ने मिलकर गाया है। जबकि इस गाने को लिखा भी टोनी कक्कड़ ने ही है और संगीत भी उन्होंने ही दिया है। इससे पहले नेहा कक्कड़ और टोनी कक्कड़ के अन्य गीत जैसे 'कोका कोला तू', 'कांटा लगा उई मां', 'गोवा वाले बीच' को भी लोगों ने काफी ट्रोल किया था। इन गानों के शब्दों को लेकर काफी आलोचना हुई।

खुद को स्वस्थ रखने के लिए खाते हैं ये तीन साधारण चीजें, तो जान लें इनके फायदे

आज की भागदौड़ भरी और तनावपूर्ण जीवनशैली में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना बहुत जरूरी है। आधुनिक जीवनशैली में स्वास्थ्य और कार्य के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। अत्यधिक तनाव हमारे शरीर को अंदर से खोखला कर रहा है, जिसके कारण महंगे सप्लीमेंट्स पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। ऐसे माहौल में, ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा से जुड़े एक डॉक्टर ने हाल ही में एक वीडियो के जरिए अपने निजी स्वास्थ्य रहस्यों को साझा किया है।

ब्रिटेन के डॉक्टर आमिर खान ने बताया है कि वह अपनी दैनिक दिनचर्या में मात्र तीन साधारण चीजों को शामिल करते हैं, जिनके सेवन से उन्हें न केवल शारीरिक ऊर्जा मिलती है, बल्कि वे जटिल बीमारियों से भी बचे रहते हैं। ये खाद्य पदार्थ शारीरिक और मानसिक ऊर्जा को बनाए रखने में मदद हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि वो तीनों ही चीजें बाजार में आसानी से किफायती किमतों पर उपलब्ध हैं। आइए उन्हीं के बारे में एक-एक करके जानते हैं।

बेरीज

डॉक्टर आमिर ने बताया है कि वो रोज ब्लैक बेरीज या ब्लू बेरीज का सेवन करते हैं। ये बेरीज एंटीऑक्सीडेंट्स का एक शक्तिशाली स्रोत हैं। इनका सेवन शरीर में होने वाली सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, बेरीज गट हेल्थ (आंतों का स्वास्थ्य) को बेहतर रखती हैं, दिमाग को तेज करती हैं, और आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

खजूर (डेट्स)

दूसरा सुपरफूड जो डॉक्टर नियमित रूप से खाते हैं, वह है खजूर। डॉक्टर आमिर के मुताबिक खजूर स्वाद में मीठे होते हैं, लेकिन सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। खजूर फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करते हैं और कब्ज की समस्या को दूर रखते हैं। डेट्स यानी खजूर में नेचुरल शुगर होता है, जो आपके दिनभर के ऊर्जा का संतुलन बनाए रखता है।

अखरोट (वॉलनट्स)

डॉक्टर अपनी डेली डाइट में अखरोट को शामिल करने पर जोर देते हैं। अखरोट को 'ब्रेन फूड' भी कहा जाता है, क्योंकि ये ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं, जो मस्तिष्क के स्वास्थ्य और कार्यक्षमता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। अखरोट हृदय स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाते हैं, कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और समग्र शारीरिक क्रियाओं को सुचारू रखते हैं।

स्वास्थ्य लाभ के लिए सही तरीका अपनाएं

इन तीनों चीजों का सेवन करने का सबसे अच्छा तरीका इन्हें अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना है। आप इन्हें सुबह नाश्ते में, स्नैक के रूप में, या दही के साथ मिलाकर खा सकते हैं। इन पोषक तत्वों से भरपूर प्राकृतिक खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करके आप बिना किसी महंगी डाइट के अपनी इम्यूनिटी और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

बढ़ते प्रदूषण में बढ़ सकती है गले में खराश और दर्द, इन घरेलू उपायों से दूर होगी परेशानी

दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों प्रदूषण का स्तर बढ़ने के साथ ही, लोगों को गले में खराश, दर्द और जलन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वायु में मौजूद हानिकारक कण PM 2.5 और PM 10 जब सांस के जरिए गले और श्वसन नली तक पहुंचते हैं, तो वे सूजन पैदा करते हैं, जिससे यह परेशानी होती है।

प्रदूषित हवा के कारण गले की म्यूकोसा सूख जाती है, और संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। इस मौसम में गले की समस्याओं को नजरअंदाज करना ठीक नहीं है, क्योंकि यह संक्रमण सर्दी-जुकाम या गंभीर श्वसन समस्याओं में बदल सकता है। अच्छी बात यह है कि प्रदूषण जनित गले के दर्द और खराश को कम करने के लिए हमारे घरों में कई असरदार और सरल उपाय मौजूद हैं।

ये घरेलू नुस्खे न केवल लक्षणों को शांत करते हैं, बल्कि गले की प्राकृतिक नमी को बनाए रखने और संक्रमण से लड़ने में भी मदद करते हैं। इन आसान उपायों को अपनाकर आप दवाओं के इस्तेमाल को कम कर सकते हैं और प्रदूषण के दुष्प्रभावों से खुद को बचा सकते हैं।

गुनगुने पानी का सेवन

गले की खराश को शांत करने का सबसे पहला और आसान तरीका है गुनगुना पानी पीना। गुनगुना पानी गले की जलन को कम करता है और बलगम को पतला करके उसे बाहर निकालने में मदद करता है। इसके अलावा यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जो गले की म्यूकोसा की नमी बनाए रखने और संक्रमण से लड़ने की क्षमता के लिए जरूरी है।

नमक के पानी से गरारे करें

नमक के गुनगुने पानी से गरारे करना गले की सूजन को कम करने और दर्द से राहत पाने का एक सदियों पुराना उपाय है। नमक का पानी गले में जमा बैक्टीरिया और वायरस को बाहर निकालने में मदद करता है। दिन में दो से तीन बार गरारे करने से गले की खराश और दर्द में तेजी से कमी आती है और गले की गंदगी साफ होती है।

काढ़ा और सूप का सेवन करें

ठंड और प्रदूषण के इस मौसम में गर्म काढ़ा (तुलसी, अदरक, काली मिर्च और शहद वाला) और गरमागरम सूप (सब्जियों का) पीना बेहद फायदेमंद होता है। इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और पोषक तत्व शरीर की इम्यूनिटी सिस्टम को बढ़ाते हैं। काढ़ा गले को अंदर से गर्माहट देता है जिससे गले की नसों को राहत मिलता है।

भाप लें

गले की खराश और बंद नाक के लिए भाप लेना एक अचूक उपाय है। गर्म पानी की भाप लेने से गले के अंदर की सूजन कम होती है और श्वसन मार्ग में जमा कफ ढीला पड़कर बाहर निकल जाता है। आप चाहें तो सादे पानी में थोड़ी सी अजवायन या नीलगिरी का तेल डालकर दिन में एक या दो बार भाप ले सकते हैं।

2026 में बचत करने के लिए आज से ही फॉलो करें ये रूल्स

अधिकतर लोग नए साल में अपनी वित्तीय स्थिति सुधारने का संकल्प लेते हैं, पर इस संकल्प को पूरा करना उनके लिए काफी बड़ा कदम होता है। बहुत से लोग तो शुरुआती दिनों में ही हार मान लेते हैं लेकिन आपको ये समझने की जरूरत है कि बस थोड़ी सी योजना और सही दिशा में काम करने से ही इस संकल्प को पूरा किया जा सकता है।

अगर आप भी उन लोगों में से हैं जो बिना सोचे-समझे काफी पैसे खर्च कर देते हैं तो अब परेशान न हों। हमारे द्वारा बताए गए कुछ आसान टिप्स को अपनाकर आप भी बिना किसी तनाव के पैसे बचाना शुरू कर सकते हैं। तो बस इस साल जनवरी से ही इन उपायों को फॉलो करना शुरू करें, ताकि आपके बैंक खाते में जमा होने वाली राशि लगातार बढ़ती जाए और आपको आने वाले दिनों में वित्तीय सुरक्षा महसूस हो।

सबसे पहले बनाएं बजट

साल शुरू होने से पहले सबसे पहले ये तय करें कि सैलरी आते ही आपको बजट बनाना है। इस बजट बनाने की शुरुआत जनवरी के महीने से ही करें। अपनी आय और खर्च का हिसाब रखें, ताकि पता चले कहां कटौती की जा सकती है। बजट बनाने के बाद जो पैसे बच रहे हैं उन्हें किसी दूसरे खाते में सेव करें।

जनवरी से करें निवेश की शुरुआत

साल नया है तो नयी सेविंग की शुरुआत करें। नये साल में छोटी-छोटी रकम को निवेश करने की आदत डालें। आप म्यूचुअल फंड्स, पीपीएफ, या फिक्स्ड डिपॉजिट जैसी चीजों में निवेश कर सकते हैं। आप चाहें तो थोड़ा बहुत पैसा शेयर मार्केट में भी लगा सकते हैं। हर दो से तीन महीने में गोल्ड भी आप खरीद सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल से बचें

ये गलती ज्यादातर युवा लोग करते हैं। वो अपने खर्चे के लिए क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर लेते हैं और फिर अगले महीने उसको ब्याज के साथ चुकाते हैं। इसलिए नये साल में ये फैसला करें कि क्रेडिट कार्ड का ज्यादा इस्तेमाल न हो। जब तक बेहद जरूरी न हो, तब तक क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल न करें।

ऑनलाइन शॉपिंग से बचें

आज के समय में ग्रॉसरी से लेकर सोना चांदी तक ऑनलाइन खरीदी जा सकती है। ऐसे में आप ये फैसला लें कि ऑनलाइन शॉपिंग करने से बचेंगे। ऑनलाइन डिस्काउंट्स और ऑफर्स देखकर अधिक खरीदारी करने से बचें। जरूरत से ज्यादा सामान खरीदना बचत के लिए हानिकारक हो सकता है। इससे सबसे ज्यादा पैसे खर्च होते हैं।

आखिर में सेल्फ ऑडिट है जरूरी

महीने के अंत में एक बार अपनी खर्चों की समीक्षा करें। जानें कि कहां अधिक खर्च हो रहा है और कहां कम किया जा सकता है। सेल्फ ऑडिट के बाद आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कहां आपने पैसे ज्यादा खर्च किए हैं और कौन से खर्चों को रोका जा सकता है।

रेलवे में महिलाओं के लिए ही बने ये अधिकार

भारतीय रेलवे ने महिला यात्रियों की सुरक्षा और आराम को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण नियम और सुविधाएं शुरू की हैं। इन सुविधाओं का उद्देश्य महिलाओं को यात्रा करते समय आरामदायक अनुभव प्रदान करना और साथ ही उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।

इसके लिए भारतीय रेलवे ने कई ट्रेनों में महिला बोगियों का अलग से प्रबंध किया है, साथ ही महिला यात्रियों के लिए स्टेशन पर सुरक्षा उपायों को भी सख्त किया है। अब महिलाएं ट्रेन में यात्रा करते समय विशेष सुविधाओं का लाभ उठा सकती हैं। कई ऐसे अधिकार भी हैं जो महिला सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे विभाग ने महिलाओं को दिए हैं।

महिला सुरक्षा हेल्पलाइन

महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए रेलवे ने 139 नंबर पर एक महिला सुरक्षा हेल्पलाइन शुरू की है, जिस पर महिलाएं किसी भी समस्या के लिए संपर्क कर सकती हैं। तो अगर आप कहीं यात्रा कर रही हैं और अपनी सीट पर सुरक्षित महसूस नहीं कर रहीं तो तत्काल 139 पर फोन करके मदद मांगे।

आरक्षित सीटें

भारतीय रेलवे महिलाओं के लिए विशेष रूप से आरक्षित सीटों का प्रबंध करता है, ताकि उन्हें यात्रा में कोई परेशानी न हो। इसके लिए आपको रिजर्वेशन करते समय सही जानकारी भरनी होती है। जैसे कि ये नियम है कि यदि महिलाओं की उम्र 45 वर्ष से अधिक है, या महिला गर्भवती या दिव्यांग हैं तो उनके लिए भी स्लीपर, 3एसी और 2एसी कोच में लोअर बर्थ भी प्राथमिकता के आधार पर आवंटित की जाती हैं।

रात में बिना टिकट यात्रा के दौरान भी कोई आपको उतार नहीं सकता

ये नियम भी महिला सुरक्षा के मद्देनजर ही बनाया गया था। दरअसल, भारतीय रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 139 को पढ़ने से आपको पता लगेगा कि अगर कोई महिला यात्री बिना टिकट रात को ट्रेन से यात्रा कर रही है तो कोई भी उसे ट्रेन से उतार नहीं सकता। अगले जिला मुख्यालय के स्टेशन तक उन्हें सफर करने दिया जाएगा। ऐसे में रेलवे का कोई अफसर उनसे बदसलूकी भी नहीं कर सकता।

सीट बदलने का हक

ये अधिकार भी महिलाओं को उनकी सुरक्षा के मद्देनजर दिया गया है, जिसके अंतर्गत अगर कोई महिला अपनी सीट पर सुरक्षित महसूस नहीं कर रही है तो वो टीटीई से बात करके अपनी सीट बदलवा सकती है। इसमें टीटीई को महिला की मदद करनी ही होगी।

मेरी सहेली पहल

इस पहल में महिला पुलिसकर्मी उन सीट्स पर जाकर महिला यात्रियों से उनके हाल-चाल लेती है, जो अकेले सफर कर रही हैं।

इस दौरान महिला सुरक्षाकर्मी महिला यात्री को 139 के बारे में जानकारी देकर उनसे कहती हैं कि किसी भी परेशानी के समय तत्काल 139 पर कॉल करें।

अलग टिकट काउंटर और वेटिंग लाउंज

सभी स्टेशन पर महिलाओं के लिए अलग टिकट काउंटर होते हैं। इसके साथ-साथ अब तो स्टेशनों महिलाओं के लिए खासरूप से वेटिंग लाउंज भी तैयार किए गए हैं, जहां आराम से बैठकर महिलाएं अपनी ट्रेन का इंतजार कर सकती हैं।

अहम पोषक तत्व की कमी से जूझ रही 76% आबादी बच्चों-बुजुर्गों में दिमागी बीमारी का खतरा

गर्भ में पल रहे शिशु के दिमागी विकास से लेकर बुजुर्गों की याददाश्त और दिल की सेहत तक मानव जीवन की हर अवस्था एक अहम पोषक तत्त्व ओमेगा-3 से जुड़ी है। लेकिन एक नए वैश्विक अध्ययन ने चौंकाने वाली तस्वीर पेश की है। अध्ययन के अनुसार दुनिया की 76 फीसदी आबादी को ओमेगा-3 फैटी एसिड, खासकर ईपीए और डीएचए, की पर्याप्त मात्रा नहीं मिल पा रही है। विशेषज्ञ इसे एक खामोश लेकिन गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य संकट मान रहे हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों और आम लोगों की रोजमर्रा की थाली दोनों पर नए सिरे से सोच की मांग करता है।

यह अहम जानकारी यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन और हॉलैंड एंड बैरेट से जुड़े शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए एक व्यापक वैश्विक अध्ययन से सामने आई है। अध्ययन के नतीजे जर्नल न्यूट्रिशन रिसर्च रिव्यू में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं ने दुनिया भर में सामान्य रूप से स्वस्थ लोगों के लिए जीवन के विभिन्न चरणों में ओमेगा-3 सेवन को लेकर दी गई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सिफारिशों की समीक्षा की और फिर उनकी तुलना लोगों के वास्तविक आहार से की। नतीजा यह निकला कि सलाह और हकीकत के बीच एक गहरी खाई मौजूद है।

खाने की जिन मात्राओं की सुलाह दी जाती है और जो मात्रा लोग वास्तव में ले पा रहे हैं, उनके बीच बड़ा अंतर है। उनका कहना है कि इस अंतर को पाटने के लिए ओमेगा-3 से भरपूर खाद्य पदार्थों के साथ-साथ सप्लीमेंट जैसे आसान और किफायती विकल्पों की अहम भूमिका हो सकती है। शोध में खास तौर पर लॉन्ग चेन पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड इकोसैपेंटेनोइक एसिड यानी ईपीए और डोकोसाहेक्सैनोइक एसिड यानी डीएचए पर जोर दिया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इनके स्वास्थ्य लाभ इतने महत्वपूर्ण हैं कि इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

जीवन के हर चरण में ओमेगा-3 की भूमिका

अध्ययन में यह बात स्पष्ट रूप से सामने आई है कि ओमेगा-3 फैटी एसिड जीवन के हर चरण में सेहत की बुनियाद हैं।ईपीए और डीएचए ओमेगा-3 फैटी एसिड के दो सबसे महत्वपूर्ण और वैज्ञानिक रूप से सिद्ध प्रकार हैं, जो शरीर के लिए अत्यंत आवश्यक माने जाते हैं।ईपीए मुख्य रूप से सूजन को नियंत्रित करने वाला फैटी एसिड है। यह शरीर में होने वाली क्रॉनिक सूजन को कम करने में मदद करता है, जो हृदय रोग, गठिया, अवसाद और कई अन्य दीर्घकालिक बीमारियों की जड़ मानी जाती है। ईपीए रक्त को अधिक गाढ़ा होने से रोकता है, जिससे दिल का दौरा और स्ट्रोक का जोखिम घटता है।

मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में भी ईपीए को अवसाद और मूड डिसऑर्डर से सुरक्षा देने वाला माना गया है। डीएचए दिमाग और आंखों के विकास व कार्यप्रणाली के लिए सबसे अहम ओमेगा-3 फैटी एसिड है। मानव मस्तिष्क का एक बड़ा हिस्सा डीएचए से बना होता है और यह न्यूरॉन्स के बीच सिग्नल ट्रांसमिशन को बेहतर बनाता है। गर्भावस्था और शैशवावस्था में डीएचए भ्रूण और शिशु के मस्तिष्क तथा दृष्टि के विकास के लिए अनिवार्य है।

शरीर इन्हें खुद क्यों नहीं बना पाता और उनके मुख्य स्रोत

ईपीए और डीएचए को आवश्यक फैटी एसिड कहा जाता है क्योंकि मानव शरीर इन्हें पर्याप्त मात्रा में स्वयं नहीं बना सकता। इसलिए इन्हें भोजन या सप्लीमेंट के माध्यम से लेना जरूरी होता है। ईपीए और डीएचए मुख्य रूप से समुद्री स्रोतों में पाए जाते हैं, जैसे सैल्मन, मैकेरल, सार्डिन और ट्यूना जैसी फैटी मछलियां। मछली का तेल और शैवाल-आधारित सप्लीमेंट भी इनके अच्छे स्रोत माने जाते हैं।

जो लोग मछली नहीं खाते उन्हें ओमेगा-3 किस तरह मिलेगा

जो लोग मछली नहीं खाते हैं, उनके लिए ईपीए और डीएचए पाने का सबसे भरोसेमंद तरीका शैवाल (एल्गी) से बने ओमेगा-3 सप्लीमेंट हैं। ईपीए और डीएचए का मूल स्रोत समुद्री शैवाल ही होता है, जिसे मछलियां खाकर इन्हें अपने शरीर में जमा करती हैं। इसलिए एल्गी ऑयल सप्लीमेंट शाकाहारी, शुद्ध और वैज्ञानिक रूप से प्रभावी माने जाते हैं।

कुछ जगहों पर ओमेगा-3 से फोर्टिफाइड दूध, दही और कुकिंग ऑयल अतिरिक्त मदद कर सकते हैं। मछली न खाने वालों के लिए एल्गी-आधारित ओमेगा-3 सप्लीमेंट सबसे कारगर विकल्प है, जबकि पौधों से मिलने वाला ओमेगा-3 सहायक भूमिका निभाता है। एक अन्य अध्ययन का हवाला देते हुए शोधकर्ताओं ने बताया कि रक्त में ओमेगा-3 की पर्याप्त मौजूदगी कोविड-19 से होने वाली मृत्यु के जोखिम को कम कर सकती है।

कितनी मात्रा है जरूरी

केवल भोजन के जरिए ईपीए और डीएचए की जरूरत पूरी कर पाना कई लोगों के लिए मुश्किल है। खासकर गर्भवती महिलाओं और कम मछली खाने वाली आबादी में सप्लीमेंट की आवश्यकता अधिक देखी जाती है। अध्ययन के मुताबिक वयस्कों के लिए रोजाना 250 मिलीग्राम ईपीए और डीएचए की संयुक्त मात्रा जरूरी मानी गई है, जबकि गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त 100 से 200 मिलीग्राम डीएचए की सिफारिश की जाती है। यह जरूरत सैल्मन या मैकेरल जैसी मछलियों से या आवश्यकता पड़ने पर सप्लीमेंट के जरिए पूरी की जा सकती है।

हाई बीपी के मरीजों के लिए खुशखबरी, एक टेस्ट खोज निकालेगी बीमारी की छिपी हुई वजह

वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की क्रॉनिक बीमारियों का जोखिम हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ा है। हृदय रोग हो या डायबिटीज, किडनी हो या लिवर की बीमारियां, समय के साथ ये काफी आम होती जा रही हैं। मसलन जो बीमारियां पहले केवल उम्र बढ़ने के साथ हुआ करती थीं, वह अब कम उम्र के लोगों को प्रभावित कर रही हैं। इनमें से एक बड़ी समस्या जो साइलेंटली बढ़ती जा रही है, वह है हाई ब्लड प्रेशर।

ब्लड प्रेशर का सामान्य से अधिक रहना हृदय ही नहीं, किडनी-लिवर, तंत्रिका तंत्र से लेकर आंखों को भी प्रभावित करने वाली हो सकती है। सबसे चिंताजनक बात ये है कि बहुत से लोग ऐसे भी हैं जिन्हें हाई बीपी की दिक्कत होती है पर उन्हें इसका पता ही नहीं चल पाता।

हाई ब्लड प्रेशर एक ग्लोबल हेल्थ प्रॉब्लम है, जिससे 1.4 बिलियन (140 करोड़) से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। ये स्ट्रोक और हार्ट अटैक जैसी जानलेवा समस्याओं का प्रमुख कारण भी है। इस साइलेंट किलर रोग के बढ़ते जोखिमों को देखते हुए वैज्ञानिकों की टीम ने एक 10 मिनट का नया स्कैन तैयार किया है जो हाई ब्लड प्रेशर के इलाज में मदद कर सकती है।

एड्रिनल ग्रंथि की गड़बड़ी से बढ़ता है खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, उच्च रक्तचाप वाले लगभग एक चौथाई लोगों में एल्डोस्टेरोन नाम के हार्मोन की मात्रा अधिक देखी जाती है। ये एड्रिनल ग्रंथि द्वारा उत्पादित होती है। यह हार्मोन शरीर में नमक के स्तर को नियंत्रित करता है। आमतौर पर लोगों में इस तरह के हार्मोनल असंतुलन का पता ही नहीं चल पाता है।

शोधकर्ताओं ने एक कारगर स्कैन तैयार किया है जो एड्रिनल ग्रंथि की समस्या और एल्डोस्टेरोन हार्मोन के असंतुलन का आसानी से पता लगाने में मदद कर सकती है। अब तक के टेस्ट में एड्रिनल ग्रंथि की इस दिक्कत का पता नहीं चल पाता था। समय रहते समस्या का निदान होने से ब्लड प्रेशर का सही तरीके से इलाज करने में आसानी हो सकती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

विशेषज्ञों का कहना है कि इस टेस्ट की मदद से ब्लड प्रेशर के रोगियों के लिए सर्वोत्तम उपचार निर्धारित करने में मदद मिल सकती है। यदि ग्रंथि बहुत अधिक हार्मोन का उत्पादन कर रही है तो दवाओं के माध्यम से इसे कंट्रोल किया जा सकता है। अब तक ब्लड प्रेशर के उपचार में लाइफस्टाइल और आहार में सुधार पर ज्यादा जोर दिया जाता रहा है पर इस हार्मोन पर लोगों का ध्यान कम जाता है।

हम कई दशकों से इस तरह के टेस्ट का इंतजार कर रहे थे। यह कई मरीजों में हाई ब्लड प्रेशर के लिए एक जरूरी और छिपे हुए कारणों का पता लगाने में मदद कर सकती है, जिससे ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करना और आसान हो सकेगा।

मरीजों का इलाज होगा आसान

रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने कहा, इससे हमारे डायग्नोसिस करने के तरीके को पूरी तरह से बदलने और हमें मरीजों को बेहतर टारगेटेड इलाज देने में मदद मिलने की संभावना है। प्रारंभिक अध्ययन में विशेषज्ञों ने मरीजों पर किए इस टेस्ट में पाया कि स्कैन ने मरीजों में हार्मोन के अत्यधिक उत्पादन को आसानी से ढूंढ लिया।

प्रोफेसर विलियम्स कहते हैं, हाई ब्लड प्रेशर के जिन मरीजों का इलाज मुश्किल होता है, उनके लिए ये स्कैन रामबाण साबित हो सकती है। फिलहाल इस स्कैन का फेज-2 क्लिनिकल ट्रायल किया जा रहा है।

हाई ब्लड प्रेशर के कारण होती हैं गंभीर दिक्कतें

हाई ब्लड प्रेशर के मामले जिस तरह से कम उम्र के लोगों में बढ़ते जा रहे हैं, ये काफी चिंता का कारण बना हुआ है। विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि अगर इसे नियंत्रित न किया गया तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र पर हृदय-किडनी और लिवर से संबंधित रोगियों का अतिरिक्त दबाव बढ़ सकता है।

चांदी पहली बार 2 लाख के पार पहुंची

1 से 2 लाख 9 महीने में पहुंची, 50 हजार रुपये से 1 लाख रुपये पहुंचने में 14 साल लगे थे

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। चांदी आज यानी 17 दिसंबर को पहली बार 2 लाख रुपए प्रति किलो के पार निकल गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार एक किलो चांदी की कीमत 8,775 रुपए बढ़कर 2,00,750 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 1,91,977 रुपए पर थी। इस साल इसकी कीमत 1,14,733 रुपए बढ़ चुकी है। वहीं, सोना आज 936 रुपए बढ़कर 1,32,713 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले ये 1,31,777 रुपए पर था। वहीं सोने ने 15 दिसंबर को 1,33,442 रुपए प्रति 10 ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था। इसी साल 18 मार्च को चांदी पहली बार 1 लाख रुपए पर पहुंची थी।

एनसीडीईएक्स को सेबी से म्यूचुअल फंड प्लेटफॉर्म शुरू करने की सैद्धांतिक मंजूरी

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीएक्स) को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से म्यूचुअल फंड (एमएफ) लेनदेन प्लेटफॉर्म शुरू करने की सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। यह इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव्स में प्रस्तावित प्रवेश का पहला कदम है। एनसीडीएक्स ने कहा एमएफ प्लेटफॉर्म इक्विटी ट्रेडिंग सिस्टम से स्वतंत्र रूप से काम करेगा और काफी कम समय में इस प्लेटफॉर्म को लॉन्च करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

म्यूचुअल फंड सब्सक्रिप्शन और रिडेम्पशन ऑर्डर की क्लियरिंग और सेटलमेंट एनसीडीएक्स की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी नेशनल सकमोडिटी क्लियरिंग लिमिटेड (एनसीसीएल) से किया जाएगा। एनसीडीईएक्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण रास्ते ने कहा कि इक्विटी लॉन्च से पहले म्यूचुअल फंड प्लेटफॉर्म शुरू करना एक रणनीतिक निर्णय है। म्यूचुअल फंड नए निवेशकों के लिए सबसे सरल और सुरक्षित शुरुआत विकल्पों में से एक है और हमारा मानना है कि भारत की इक्विटी यात्रा यहीं से शुरू होती है। एनसीईएक्स का म्यूचुलअ फंड प्लेटफॉर्म ग्रामीण और अर्ध शहरी बचत उत्पादों, विनियमिम निवेश क्षेत्रों में स्थानांतरित करने और इक्विटी में अधिक भागीदरी के लिए एम मजबूत रास्ता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

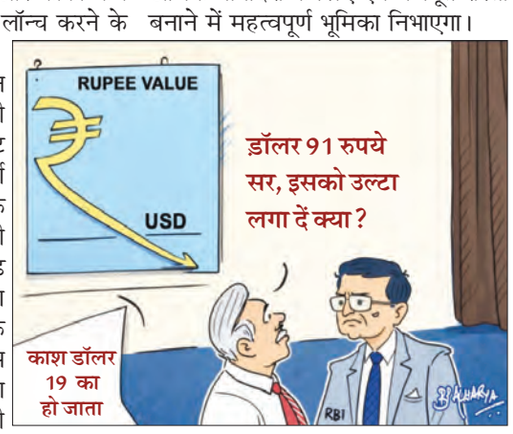

मस्कट में आज मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ओमान आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को मस्कट में मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस समझौते पर पीएम मोदी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए जाएंगे। मोदी चार दिवसीय त्रिपक्षीय दौरे पर हैं। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मस्कट पहुंच चुके हैं।

अधिकारी ने बताया कि वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल भी ओमान पहुंचेंगे। मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत, जिसे आधिकारिक तौर पर सीईपीए कहा जाता है, औपचारिक रूप से नवंबर 2023 में शुरू हुई और वार्ता इस वर्ष समाप्त हुई। मुक्त व्यापार समझौतों में, दोनों व्यापारिक साझेदार अपने बीच व्यापार की जाने वाली वस्तुओं की अधिकतम संख्या पर सीमा शुल्क को काफी हद तक कम कर देते हैं या समाप्त कर देते हैं।

प्रणव अडानी पर फिर लगा इनसाइडर ट्रेडिंग का आरोप

एनडीटीवी खरीदने से पहले किसे दी जानकारी?

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने देश के दूसरे बड़े रईस गौतम अडानी के बेटे प्रणव अडानी पर इनसाइडर ट्रेडिंग का आरोप लगाया है। सेबी का कहना है कि प्रणव अडानी ने एनडीटीवी के शेयरों के अधिग्रहण के लिए अडानी ग्रुप के ओपन ऑफर के बारे में प्राइस-सेंसिटिव जानकारी अपने सालों के साथ साझा की थी। यह इनसाइडर ट्रेडिंग नियमों का उल्लंघन है। यह जानकारी ईटी द्वारा देखे गए एक दस्तावेज से सामने आई है।

यह आरोप अगस्त 2022 से जुड़ा है, जब अडानी ग्रुप एनडीटीवी का अधिग्रहण कर रहा था। प्रणव अडानी इस समय अडानी एंटरप्राइजेज के डायरेक्टर हैं।दस्तावेज के अनुसार सेबी ने प्रणव अडानी, उनके साले कुणाल और नृपल शाह तथा ससुर धनपाल शाह को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। 15 अक्टूबर 2025 को जारी नोटिस में सेबी ने आरोप लगाया कि कुणाल, नृपल और धनपाल शाह के साथ प्रणव अडानी ने कई कॉल की थीं। सेबी, अडानी ग्रुप, कुणाल, नृपल और धनपाल शाह को भेजे गए ईमेल का इस रिपोर्ट के प्रकाशन तक कोई जवाब नहीं मिला।

क्या है मामला?

23 अगस्त 2022 को ओपन ऑफर के मैनेजर जेएम फाइनेंशियल ने स्टॉक एक्सचेंजों को बाजार बंद होने के बाद एनडीटीवी के लिए ओपन ऑफर से संबंधित एक सार्वजनिक घोषणा के बारे में बताया था। घोषणा में कहा गया था कि विश्वप्रधान कमर्शियल, एएमजी मीडिया नेटवर्क्स और अडानी एंटरप्राइजेज पब्लिक शेयरहोल्डर्स से एनडीटीवी की शेयर पूंजी का 26% तक अधिग्रहण करेंगे। ओपन ऑफर में 294 रुपये प्रति शेयर की दर से 1.676 करोड़ शेयरों की खरीद शामिल थी, जिससे यह सौदा 492.81 करोड़ रुपये का हो गया। सेबी ने कहा कि यह घोषणा एक बाजार दिवस पर ट्रेडिंग बंद होने के बाद की गई थी और इसे एक्सचेंजों के माध्यम से प्रसारित होने तक यूपीएसआई माना गया। जब 24 अगस्त 2022 को ट्रेडिंग फिर से शुरू हुई, तो एनडीटीवी के शेयर उछल गए। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर पिछले बंद भाव से लगभग 2.5% ऊपर खुले और दिन के अंत तक लगभग 5% ऊपर बंद हुए।

सेबी ने की थी जांच

सेबी ने अपने नोटिस में कहा, 23 अगस्त 2022 की कॉर्पोरेट घोषणा यूपीएसआई है। इसमें आगे कहा गया कि यह जानकारी सार्वजनिक डोमेन में आने पर एनडीटीवी के शेयर की कीमत को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया। इसके बाद, नियामक ने जांच शुरू की थी कि क्या कुछ संस्थाओं ने कीमत-संवेदनशील जानकारी के कब्जे में रहते हुए एनडीटीवी के शेयर का कारोबार किया था। जांच की अवधि 2 मई 2022 से 15 सितंबर 2022 तक थी, जिसमें प्री-यूपीएसआई, यूपीएसआई और घोषणा के बाद के चरण शामिल थे। सेबी की जांच के अनुसार, कुणाल शाह ने कथित तौर पर यूपीएसआई अवधि के दौरान कई मौकों पर एनडीटीवी के शेयर खरीदे, जिसमें घोषणा से पहले के हफ्तों और दिनों में की गई खरीद भी शामिल है।

यह मामला थोड़ा पेचीदा है। पिछले हफ्ते सेबी ने सबूतों की कमी का हवाला देते हुए प्रणव अडानी और उनके साले नृपल और कुणाल शाह के खिलाफ इनसाइडर ट्रेडिंग का मामला बंद कर दिया था।

एच-1B वीजा संकट : अपॉइंटमेंट हुए कैंसिल, सैकड़ों एनआरआई भारत में फंसे; अब क्या बचे हैं विकल्प?

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी दूतावास ने हाल ही में कहा कि सभी एच-1बी और एच-4 वीजा आवेदकों को एक 'ऑनलाइन प्रेजेंस रिव्यू' से गुजरना होगा। जो 15 दिसंबर से शुरू हो गया है। 9 दिसंबर को सोशल मीडिया स्क्रीनिंग की जरूरत लागू होने से पहले, भारत में अमेरिकी दूतावास ने वीजा अपॉइंटमेंट रद्द करने और रीशेड्यूल करने की घोषणा की।

इससे सभी वीजा अपॉइंटमेंट पूरी तरह से रुक गए हैं, जिसका सबसे ज्यादा असर एच-1बी धारकों पर पड़ा है। भारतीय एच-1बी वीजा धारक फिलहाल दूतावास में वीजा स्टैंप न मिल पाने के कारण देश में फंसे हुए हैं। ड्रीम के सीईओ और फाउंडर दिमित्री लिटविनोव ने फाइनेंशियल एक्सप्रेस ऑनलाइन के साथ एक इंटरव्यू में वीजा अपॉइंटमेंट रीशेड्यूल करने के

कारणों और भारतीय एच-1बी वीजा धारकों के भारत लौटने की जरूरत पर बात की। उन्होंने उन लोगों के लिए उपलब्ध मौजूदा विकल्पों के बारे में भी बताया जो देश में फंसे होने के कारण चुनौतियों का सामना कर रहे हैं इसका असर सिर्फ भारतीय आवेदकों पर पड़ रहा है, क्योंकि पोस्ट-विशिष्ट ऑपरेशनल मुद्दे ग्लोबल नहीं होते हैं। हर अमेरिकी दूतावास अपना वर्कलोड, स्टाफिंग और सुरक्षा या आईटी सिस्टम खुद मैनेज करता है। इसलिए जब भारत में अमेरिकी दूतावास जैसी किसी पोस्ट को अपॉइंटमेंट रीशेड्यूल करने पड़ते हैं तो इसका असर आमतौर पर सिर्फ उसी देश पर पड़ता है। यह सिर्फ भारत के लिए अनोखा नहीं है। दूसरे देशों में भी इसी तरह के बड़े पैमाने पर रीशेड्यूल होते हैं। हमने कनाडा, मैक्सिको, नाइजीरिया, ब्राज़ील और यहां तक कि कुछ यूरोपीय पोस्ट में भी ऐसा देखा है, जो डिमांड और स्टाफिंग पर निर्भर करता है। भारत में इस पर ज्यादा ध्यान इसलिए जाता है क्योंकि आवेदकों की संख्या बहुत ज्यादा है। एक और कारण 15 दिसंबर से कुछ वीजा कैटेगरी के लिए नई स्क्रीनिंग प्रक्रियाओं की शुरुआत है, जिसके कारण वाणिज्य दूतावासों को हर दिन इंटरव्यू की संख्या कम करनी पड़ी।

वे शुरुआती वैलिडिटी (आमतौर पर 3 साल) के बाद अपना वीजा रिन्यू कर रहे होते हैं या उन्होंने कंपनी बदल ली है और अमेरिका लौटने से पहले उन्हें एक नए स्टैंप की जरूरत है या उन्हें शुरू में कभी वीजा स्टैंप नहीं मिला। उदाहरण के लिए, उन्होंने अमेरिका के अंदर एफ-1 से एच-1बी में स्टेटस बदला और अब उन्हें यात्रा के लिए स्टैंप की जरूरत है। भले ही यूएससीआईएस अमेरिका के अंदर एच-1बी स्टेटस को मंज़ूरी देता है।

इंडिगो संकट का असर ईंधन की मांग पर

दिसंबर में एटीएफ की बिक्री 4.1 प्रतिशत तक घटी

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दिसंबर में इंडिगो की बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने का असर विमान के ईंधन की मांग पर पड़ा है। दिसंबर के पहले पखवाड़े में विमानन टरबाइन ईंधन यानी एटीएफ की बिक्री में 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। भारत के विमानन क्षेत्र में कोविड महामारी के कारण आई मंदी से उबरने के बाद से पिछले दो वर्षों में जेट ईंधन (एटीएफ) की मांग लगातार बढ़ रही थी।

लेकिन यह रुझान तब बदल गया जब दिसंबर में इंडिगो को बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो को पायलटों के ड्यूटी टाइम के नए नियमों, कर्मचारियों की कमी और प्रमुख हवाई अड्डों पर घने कोहरे जैसी मौसम से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ा। आंकड़ों के अनुसार, 1 से 15 दिसंबर के दौरान एटीएफ की बिक्री पिछले वर्ष की इसी अवधि के 3,45,400 टन से घटकर 3,31,400 टन रह गई। मासिक आधार पर बिक्री में 7.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। ईंधन बाजार में जेट ईंधन एक अपवाद था, जबकि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी जैसे अन्य प्रमुख ईंधनों में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

सेंसेक्स 120 अंक गिरकर 84,560 पर बंद, निफ्टी 42 अंक लुढ़का

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 17 दिसंबर को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 120 अंक गिरकर 84,560 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 42 अंक की गिरावट रही, ये 25,819 के स्तर पर आ गया। आज मीडिया, रियल्टी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर में गिरावट रही। पीएसयू बैंक करीब 1.5% चढ़ा। एशियाई बाजारों में कोरिया का कोस्पी 0.81% ऊपर 4,031 पर और जापान का निक्केई इंडेक्स 0.19% ऊपर 49,477 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.22% ऊपर 25,291 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.17% ऊपर 3,831 पर कारोबार कर रहा है।

पीक ऑवर में नॉर्मल किराया, ड्राइवर की जेब में 80% पैसा!

> 1 जनवरी से शुरू हो रहा भारत टैक्सी ऐप

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्लीवालों को नए साल का तोहफा मिलने जा रहा है। ओला और उबर जैसी कंपनियों को टक्कर देने के लिए 1 जनवरी 2026 से दिल्ली में भारत टैक्सी ऐप लॉन्च होने जा रहा है।

सहकारी मॉडल पर आधारित भारत टैक्सी ऐप यात्रियों के साथ-साथ ड्राइवरों के लिए भी काफी फायदेमंद रहेगा। यात्रियों को जहां पीक आवर्स में ज्यादा किराये से राहत मिलेगी, वहीं ड्राइवरों को किराये का 80% से ज्यादा हिस्सा मिलेगा। सूत्रों का कहना है कि इस ऐप की लॉन्चिंग के लिए सारी तैयारियां कर ली गई हैं।

यह सहकारी मॉडल पर चलेगा और इसे सहकार टैक्सी को-ऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा ऑपरेट किया जाएगा। दावा किया जा रहा है कि इससे दिल्ली के टैक्सी सेक्टर में एक बड़ा बदलाव लाएगा और जहां ड्राइवर और यात्री दोनों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी। भारत टैक्सी ऐप कार के साथ-साथ ऑटो और बाइक सर्विस भी देगा।

सूत्रों का कहना है कि दिल्ली में भारत टैक्सी ऐप का ट्रायल पूरा हो चुका है और करीब 56 हजार ड्राइवरों ने अपना पंजीकरण कराया है। दिल्ली के साथ-साथ गुजरात के राजकोट में भी इसका ट्रायल चल रहा है। उम्मीद है कि राजकोट में 1 फरवरी से यह सेवा शुरू हो जाएगी।

एयर इंडिया को भारी पड़ा अहमदाबाद हादसा

'महाराजा' से आगे निकल गई इंडिगो

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी झंडे गाड़ दिए हैं। इंडिगो ने जुलाई-सितंबर 2025 की तिमाही में एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के संयुक्त नेटवर्क से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को सफर कराया। पहली बार इंडिगो इंटरनेशनल पैसेंजर के मामले में एयर इंडिया ग्रुप से आगे निकली है। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी डीजीसीए के नए आंकड़ों से सामने आई है। एयर इंडिया का एक विमान 12 जून को हादसे का शिकार हो गया था। इसमें 260 लोगों की जान गई थी। इस कारण एयर इंडिया ने लंबी दूरी के रूट्स पर अपनी उड़ानों में लगभग 15% की कटौती की। इस घटना के कारण एयर इंडिया के प्रति यात्रियों के भरोसे में थोड़ी कमी आई थी। जुलाई-सितंबर में इंडिगो ने 41.36 लाख अंतरराष्ट्रीय यात्री ढोए जबकि टाटा ग्रुप का हिस्सा बन चुकी एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमानों में 41 लाख यात्रियों ने सफर किया।

भारतीय निवेशक अब विदेशी बाजारों मे भी कर रहे निवेश

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय निवेशक धीरे-धीरे और बुद्धिमान बनते जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, ये निवेशक अब केवल एक ही शेयर में निवेश करने के बजाय अमेरिकी शेयर बाजार, इंडेक्स और थीमेटिक ईटीएफ, निजी बाजार के अवसरों और वैश्विक फंडों में भी निवेश कर रहे हैं।

वेस्टेड फाइनेंस की रिपोर्ट के अनुसार, यह पोर्टफोलियो निर्माण के अधिक सुनियोजित दृष्टिकोण और वैश्विक बाजार में भागीदारी को लेकर बढ़ती सहजता को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, शोध, डिजिटल साधनों और शिक्षा तक पहुंच ने इस बदलाव को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खासकर महानगरों से बाहर के शहरों में। रुपये की कीमतों में गिरावट ने वैश्विक निवेश को और भी प्रासंगिक बना दिया है। लगातार अवमूल्यन से दीर्घकालिक परिणाम ऐसे बदलते हैं जिन्हें अक्सर मुख्य आंकड़े पूरी तरह नहीं दर्शा पाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, विदेशी इक्विटी और डेट में निवेश 2018-19 के 42.2 करोड़ डॉलर से चार गुना बढ़कर 2024-25 में 1.7 अरब डॉलर हो गया।

ईडी ने स्वयंभू 'मणिपुर राज्य परिषद' से जुड़े नेताओं के ठिकानों पर छापेमारी

ईडी ने स्वयंभू 'मणिपुर राज्य परिषद के मुख्यमंत्री' याम्बेम बिरेन और स्वयंभू 'मणिपुर राज्य परिषद के विदेश मामलों और रक्षा मंत्री' नरेंगबम समरजीत के ठिकानों पर तलाशी अभियान शुरू किया है। यह कार्रवाई इम्फाल में स्थित पांच अलग-अलग परिसरों में की जा रही है, जो दोनों आरोपियों से जुड़े बताए जा रहे हैं। आरोपी सलाई ग्रुप ऑफ कंपनीज के प्रमुख व्यक्ति हैं। मामला वर्ष 2019 में लंदन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस से जुड़ा है, जिसमें याम्बेम बिरेन और नरेंगबम समरजीत ने खुद को क्रमशः 'मणिपुर राज्य परिषद का मुख्यमंत्री' और 'विदेश मामलों व रक्षा मंत्री' बताते हुए सार्वजनिक रूप से मणिपुर की भारत संघ से 'स्वतंत्रता' की घोषणा की थी। अधिकारियों के अनुसार, इस तरह की गतिविधियां राज्य के खिलाफ युद्ध छेड़ने, राजद्रोह और विभिन्न समुदायों के बीच असामंजस्य, शत्रुता और घृणा को बढ़ावा देने की श्रेणी में आती हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	धनु	मे	धनु.....	07-04 बजे
चंद्र	वृश्चिक	मे	मकर...	09-09 बजे
मंगल	धनु	मे	कुंभ....	10-52 बजे
बुध	वृश्चिक	मे	मीन....	12-22 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मेष.....	13-48 बजे
शुक्र	वृश्चिक	मे	वृष.....	15-25 बजे
शनि	मीन	मे	मिथुन..	17-21 बजे
राहु	कुंभ	मे	कर्क....	19-35 बजे
केतु	सिंह	मे	सिंह---	21-54 बजे
			कन्या--	00-10 बजे
			तुला---	02-24 बजे
			वृश्चिक..	04-42 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947**, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426874**
कलियुग संवत् - **5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- **1955885126**
सूर्योदय 06-43 सूर्यास्त. 17-41
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - पौष कृष्ण पक्ष गुरुवार **18 Dec**
तिथि - चतुर्दशी **04-59** तक उपरान्त
नक्षत्र - अनुराधा **20-06** तक उप ज्येष्ठा
योग - धृति **15-05** तक उप शूल
करण - विष्टी (भद्रा) **15-47** तक शकुनि
मास शिवरात्रि
भद्राकाल **18-47** तक

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल
13-36
14-59

पं.महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
शुभ	06-43 - 08-04 शुभ	अमृत	17-41 - 19-22 शुभ
रोग	08-04 - 09-27 अशुभ	चंचल	19-22 - 20-59 शुभ
उत्पात	09-27 - 10-50 अशुभ	रोग	20-59 - 22-36 अशुभ
चंचल	10-50 - 12-13 शुभ	काल	22-36 - 00-13 अशुभ
लाभ	12-13 - 13-36 शुभ	लाभ	00-13 - 01-50 शुभ
अमृत	13-36 - 14-59 शुभ	उत्पात	01-50 - 03-27 अशुभ
काल	14-59 - 16-22 अशुभ	शुभ.	03-27 - 05-05 शुभ
शुभ	16-22 - 17-41 शुभ	अमृत	05-05 - 06-43 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप समस्या पैदा नहीं करते , लेकिन आज आप अपने को घिरा हुआ पाएंगे । आप अपना आपा खो सकते है। आप अपने को शांत बनाए रखे और समस्याओं को एक एक करके निपटे । आपको देर तक अपने कार्यालय में कार्य करना पड़ सकता है । शाम तक की अपनी प्रतिबद्धताओं को रद्द कर दे । अपने कार्य को ढंग से समाप्त करने की और ध्यान लगाएं ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

ऐसा लग रहा है की अपने कार्यस्थल के लिए आपकी यात्रा की लागत में दिन ब दिन बढ़ोतरी हो रही है । इसके अलावा ऑफिस की राजनीति आपके खिलाफ काफी मजबूत है और आप के खिलाफ प्रयुक्त हो रही है, लेकिन आप हमेशा की तरह काम करना जारी रखे और आपको जल्दी ही पदोनत्ति मिल सकती है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

अनुशासन और कड़ी मेहनत आपके विशिष्ट गुण हैं । आज अपने कार्य क्षेत्र से आपका मोहभंग हो सकता है , क्योकि आपको लगेगा की आपका करियर रुक सा गया है । हालांकि, कड़ी मेहनत हमेशा साथ देती है । आप सही रास्ते पर हैं ।अब महत्वपूर्ण है की इस पथ के साथ आप रहे ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

अब आपके करियर में कितनी बाधाएं आती है , इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्यों की आप उन सब बाधाओं को पार कर जाएंगे जैसे की वो कभी थी ही नहीं । सफलता अब सहजता से आएगी , लेकिन आपको अति आत्मविश्वास की भावना से बचना होगा । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की भाग्य की भूमिका भी उतनी ही है जितनी आपकी क्षमता , लेकिन ये जरुरी नहीं की भाग्य हमेशा आपका साथ दे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज का दिन कार्यस्थल पर कुछ हद तक उबाऊ होगा , लेकिन आपको अपने जरुरी कार्य की अपेक्षा नहीं करनी है । अपनी कागजी कार्रवाई को पूरा करने और सभी सरकारी आवश्यकताओं को पूरा करने में सावधान रहें। आज आप एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण गलती अपनी लापरवाही के कारण कर सकते है , इसलिए अगर आपका मन बाहर जाने का कर रहा है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आप किसी भी सरकारी हस्तक्षेप के बिना छुट्टियों के कुछ दिन बिताने के बाद अब वापस अपनी कार्य करने की शैली में वापस आ गए है , लेकिन आपके ग्राहकों, सहयोगियों के व्यवहार से ऐसा नहीं लगता । उन्हें समझे और उनकी समस्याओं के प्रति सम्मान दिखाए । उन्हें कार्यों से हटकर कुछ मानसिक शांति देने का प्रयास करे लेकिन उन्हें ऐसा न लगे की आप उन पर कोई एहसान कर रहे है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

अपनी नौकरी के क्षेत्र मैं बदलाव लाने का ये उपयुक्त समय है । अगर आप नौकरी से सम्बंधित किसी दुविधा में थे तो ये समय नौकरी में परिवर्तन लाने का समय है जो की आपको उचित दिशा में ले जाएगा और आपके लिए फायदेमंद होगा । इस उपरांत अगर आपको कुछ जोखिम लेना पड़े तो न सोचे क्योकि यह जोखिम ही आपको अंत में मददगार साबित होगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपने पिछले कुछ दिनों में कुछ अधिक खर्च किया है जिसके आप आदी नहीं हैं । आज सतर्कता की अवस्था आप के अंदर रहेगी । आपके दृष्टिकोण में एक उल्लेखनीय बदलाव आएगा और आप अपने बजट को सख्त बनाने और धन संचय पर अधिक जोर देंगे , हालाँकि आपको अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा की आपका धन बर्बाद और खत्म हो जाएगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज कुछ प्रमुख व्यय के लिए आप योजना बनाने के लिए जा रहे हैं लेकिन इस खर्चे पर आपकी नजर रहेगी । आज का दिन वित्तीय योजना बनाने के लिए एकदम सही है और कुछ कार्य जो की कुछ समय से अधूरे थे उन्हें पूरा करना का भी उचित समय है । आज आप अपनी बचत और परिसंपत्तियों की एक पूरी सूची के साथ बैठे और उन्हें व्यवस्थित करे।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

एक दुर्लभ नौकरी का अवसर आज आपके दरवाजे पर दस्तक देने के लिए आ रहा है। यह विचार करने पर कुछ हद तक जोखिम भरा लगेगा , लेकिन आप उस पर कार्रवाई करते हैं, तो आप अपने कैरियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं। सुरक्षित और संकीर्ण रास्ते की तुलना में ये समय जोखिम लेने के लिए है ताकि जो आप अपने जीवन में करना चाहते है वो पूरा हो ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आपको लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मुश्किलो का सामना करना पड़ सकता हैं । उन क्षेत्रों को देखे जहा पहले आपने कार्य नहीं किया है । अन्वेषण आप के लिए आज महत्वपूर्ण रहेगा ।आपको कुछ सार्थक मिल सकता है। अगर आप अपनी नौकरी स्थानांतरण की योजना बना रहे है, तो आज का दिन काफी शुभ हो सकता है ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आप सबसे बड़े ग्राहकों में से एक के साथ अपने सौदे को अंतिम रूप दे सकते है। उनके साथ एक लंबी अवधि के अनुबंध पर आप हस्ताक्षर करने के लिए आगे बढे । ग्राहक वित्तीय संसाधनों से परिपूर्ण है , जिससे की आपके कार्यालय पर वित्तीय बोझ कम होगा । आपको अगर ग्राहकों से और सौदे लेने है तो आपको अपने सामान्य ज्ञान का अच्छा परिचय देना होगा।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

नीतीश ने हिजाब खींचा, नुसरत ने बिहार छोड़ा

बोलीं- अब नौकरी जॉइन नहीं करूंगी, मुख्यमंत्री का इरादा जो हो, मुझे तकलीफ हुई

पटना, 17 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। सीएम नीतीश कुमार ने जिस महिला डॉक्टर नुसरत परवीन का हिजाब हटाया था, उन्होंने बिहार छोड़ दिया है। वो अब कोलकाता में अपने परिवार के पास चली गई हैं। 15 दिसंबर को ये घटना हुई, इसके अगले दिन ही नुसरत कोलकाता में अपने परिवार के पास आ गईं। वो पढ़ाई में बहुत तेज हैं। डॉक्टर बनना उनका सपना था। फिलहाल वो बिहार सरकार की नौकरी जॉइन नहीं करेंगी। परिवार नुसरत परवीन को समझाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन वो वापस बिहार आकर नौकरी जॉइन करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही हैं।

नुसरत के परिवार ने बताया कि घटना के बाद से नुसरत परवीन सदमे में हैं। परिवार लगातार उन्हें समझा रहा है, लेकिन वो समझने को तैयार नहीं हैं। परिवार ने बिहार लौटने और नौकरी जॉइन करने का फैसला अब नुसरत पर ही छोड़ दिया है। 15 दिसबंर को उन्होंने अपने भाई को सबसे पहले फोन कर के घटना की जानकारी दी थी। फोन के दौरान वो भावुक थीं। भाई ने कोलकाता आने को कहा, इसके बाद वो अगले दिन कोलकाता आ गईं। नुसरत का कहना है कि मैं ये नहीं कह रही कि मुख्यमंत्री ने जो किया वो इंटेंशनली किया, लेकिन जो हुआ वो मुझे अच्छा नहीं लगा। वहां बहुत सारे लोग थे। कुछ तो हंस रहे थे। एक लड़की होने के नाते वो मेरे लिए अपमान जैसा था।

मैंने स्कूल से लेकर कॉलेज तक हिजाब में ही रहकर पढ़ाई की। घर हो मार्केट हो या मॉल हर जगह मैं हिजाब पहनकर गई। कभी ऐसा नहीं हुआ। अब्बू-अम्मी ने भी घर में हमेशा यही सिखाया। हिजाब हमारी संस्कृति का हिस्सा है। मेरी गलती क्या है मुझे ये समझ नहीं आ रहा है। मुख्यमंत्री ने गलत किया, मैं ये भी नहीं कह रही, लेकिन अभी मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा। मन शांत नहीं है। वो दिन याद कर के सहम जाती हूं। मैं आगे क्या करूंगी, ये अभी कुछ पता नहीं है। पटना में मेरे साथियों ने भी मुझे काफी समझाया था। वो मुझे रुकने के लिए बोल रहे थे, लेकिन मुझे अब वहां अच्छा नहीं लग रहा है।

अब भी कई साथियों के फोन आ रहे हैं वो मुझे बुला रहे हैं, लेकिन मेरे अंदर हिम्मत नहीं है। बड़ी मेहनत से यहां तक पहुंची थी। सोचा था सरकारी नौकरी मिल जाएगी तो अब्बू-अम्मी की मदद करूंगी। भाई के कंधे से कंधा मिलाकर घर की सभी जिम्मेदारियों में हाथ बटाऊंगी। हमारे समाज में बहुत से ऐसे लोग थे जो कहते थे बेटी को क्या इतना पढ़ाना। इसे हिजाब में रखो नहीं तो हाथ से निकल जाएगी, लेकिन सभी की बातों को दरकिनार कर अम्मी-अब्बू ने मुझे पढ़ाया था।

कल ही रात मेरी अब्बू से बात हुई थी। वो कह रहे हैं बेटा इतना मत सोचो जो तुम्हारा मन कहे वही करो। भाई का भी यही कहना है। मेरा परिवार मेरे साथ खड़ा है। मेरे लिए यही बहुत बड़ी बात है। आगे मैं क्या करूंगी कुछ कह नहीं सकती। हां, लेकिन 15 दिसंबर को जो हुआ ठीक नहीं हुआ। हालांकि परिवार उन्हें समझाकर जॉइनिंग के लिए पटना लाने की तैयारी में है। नुसरत के भाई ने बताया कि मैं और परिवार के लोग उन्हें समझाने की कोशिश कर रहे हैं। हम उन्हें बता रहे हैं कि गलती दूसरे की है, तो उन्हें बुरा क्यों लगना चाहिए। किसी और की वजह से नौकरी क्यों छोड़नी चाहिए। वो अभी मेंटल ट्रॉमा में चल रही हैं।' नुसरत परवीन को 20 दिसंबर को नौकरी जॉइन करनी थी।

पटना में महिला डॉक्टर का हिजाब हटाए जाने पर यूपी के मंत्री संजय निषाद ने नीतीश कुमार का बचाव किया है। संजय निषाद ने कहा- अरे वो भी तो आदमी ही हैं न...छू लिया नकाब, तो इतना पीछे नहीं पड़ जाना चाहिए। कहीं और छू लिया तो क्या होता? आपको क्या लगता है कहीं और भी छू लेते हैं क्या? नहीं... नकाब पर आप लोग इतना कह रहे हैं। कहीं चेहरा-वेहरा छू लेते...कहीं और उंगली पड़ जाती तब क्या करते आप लोग। हालांकि बयान के बाद उन्होंने माफी मांगी है।

शायर मुनव्वर राणा की बेटी और सपा प्रवक्ता सुमैया राणा ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार के मुस्लिम महिला का हिजाब हटाने के मामले में शिकायत दी है। उन्होंने नीतीश का बचाव कर रहे यूपी के मंत्री संजय निषाद के इस बयान- 'नकाब ही तो छुआ है, कहीं और तो नहीं...' के खिलाफ भी शिकायत दर्ज कराई है।

वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बेंगलुरु के एक वकील ओवैज हुसैन एस ने सीएम नीतीश कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

नेशनल हेराल्ड केस

कांग्रेसियों ने मोदी-शाह के पोस्टर पर पोती कालिख रायपुर में बैरिकेड्स तोड़कर भाजपा कार्यालय घेरने निकले, भूपेश बोले-एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही भाजपा

रायपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया। पंडरी में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता पहुंचे। कांग्रेस नेता नारेबाजी करते हुए भाजपा कार्यालय घेरने आगे बढ़े। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत, पीसीसी चीफ दीपक बैज भी मौजूद रहे। भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

इसके अलावा पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, पूर्व विधायक अनिता शर्मा, विकास उपाध्याय समेत एनएसयूआई नेता और कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल थे। मेकाहारा चौक के पास कार्यकर्ताओं की पुलिस से धक्कामुक्की हो गई। कार्यकर्ता बैरिकेड्स को तोड़ते हए आगे बढ़े। हालांकि, कुछ दूर बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोक लिया।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के पोस्टर पर कालिख पोती। बता दें कि यह प्रदर्शन नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर किया गया। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि नेशनल हेराल्ड मामले में राजनीतिक द्वेष के तहत कार्रवाई की जा रही है। लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा है। प्रदर्शन को देखते हुए इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। भारी पुलिस बल तैनात रही।

भूपेश बघेल ने ईडी-ईओडब्ल्यू पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस पप्पू बंसल की गवाही पर मेरे बेटे को जेल हुई, उसे पहले ही फरार घोषित किया गया। आज उसी फरार पप्पू बंसल को ईडी बयान के लिए लेकर आई।

जब हमारे वकील ने याद दिलाया कि पप्पू बंसल फरार है तो पप्पू बंसल के साथ एजेंसी भी भाग खड़ी हुई। आजकल एजेंसियां भी भागने लगी हैं।

इस पूरे प्रदर्शन पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कहा कि भाजपा कार्यालय घेरने कांग्रेस को कार्यकर्ता ही नहीं मिले। कांग्रेस पार्टी हमेशा से झूठ की राजनीति करने और झूठी खुशफहमी में रहने का काम करती रही है।

आमने-सामने भिड़ी ट्रेलर और ट्रक

ट्रेलर का चालक केबिन में ही फंसा, हादसे के बाद लगी आग, जिंदा जलने से बचा चालक

गिरिडीह, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के बगोदर–बिष्णुगढ़ मुख्य मार्ग पर मंगलवार देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। उपरैली बोदरा गांव के पास माल लदा ट्रक और ट्रेलर की आमने-सामने जबरदस्त टक्कर हुई, जिससे पूरा इलाका दहल उठा। टक्कर इतनी तेज थी कि आवाज लगभग तीन किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। आसपास के गांवों में लोग घरों से बाहर निकल आए।

कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे के तुरंत बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। हांलाकि मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आग बुझाया। हादसे के कारण कुछ देर के लिए मेन रोड पूरी तरह ठप हो गया। ट्रेलर हजारीबाग से बगोदर की ओर से जा रहा था। वहीं ट्रक बगोदर से हजारीबाग जा रहा था।

घटना की सूचना मिलते ही बगोदर और बिष्णुगढ़ थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। दुर्घटना के बाद एक वाहन का चालक केबिन में ही बुरी तरह फंस गया था। उसे बाहर निकालने के लिए क्रेन मंगाई गई और गैस कटर की मदद से केबिन को काटा गया। करीब एक घंटे की कड़ी मेहनत के बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका।

हादसे में दोनों वाहनों के चालक और एक खलासी समेत कुल तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से दो को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बिष्णुगढ़ अस्पताल रेफर किया गया, जबकि केबिन में फंसे चालक को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया।

मौके पर बगोदर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव और बिष्णुगढ़ थाना प्रभारी सपन कुमार महथा पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने राहत और बचाव कार्य की लगातार निगरानी की। हादसे के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण मौके पर जमा हो गए थे, जिन्हें पुलिस ने समझा-बुझाकर सुरक्षित दूरी पर हटाया।

विदेशी भागे तो देसी पैसे ने बचाया फिर क्यों किया जा रहा लाचार

सीए सांसद की ये सलाह मानेगी सरकार?

नई दिल्ली, 17 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने भारत में कैपिटल गेन्स पर टैक्स का मसला उठाया है। उन्होंने इसे बहुत ज्यादा बताया। राघव चड्ढा ने राज्यसभा में कहा कि ये ऊंची टैक्स दरें लंबी अवधि के निवेश को हतोत्साहित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ सालों में विदेशी पूंजी बहुत अस्थिर रही है। जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 के दूसरे हफ्ते तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 1.6 लाख करोड़ रुपये निकाल लिए।

आप सांसद ने इस बात पर जोर दिया कि जब विदेशी निवेशकों ने पैसा निकाला तो भारतीय निवेशकों ने ही बाजार को संभाला। उन्होंने इक्विटी में लाखों रुपये लगाकर बाजार को बचाया। उन्होंने कहा, 'जब यह निकासी हुई तो घरेलू संस्थागत निवेशकों और घरेलू निवेशकों ने भारत के शेयर बाजार को बचाने के लिए कदम आगे बढ़ाया। घरेलू निवेशकों ने भारतीय शेयरों में 7 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया। यह भी एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। यह बाजार की परिपक्वता को दर्शाता है। लेकिन, इससे भी बढ़कर यह दिखाता है कि जब विदेशी पैसा चला जाता है तो भारतीय निवेशक ही शेयर बाजार को बचाने के लिए आगे आते हैं।'

हालांकि, चड्ढा ने सुझाव दिया कि सरकार की ऊंची टैक्स दरों ने घरेलू बचतकर्ताओं को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने सवाल उठाया, 'लेकिन, जब वेतनभोगी कर्मचारियों ने एसआईपी के जरिए निवेश किया, जब छोटे बचतकर्ताओं ने म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश किया और जब पेंशन और बीमा का पैसा निवेश किया गया तो सरकार ने इस निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए क्या किया?'

चड्ढा ने तर्क दिया कि मौजूदा टैक्स ढांचा लंबी अवधि की बचत के खिलाफ काम कर रहा है। उन्होंने कहा, 'आज एक ऐसी टैक्स व्यवस्था उभर आई है जिसमें कैपिटल गेन्स पर टैक्स बहुत ज्यादा है। निवेशकों को इंडेक्सेशन का लाभ नहीं मिलता है क्योंकि सरचार्ज ज्यादा हैं। टैक्स की दरें तेजी से बढ़ी हैं। बार-बार बदलावों के कारण निवेशकों को निश्चितता नहीं मिलती है। एक ऐसी व्यवस्था बनाई गई है जहां इस देश में लंबी अवधि के निवेश को टैक्स के मामले में अल्पकालिक सट्टेबाजी की तरह माना जा रहा है। इसे बदलने की जरूरत है।'

टैक्स नीति को पूंजी बाजार की गहराई से जोड़ते हुए चड्ढा ने कहा, 'अगर भारत वास्तव में गहरे पूंजी बाजार और लंबी अवधि की घरेलू बचत चाहता है तो धैर्यवान पूंजी का सम्मान किया जाना चाहिए, न कि उसे दंडित किया जाना चाहिए। अर्थशास्त्र का मूल सिद्धांत है: यदि जरूरत हो तो उपभोग पर टैक्स लगाएं। लेकिन, निवेश को बढ़ावा दें। हमें निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। निवेश पर अत्यधिक टैक्स लगाकर हम धन सृजन को हतोत्साहित कर रहे हैं।'

उन्होंने यह भी बताया कि बैंक जमाओं में गिरावट आई है। इससे लोन की ब्याज दरें बढ़ सकती हैं जो एमएसएमई के लिए नकारात्मक है। उन्होंने कहा, 'हमने देखा है कि भारत का मेहनती, मध्यम वर्ग का नागरिक अपनी ज्यादातर बचत बैंक बचत खातों या फिक्स्ड डिपॉजिट में रखता है। हमने देखा है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 मे बैंक जमाओं की ग्रोथ घटकर केवल 10% रह गई, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में यह 13% थी। यानी डिपॉजिट ग्रोथ में गिरावट आई है। इसका नतीजा क्या होता है? बैंकों की फंड की लागत बढ़ जाती है। लोन महंगे हो जाते हैं। एमएसएमई को नुकसान होता है और वित्तीय स्थिरता कमजोर होती है।'

विशिष्ट नीतिगत सुझावों की रूपरेखा बताते हुए आप सांसद ने कहा, 'पहला, बचत बैंक खातों से होने वाली ब्याज आय के संबंध में टैक्स-मुक्त सीमा बढ़ाई जानी चाहिए। दूसरा, अगर कोई व्यक्ति पांच साल से अधिक समय के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट करता है तो उसे टैक्स में राहत दी जानी चाहिए। इस तरह के निवेशक के लिए टैक्स प्रोत्साहन की जरूरत है।'

चड्ढा एक चार्टर्ड अकाउंटेंट भी हैं। उन्होंने कहा कि लंबी अवधि के पूंजीगत लाभ के तहत इंडेक्सेशन के लाभ को सभी संपत्ति वर्गों में ठीक से और भावना के अनुसार लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स पर टैक्स बहुत ज्यादा है। अगर हम निवेश को प्रोत्साहित करना चाहते हैं तो इसे कम किया जाना चाहिए। इसके साथ ही, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि धैर्यवान घरेलू पूंजी को संरक्षित किया जाए, पुरस्कृत किया जाए और दंडित न किया जाए।'

मैडम ने हर काम का तय कर दिया था रेट

12000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, क्लर्क करता था डील

बिलासपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। एंटी करप्शन ब्यूरो ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी की टीम ने नगर पालिका बोदरी की सीएमओ भारती साहू और क्लर्क को 12000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सीएमओ ने नक्शा पास कराने के लिए पीड़ित से पैसों की डिमांड की थी। पीड़ित ने मामले की शिकायत एसीबी से की थी। जिसके बाद एसीबी की टीम ने जाल बिछाकर दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

सरकंडा थाना क्षेत्र के रहने वाले वेदराम निर्मलकर ने एसीबी में मैडम के खिलाफ शिकायत की थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि बोदरी में उसकी जमीन है। इस जमीन में वह अपना घर बनाना चाहता है। इसके लिए उसके नगर पालिका कार्यालय में नक्शा पास करने के एवज में 20000 रुपये के डिमांड ड्राफ्ट के साथ 47257 रुपये की अन्य फीस पटाने के लिए कहा गया। इसके साथ ही अलग से रिश्वत के 15 हजार रुपये मांगे गए। पैसों की डिमांड ऑफिस के बाबू सुरेश सिहोरे ने की थी।

जिसके बाद वेदराम ने सीएमओ भारती साहू और क्लर्क के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। एसीबी की टीम ने शिकायत की जांच की। जांच में यह जानकारी सामने आई कि नगर पालिका बोदरी में पदस्थ सीएमओ भारती साहू ऑफिस के क्लर्क के सहारे पैसे मांगती हैं। इसके साथ ही नगर पालिका अध्यक्ष सहित पार्षद स्थानीय लोगों ने भी अवैध वसूली की शिकायत की थी। सीएमओ भारती साहू ने हर काम के लिए रेट तय कर दिया था। वो बिना पैसे के नक्शा पास भी नहीं करती थी।

एसीबी ने पूरे मामले में मैडम को रंगे हाथों पकड़ने की योजना बनाई। इसके बाद युवक ने फिर से बातचीत की और 12000 रुपये में सौदा तय किया। इसके बाद सीएमओ ने युवक को ऑफिस बुलाया। वो पैसे लेकर पहुंचा, तब उन्होंने अपने प्राइवेट असिस्टेंट सुरेश सिहोरे को पैसे देने कहा। इसी बीच एसीबी की टीम मौके पर पहुंच गई, जिसके बाद सीएमओ भारती साहू और सुरेश सिहोरे को पकड़ लिया।

सौम्या चौरसिया कौन हैं? भूपेश बघेल सरकार में थी 'सुपर सीएम'

अब कुल 4364 करोड़ रुपए के घोटाले में 5वीं बार गिरफ्तार

रायपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री की उपसचिव और निलंबित राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारी सौम्या चौरसिया को ईडी ने 3200 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में फिर गिरफ्तार किया है। इससे पहले भी ईडी ने उन्हें 2 दिसंबर 2022 को इसी मामले में गिरफ्तार किया था, जिसके बाद वह 822 दिन जेल में रहीं और 3 मार्च को जमानत पर रिहा हुईं। जमानत पर बाहर रहने के करीब 9 महीने बाद, मंगलवार को ईडी ने उन्हें फिर से गिरफ्तार कर लिया है। अब उन्हें दोबारा रायपुर केंद्रीय जेल भेजा जाएगा। इस तरह सौम्या पर कुल 4364 करोड़ रुपये के घोटाले में शामिल होने का आरोप है।

एजेंसी का दावा है कि रिटायर आईएएस अनिल टुटेजा, कारोबारी अनवर ढेबर, चैतन्य बघेल, मनीष उपाध्याय और जयचंद कोसले की चैट रिपोर्ट और पूछताछ के आधार पर सौम्या को गिरफ्तार किया गया है। पिछली सरकार के दौरान पावरफुल अधिकारियों के आधा दर्जन व्हाट्सएप ग्रुप थे, जिनमें 'बिग बॉस', 'जय मां काली ग्रुप', 'पाल ग्रुप', 'डिस्कशन ग्रुप', 'जुगनू ग्रुप', 'अवतार' और 'मंथली ग्रुप' शामिल हैं। 'मंथली ग्रुप' में पैसों के लेन-देन का जिक्र मिलता है। इन्हीं ग्रुप्स में मिले चैट के आधार पर सौम्या के खिलाफ कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपियों से जब्त डायरी में भी कोडवर्ड में इन लेन-देन का उल्लेख मिला है।

सौम्या पर कुल 4364 करोड़ रुपये के घोटाले में शामिल होने का आरोप है। इसमें 500 करोड़ रुपये के अवैध कोल लेवी केस में ईडी की गिरफ्तारी, 540 करोड़ रुपये के कोल लेवी केस में ईओडब्ल्यू की गिरफ्तारी, 575 करोड़ रुपये के डीएमएफ घोटाला में ईओडब्ल्यू की गिरफ्तारी, और 49 करोड़ रुपये के आय से अधिक संपत्ति के मामले में ईओडब्ल्यू की गिरफ्तारी शामिल है। अब 3200 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में ईडी ने उन्हें फिर से गिरफ्तार किया है।

जांच एजेंसी का दावा है कि सौम्या 2008 बैच की डिप्टी कलेक्टर हैं। उनकी 17 साल की सेवा अवधि में शासन से उन्हें 89.19 लाख रुपये का वेतन मिला है, जबकि परिवार की कुल आय 2.51 करोड़ रुपये है। इसके बावजूद, उन्होंने 49.69 करोड़ रुपये की 45 बेनामी संपत्तियां खरीदीं, जो उनकी आय से 1872 प्रतिशत अधिक है। ईओडब्ल्यू ने सौम्या की 39 करोड़ रुपये की 29 संपत्तियां अटैच की हैं, जबकि ईडी ने 8 करोड़ रुपये की 16 अचल संपत्तियां अटैच की हैं।

रांची, बोकारो, गुमला सहित 9 जिले में कुहासा

अगले पांच दिन स्थिर रहेगा मौसम, तापमान में नहीं होगा बड़ा बदलाव, जारी रहेगी ठंड

रांची, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। मौसम विज्ञान केंद्र रांची की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार झारखंड में आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज लगभग स्थिर बना रहेगा। अगले पांच से सात दिनों तक राज्य में किसी बड़े मौसम बदलाव की संभावना नहीं है। बीते 24 घंटे में भी पूरे झारखंड में मौसम शुष्क रहा।

अधिकतम तापमान में सामान्य से कोई खास उतार-चढ़ाव दर्ज नहीं किया गया। चाईबासा में राज्य का सर्वाधिक अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

जबकि रांची के कांके में न्यूनतम तापमान 6.0 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार निचले वायुमंडल में उत्तर-पश्चिमी से उत्तरी हवाएं चल रही हैं, जिससे ठंड का असर बना हुआ है। पूर्वानुमान के मुताबिक 20 दिसंबर तक मध्य, दक्षिण, उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी झारखंड के अधिकांश जिलों में सुबह के समय हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा छाने की संभावना है। हालांकि दिन चढ़ने के बाद आसमान साफ रहेगा और धूप निकलने से लोगों को कुछ राहत मिलेगी।

रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा और धनबाद समेत कई जिलों में यही स्थिति बनी रहेगी। इस दौरान राज्य में कहीं भी बारिश की संभावना नहीं जताई गई है।

मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा और ठंड का असर सुबह और देर रात ज्यादा महसूस होगा।

दलमा की तराई में जुटे बंगाल के कारीगर

तैयार कर रहे 14 जनवरी के लिए 'मीठा स्वाद'

जमशेदपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में मकर पर्व का विशेष सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व है। इस पर्व के अवसर पर घर-घर में पीठा बनाए जाते हैं, जिनकी मिठास का राज होता है खजूर का गुड़ । यह गुड़ सामान्य गुड़ से बिल्कुल अलग होता है और केवल एक विशेष मौसम में ही उपलब्ध होता है, जिसके लिए लोगों को पूरे साल इंतजार करना पड़ता है। मकर संक्राति का पर्व आते ही जब खजूर का गुड़ बाजार में पहुंचता है, तो इसकी मिठास और खुशबू से पर्व का उल्लास और बढ़ जाता है। यही वजह है कि खजूर का गुड़ झारखंड की मकर परंपरा का अभिन्न हिस्सा माना जाता है।

इन दिनों पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले से आए मंटू अपनी 20 सदस्यीय टीम के साथ पिछले एक महीने से जमशेदपुर-बोड़ाम मार्ग स्थित दलमा की तराई में खजूर का गुड़ तैयार कर रहे हैं। मंटू बताते हैं कि इस क्षेत्र में खजूर (ताड़) के पेड़ बड़ी संख्या में मौजूद हैं। पेड़ों पर डिब्बा बांधकर सबसे पहले खजूर का रस इकट्ठा किया जाता है।

इसके बाद जमीन में गड्ढा खोदकर पारंपरिक चूल्हा तैयार किया जाता है, जिसमें सूखी लकड़ियों और पत्तों को जलावन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। बड़े बर्तनों में खजूर के रस को करीब चार से पांच घंटे तक पकाया जाता है।

कड़ाके की ठंड के बीच हीटर ने मचा दी तबाही

आग लगने से दो की मौत, छह झुलसे

धनबाद, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सरायढेला थाना क्षेत्र के विकास नगर में सोमवार को देर रात में एक मकान में भीषण आग लगने से दो लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि परिवार के छह अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के समय घर में 15 लोग मौजूद थे। पुलिस के अनुसार, चिंतामणि देवी रात करीब 12 बजे हीटर चालू करके कमरे में सो रही थीं। इसी दौरान अचानक आग लग गई और वह तेजी से पूरे कमरे में फैल गई।

हिमालय की गोद में चीन बना रहा दुनिया का सबसे शक्तिशाली रहस्यमय बांध

क्यों कांप रहे वैज्ञानिक, टूटा तो भारत में तबाही आएगी?

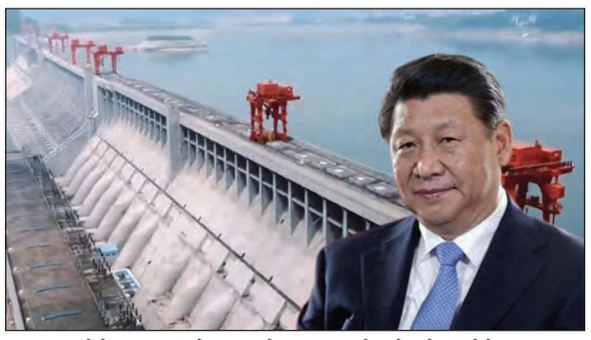

बीजिंग, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन हिमालय के दुर्गम इलाके में दुनिया का सबसे शक्तिशाली हाइड्रोपावर डैम बना रहा है। ये डैम, चीन की घनी आबादी वाले समुद्री तट से सैकड़ों किलोमीटर दूर है। लेकिन चीन का कहना है कि वो उस डैम से देश की जरूरत के लिए बिजली का उत्पादन करेगा। लेकिन असल बात ये है कि चीन इस बांध के जरिए ब्रह्मपुत्र नदी को बांधने जा रहा है। तिब्बत की यारलुंग त्सांगपो नदी, जो आगे चलकर भारत में ब्रह्मपुत्र और बांग्लादेश में जमुना कहलाती है, उसी के निचले हिस्से में यह विशाल दैत्याकार परियोजना आकार ले रही है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक इस प्रोजेक्ट की लागत करीब 168 अरब डॉलर है। ड्रैगन दावा करता है कि यह परियोजना इतनी बिजली पैदा करेगी, कि वह चीन के थ्री गॉर्जेस डैम से भी तीन गुना ज्यादा होगी।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने जब तिब्बत का दौरा किया था, उस वक्त उन्होंने इस परियोजना को तेज और प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाने का आदेश दिया था। सीएनएन के मुताबिक, चीन इसे स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य के लिए जरूरी मान रहा है। हालांकि चीन कुछ भी दावा करे, लेकिन हकीकत ये है कि इससे भारत को बड़ा खतरा है। इस बांध के जरिए चीन, क्षेत्र के पर्यावरण और इको सिस्टम का सत्यानाश कर देगा। इस बांध से पर्यावरण पर काफी खतरनाक असर देखने को मिलेंगे।

सीएनएन के मुताबिक, एक्सपर्ट्स का कहना है कि तिब्बत की यारलुंग त्सांगपो नदी के निचले इलाकों में बनाया जा रहा हाइड्रोपावर सिस्टम, इंजीनियरिंग का एक ऐसा कमाल होगा, जैसा पहले कभी नहीं किया गया। एक पहाड़ में सुरंगें बनाकर 2000 मीटर की ऊंचाई का फायदा उठाकर, यह चीन को एशिया के वाटर टावर कहे जाने वाले इलाके में एक बड़ी नदी का इस्तेमाल करने में मदद करेगा। लेकिन इसके निर्माण से एक दुर्लभ, साफ-सुथरा इकोसिस्टम और वहां रहने वाले मूल निवासियों के पुश्तैनी घरों को भी नुकसान हो सकता है। भारत और बांग्लादेश में नदी के निचले इलाकों में रहने वाले लाखों लोग भी इस नदी पर निर्भर हैं। सीएनएन ने एक्सपर्ट्स के हवाले से कहा है इससे इकोसिस्टम पर असर होगा, जिसमें मछली पकड़ना और खेती शामिल है।

सीएनएन ने लिखा है कि भारत में चीन के इस प्रोजेक्ट को 'वाटर बम' कहा जाता है। इसके अलावा विवादित चीन-भारत सीमा के पास होने के कारण यह दोनों परमाणु हथियारों से लैस देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे क्षेत्रीय विवाद में एक फ्लैशपॉइंट बनने का खतरा है। लेकिन इन सब खतरों के बावजूद, यह प्रोजेक्ट अभी भी रहस्य में डूबा हुआ है, जिससे एक ऐसी योजना के बारे में सवाल उठ रहे हैं।

भारत के चाबहार बंदरगाह का मुरीद हुआ रूस

नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर में करेगा शामिल, ईरान की बल्ले-बल्ले

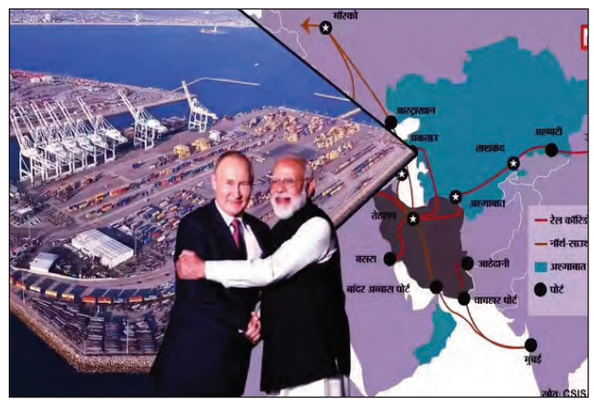

तेहरान, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत संचालित ईरान के चाबहार बंदरगाह पर रूस नजर गड़ाए बैठा है। रूस ने चाबहार को दक्षिण एशिया का प्रवेश द्वार बताया है, जो यूरोप और मध्य एशिया से दक्षिण और पूर्वी एशिया को कनेक्ट करने में बड़ी भूमिका निभाएगा। ईरान के साथ एक द्विपक्षीय बैठक में रूस ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) में चाबहार बंदरगाह को शामिल करने का भी फैसला किया है। रूस के इस फैसले से ईरान को सबसे ज्यादा फायदा होगा, जो इस कॉरिडोर में जमीनी और समुद्री दोनों रास्तों से योगदान देगा। रूस की प्लानिंग इस कॉरिडोर से भारत से रूस के रास्ते यूरोप को कनेक्ट करने की है।

ईरान और रूस के बीच बड़ी बैठक

ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी और रूस के ट्रांसपोर्ट उप प्रधानमंत्री ने तेहरान में उच्च-स्तरीय बातचीत के दौरान रणनीतिक नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) के लागू होने की प्रक्रिया को तेज करने की जरूरत पर जोर दिया है। अली लारीजानी ने मंगलवार को ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिवालय में विटाली सवेलीव से मुलाकात की और बातचीत की।

यह बैठक दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच उच्चतम स्तर पर हुए समझौतों के बाद हुई, जिसका मकसद मौजूदा बाधाओं को दूर करना और प्रोजेक्ट को उसके ऑपरेशनल चरण में ले जाना था।

रिपोर्ट में बताया गया कि बातचीत के दौरान, दोनों पक्षों ने नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को आकार देने वाले एक प्रमुख भू-राजनीतिक घटक के रूप में समीक्षा की। नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) जहाज, रेल और सड़क मार्गों का एक नेटवर्क है जो सात हज़ार किलोमीटर से ज़्यादा लंबा है और उत्तरी यूरोप को दक्षिणी एशिया से जोड़ता है। लारीजानी ने कहा कि ईरान ने कॉरिडोर को चालू करने का पक्का फैसला किया है, और वादा किया कि सभी कार्यकारी और संस्थागत बाधाओं को जल्द ही दूर कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट के कानूनी और ऑपरेशनल ढांचे को सुनिश्चित करने के लिए जरूरी समझौतों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के निर्देशों के अनुसार, कॉरिडोर के रास्ते की सभी जमीन साल के अंत तक अधिग्रहित कर ली जाएगी, जिससे प्रोजेक्ट बिना किसी रुकावट और पूरे तालमेल के साथ आगे बढ़ सकेगा।

सवेलीव ने ईरान के निर्णायक दृष्टिकोण का स्वागत किया और प्रोजेक्ट को तेज़ करने और ऑपरेशनल प्रक्रिया शुरू करने के लिए मॉस्को की तत्परता की पुष्टि की। दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर स्थायी सहयोग को गहरा करने और स्वतंत्र क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मार्ग स्थापित करने के लिए ईरान-रूस की साझा रणनीति का हिस्सा है।

पाक एयरस्पेस बैन: भारतीय विमानों पर रोक 24 जनवरी तक बढ़ी

इस्लामाबाद, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने भारतीय विमानों को अपने हवाई क्षेत्र से उड़ान भरने पर लगे प्रतिबंध को 24 जनवरी 2026 तक के लिए बढ़ा दिया है। ऐसे में भारत में रजिस्टर्ड कोई भी कमर्शियल फ्लाइट या मिलिट्री एयरक्राफ्ट पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी द्वारा बुधवार को जारी एक नोटम (पायलटों के लिए नोटिस) के अनुसार, पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपने एयरस्पेस को 24 जनवरी 2026 तक एक और महीने के लिए बंद कर दिया है।

नए नोटम के अनुसार, यह प्रतिबंध 16 दिसंबर, 2025 से 24 जनवरी, 2026 (पीएसटी) तक लागू रहेगा। यह बैन सभी भारतीय स्वामित्व वाले, संचालित और लीज पर लिए गए विमानों पर लागू होता है, जिसमें मिलिट्री फ्लाइट्स भी शामिल हैं। पीएए ने कहा कि यह फैसला एक मौजूदा प्रतिबंध को जारी रखता है जो पिछले आठ महीनों से पहले से ही लागू है।अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दोनों देशों ने अपनी-अपनी हवाई सीमा को एक दूसरे के विमानों के लिए बंद कर दिया था। यह प्रतिबंध तब से ही जारी है।

पाकिस्तान को भारी नुकसान

भारतीय विमानों के लिए एयरस्पेस बंद करने से पाकिस्तान को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा पाकिस्तानी एयरलाइंस को भी ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है।

भारतीय विमानों के पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करने से पाकिस्तान को एक निश्चित धनराशि मिलती थी, जो बंद हो गई है। इसके अलावा भारतीय हवाई क्षेत्र बंद होने से पाकिस्तानी विमानों को भी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए भारत का पूरा चक्कर लगाकर जाना पड़ रहा है, जिससे उनका खर्च बढ़ रहा है।

एपस्टीन सेक्स स्कैंडल फाइल्स खुलने में 2 दिन बाकी

ट्रम्प का नाम आया, दुनियाभर के नेता-बिजनेसमैन में डर, क्या कोई भारतीय भी शामिल

वॉशिंगटन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। ट्रम्प प्रशासन 19 दिसंबर को कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े दशकों पुराने सरकारी रिकॉर्ड सार्वजनिक कर सकता है। इस दौरान एपस्टीन केस से जुड़े सभी ईमेल, तस्वीरें और डॉक्यूमेंट्स पब्लिक होंगे। इसका मकसद एपस्टीन के पूरे नेटवर्क की सच्चाई सामने लाना है।

आरोप है कि इस नेटवर्क में नाबालिग लड़कियों का शोषण हुआ और दुनिया के कई बेहद ताकतवर लोग इससे जुड़े थे। इससे पहले इस केस से जुड़ीं 19 तस्वीरें 12 दिसंबर को पब्लिक हुई थीं। इसमें 3 तस्वीरें ट्रम्प की हैं। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, अरबपति बिल गेट्स जैसे बड़ी हस्तियों की तस्वीरें भी सार्वजनिक हुईं।

अब एपस्टीन से जुड़े सभी रिकॉर्ड पब्लिक होने में सिर्फ 2 दिन बाकी हैं। ऐसे में अमेरिका ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में राजनीतिक और कारोबारी हलकों में हलचल तेज हो गई है। अब तक किसी भारतीय नागरिक या भारतीय नेता-उद्योगपति का नाम आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आया है।

भारतीय नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने दावा किया है कि इसमें कुछ भारतीय मंत्री, पूर्व मंत्री और मौजूदा सांसदों के नाम सामने आ सकते हैं। हालांकि अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है। लेकिन एपस्टीन के संबंध अमेरिका के बाहर के देशों के नेताओं और बिजनेसमैन से भी बताए जाते हैं, इसलिए पूरी दुनिया की नजर इन फाइलों पर टिकी है।

जेफ्री एपस्टीन की संपत्ति से जारी 19 तस्वीरों में 9 बड़ी हस्तियों के नाम सामने आए हैं। ये तस्वीरें सीधे तौर पर किसी को अपराधी साबित नहीं करतीं, लेकिन इन्हें एपस्टीन के साथ दिखाती हैं जिससे विवाद और सवाल खड़े हो रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प (अमेरिकी राष्ट्रपति)
बिल क्लिंटन (पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति)
बिल गेट्स (अरबपति)
प्रिंस एंड्रयू (ब्रिटिश किंग के भाई)
स्टीव बैनन (ट्रम्प के पूर्व सलाहकार)
लैरी समर्स (हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष)
वुडी एलन (फिल्म निर्माता)
रिचर्ड ब्रैनसन (बिजनेसमैन)
एलन डर्शोविट्ज (मशहूर वकील)

पिछले महीने अमेरिकी संसद के दोनों सदनों ने एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों को पब्लिक करने वाला एक्ट भारी बहुमत से पास कर दिया था। हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स ने बिल को 427-1 के अंतर से मंजूरी दी, जबकि सीनेट ने भी इसे बिना विरोध सर्वसम्मति से पारित कर दिया।

तालिबान से दुश्मनी कर रो रहा पाकिस्तान

अफगानिस्तान से व्यापार बंद होने से 4.5 अरब डॉलर का घाटा, गिड़गिड़ाए व्यापारी

इस्लामाबाद, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान पर हमला करने के बाद अब पाकिस्तान रो रहा है। पाकिस्तानी सेना को उम्मीद थी कि हवाई हमले के बाद तालिबानी डर जाएंगे लेकिन ऐसा हुआ नहीं। टीटीपी के आतंकी लगातार पाकिस्तानी सेना पर हमले कर रहे हैं। इस बीच पाकिस्तानी व्यापारी तबाही के दौर से गुजर रहे हैं। पाकिस्तान-अफगानिस्तान जाइंट चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का कहना है कि सीमा व्यापार बंद होने से पाकिस्तान को ट्रेड में 4.5 अरब डॉलर का नुकसान हो चुका है। इससे पाकिस्तानी व्यापारी बर्बाद हो रहे हैं। यही नहीं अब पाकिस्तानी दवाओं का भी अफगानिस्तान ने तोड़ निकाल लिया है और भारतीय दवाओं की पहली खेप अफगानिस्तान पहुंच गई है। पाकिस्तानी मीडिया ने चेंबर के हवाले से बताया कि कृषि और निर्माण जब चरम पर होता है तो हर दिन का निर्यात 5 करोड़ डॉलर से लेकर 6 करोड़ डॉलर तक पहुंच जाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह स्थिति अगर जारी रही तो दिसंबर से मार्च तक नारंगी और आलू का निर्यात भयानक रूप से प्रभावित होगा। इससे 20 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त घाटा होगा। बता दें कि टीटीपी को लेकर पाकिस्तान और तालिबान के बीच कई बार सीमा पर जोरदार जंग हो चुकी है। इसमें कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। वहीं पाकिस्तानी हवाई हमले में कई अफगान बच्चे मारे गए हैं। पाकिस्तान की सरकार बौखलाई हुई है और अफगान शरणार्थियों को वापस भेज रही है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच दशकों पुराना व्यापारिक और सामाजिक संबंध है।

ट्रम्प ने 7 और देशों की नागरिकता प्रक्रिया रोकी

15 देशों पर आंशिक बैन, अब तक 39 देश इस लिस्ट में शामिल हुए, एथलीट-राजनयिकों को छूट

वॉशिंगटन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को 7 और देशों के लोगों के अमेरिका आने पर पूरी तरह से बैन लगा दिया। इसके साथ ही फिलिस्तीनियों पर भी रोक लगा दिया है। यह फैसला पिछले महीने व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड्स पर एक अफगान शरणार्थी की गोलीबारी के बाद लिया गया है।

साथ ही 15 दूसरे देशों पर आंशिक बैन (स्थायी निवास पर रोक) लगाए गए हैं। ट्रम्प ने मंगलवार को इसके लिए एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए। इससे अमेरिका आने पर पूर्ण या आंशिक यात्रा प्रतिबंध लगने वाले देशों की संख्या 39 हो गई है। 19 देशों पर पहले से ही यात्रा प्रतिबंध लागू हैं। इनमें से 2 देश लाओस और सिएरा लियोन पर अब पूर्ण रोक लागू कर दी गई है। इससे पूर्ण प्रतिबंध वाले देशों की संख्या 7 हुई।

यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक सुरक्षा, कमजोर जांच प्रणाली और वीजा ओवरस्टे (वीजा खत्म होने के बाद भी रुकना) की उच्च दरों का हवाला देकर उठाया गया है। ये नए प्रतिबंध 1 जनवरी से लागू होंगे। घोषणा में स्थायी निवासियों, राजनयिकों, एथलीटों को छूट दी गई है। व्हाइट हाउस के फैक्ट-शीट के अनुसार, नए घोषणा में बुर्किना फासो, माली, नाइजर, साउथ सूडान और सीरिया पर पूरी यात्रा पाबंदी लगाई गई है। फिलिस्तीनियों पर भी पूरी रोक लगा दी गई है।

इससे पहले गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने कहा था कि अमेरिकी प्रशासन वर्तमान यात्रा प्रतिबंध को 19 से बढ़ाकर 30 से अधिक देशों तक विस्तार करने की योजना बना रहा है। उस समय उन्होंने सटीक संख्या या देशों के नाम नहीं बताए थे। अमेरिका अफगानिस्तान, म्यांमार, बुरुंडी, चाड, कांगो, क्यूबा, इक्वेटोरियल गिनी, इरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान, टोगो, तुर्कमेनिस्तान, वेनेजुएला, यमन पर पूरी यात्रा पाबंदी लगा चुका है। नई घोषणा में 15 नए देशों पर आंशिक प्रवेश प्रतिबंध लगाए गए हैं।

सीजर ने 40 मीटर दूर से आतंकियों पर बरसाई ताबड़तोड़ गोलियां

सिडनी, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले में 15 लोगों की जान चली गई। इस वारदात को रोकने में जिस पुलिस अधिकारी ने अहम भूमिका निभाई, अब उनका नाम सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमलावर को मार गिराने वाले अधिकारी डिटेक्टिव सीनियर कॉन्स्टेबल सीजर बाराजा हैं।

सीजर बाराजा पिछले 16 साल से पुलिस सेवा में हैं। वह बॉन्डी इलाके में ही तैनात हैं और सादे कपड़ों में ड्यूटी पर थे। घटना के दौरान का एक वीडियो सामने आया, जिसमें वह एक पेड़ के पास खड़े होकर करीब 40 मीटर दूर फुटब्रिज की ओर फायरिंग करते दिखे। इसी कार्रवाई में आतंकी साजिद अकरम मारा गया, जबकि उसका बेटा नवीद अकरम गंभीर रूप से घायल हो गया।

इमरान खान से जेल में मिलेंगे लंदन में रह रहे दोनों बेटे

जनवरी में पाकिस्तान आने की तैयारी, 'डेथ सेल' में पिता

लंदन/इस्लामाबाद, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। जेल में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई संस्थापक इमरान खान के बेटे उनसे मिलने के लिए पाकिस्तान आने की तैयारी कर रहे हैं। लंदन में रह रहे कासिम खान ने ब्रिटिश न्यूज चैनल के साथ एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने और उनके भाई सुलेमान ने अपने वीजा के लिए आवेदन किया है और जनवरी में पाकिस्तान जाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने जेल में पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के स्थिति पर चिंता जताई और कहा कि उन्हें बहुत खराब हालत में एक डेथ सेल में रखा गया है। स्काई न्यूज की यालदा हकीम को दिए इंटरव्यू में दोनों ने आशंका जताई कि शायद वे कभी अपने पिता से मिल नहीं पाएंगे।

इंटरव्यू के दौरान यालदा हकीम ने कासिम और सुलेमान से पूछा कि क्या उन्होंने अपने पिता इमरान खान से मिलने की इजाजत के लिए पाकिस्तानी सरकार से संपर्क करने की कोशिश की थी। इस दौरान हकीम ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की पुरानी टिप्पणी का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि इमरान खान के बेटों का पाकिस्तान में स्वागत है और वे उनसे (इमरान) मिल सकते हैं।

कासिम ने अपने जवाब में कहा, अब हम प्लान बना रहे हैं क्योंकि उन्होंने यह खुले तौर पर कहा है। जब तक वे अपनी बात से पीछे नहीं हटते- उम्मीद है कि हम जनवरी में जाएंगे। कासिम ने आगे बताया कि उन्होंने वीजा के लिए आवेदन किया है, लेकिन यह अभी तक नहीं आया है। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि यह आ जाएगा। इसलिए हम जनवरी में ट्रिप प्लान कर रहे हैं।'

इसके बाद हकीम ने सवाल किया कि इमरान खान से मिलकर वे उनसे क्या कहेंगे।

कनाडा नागरिकता बिल सी-71 लागू

विदेश में जन्मे बच्चों को भी मिलेगी सिटिजनशिप

ओटावा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा ने अपने नागरिकता फ्रेमवर्क में बड़ा बदलाव किया है। इसके चलते विदेश में पैदा हुए लोगों को कनाडाई नागरिकता का दावा करने की मंजूरी मिल गई है। कनाडा में 15 दिसम्बर से बिल सी-3 लागू हो गया है।

यह पहले फर्स्ट-जेनरेशन लिमिट या पुराने नियमों के कारण बाहर कर दिए लोगों को अपने आप कनाडाई नागरिक के रूप में मान्यता देता है। यह कानून योग्य व्यक्तियों को नागरिकता के सबूत के लिए आवेदन करने में भी सक्षम बनाता है। कनाडा में बड़ी संख्या में भारत से गए लोगों की आबादी है। ऐसे में यह बिल भारतवंशी समुदाय के उन लोगों के लिए बहुत फायदे का होगा जिनके अपने नागरिकता का इंतजार कर रहे हैं। नए नियमों के तहत विदेश में पैदा हुए या गोद लिए गए कनाडाई माता-पिता अब कनाडा के बाहर पैदा हुए या गोद लिए गए बच्चों को नागरिकता दे सकते हैं। इसके लिए माता-पिता के सामने शर्त रखी गई है कि वे बच्चे के जन्म या गोद लेने से पहले कनाडा में कम से कम तीन साल (1095 दिन) तक शारीरिक रूप से मौजूद रहे हों।

सिडनी हमला: फिलीपींस बना आतंकियों की 'ट्रेनिंग एकेडमी'

बाप-बेटे ने वहीं ली थी सैन्य ट्रेनिंग, फिलीपींस ही क्यों बने आतंकियों के सुरक्षित ठिकाने?

कैनबरा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई जांच अधिकारियों और विशेषज्ञों का मानना है कि सिडनी के बॉन्डी बीच पर नरसंहार करने वाले साजिद और नवीद अकरम ने हमले से ठीक पहले फिलीपींस की यात्रा की थी। फिलीपींस के दक्षिणी द्वीप, विशेष रूप से मिंडानाओ, दशकों से इस्लामिक आतंकवाद के केंद्र रहे हैं। यहाँ के घने जंगल, पहाड़ और लंबी तटरेखाएं आतंकी प्रशिक्षण शिविरों को छिपाने के लिए आदर्श माहौल प्रदान करती हैं। कमजोर सीमा सुरक्षा और पर्यटन को बढ़ावा देने के कारण होने वाली ढीली जांच का फायदा उठाकर विदेशी लड़ाके यहाँ आसानी से पहुँच जाते हैं और सैन्य स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। एशिया की 'आतंकवादी एकेडमी' और खतरनाक नेटवर्कविशेषज्ञों ने फिलीपींस को 'एशिया में आतंकवाद की एकेडमी' की संज्ञा दी है। अल-कायदा के दौर से ही यहाँ विदेशी लड़ाकों को ट्रेनिंग देने की परंपरा रही है। 'फिलीपीन इंस्टीट्यूट फॉर पीस, वायलेंस एंड टेररिज्म रिसर्च' के अनुसार, यहाँ के स्थानीय आतंकी गुटों जैसे 'अबू सय्याफ' के संबंध वैश्विक संगठनों जैसे इस्लामिक स्टेट (आईएस) से रहे हैं। बाप-बेटे ने हमले से पहले यहाँ एक महीना बिताया, जहाँ उन्होंने हथियारों और विस्फोटकों के इस्तेमाल की ट्रेनिंग ली।

सिडनी हमले के बाद उनकी कार से मिले विस्फोटक और घर से मिला आईएस का झंडा इस बात की पुष्टि करते हैं कि वे एक बड़ी विचारधारा से प्रभावित थे। भारतीय कनेक्शन और सुरक्षा एजेंसियों की विफलता इस मामले ने भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को भी चौंका दिया है, क्योंकि दोनों आतंकी भारतीय पासपोर्ट पर यात्रा कर रहे थे और हैदराबाद पुलिस ने उनके भारतीय नागरिक होने की पुष्टि की है।

कतर ने नौसेना के पूर्व अधिकारी पुर्णेंदु तिवारी को जेल भेजा

परिवार ने पीएम मोदी से की हस्तक्षेप की मांग

दोहा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। कतर के अधिकारियों ने नौसेना के पूर्व कमांडर पुर्णेंदु तिवारी को एक बार फिर गिरफ्तार किया है। उनके परिवार ने दावा किया कि इस महीने की शुरुआत में उन्हें हिरासत में लिया गया है और छह दिसंबर को जेल भेज दिया गया। अब उनके परिवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से दखल कर उनकी रिहाई सुनिश्चित कराने की अपील की है। तिवारी भारतीय नौसेना के उन आठ पूर्व अधिकारियों में शामिल थे, जिन्हें 16 अगस्त 2022 को कतर में गिरफ्तार किया गया था और उन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी। कूटनीतिक प्रयासों के बाद कतर सरकार ने उनमें से सात को माफी दे दी थी और वे पिछले साल फरवरी में भारत लौट आए थे। हालांकि, एक अलग कानूनी मामले के चलते पुर्णेंदु तिवारी भारत नहीं लौट सके। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, पुर्णेंदु तिवारी एक अलग वित्तीय जांच का सामना कर रहे थे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी के साथ भारत यात्रा के दौरान यह मामला उठाया था।

समस्या तो हर घर में होती है, जब तक संसार है
अपने बयान से चर्चा में आए मंत्री जोराराम कुमावत

बाड़मेर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। वर्तमान राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर जिला प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने विकास कार्यों की प्रगति पर मीडिया से चर्चा की। इस दौरान मीडियाकर्मियों ने सड़क, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य मुद्दों को लेकर सवाल किए।

सवालों के जवाब में मंत्री ने विकास कार्यों की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि समस्याएं हमेशा रहेंगी, लेकिन सरकार प्रयासरत है। उन्होंने कहा समस्या तो हर घर में होती है, जब तक संसार है, समस्याएं रहेंगी। जितना संभव हो रहा है, उतना किया जा रहा है। अगर कुछ अधूरा है तो हम उस पर काम कर रहे हैं।

जोराराम कुमावत ने कहा कि जिला अस्पताल में सीटी स्कैन मशीनें बाड़मेर अकेले के लिए नहीं, पूरे राजस्थान को उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए बजट में निधि आरक्षित है और फाइलें चालू हैं। बाड़मेर में सीटी स्कैन के लिए टेंडर किया था। टेंडर फर्म पात्र नहीं थी, इसलिए अब नया टेंडर निकाल दिया गया है। मंत्री ने कहा कि किसी को सीधे मशीन खरीदने का अधिकार नहीं है।

सड़कों के लिए 20 करोड़ स्वीकृत

सड़कों पर पूछे गए सवाल पर मंत्री ने कहा कि जिले की सड़कों के लिए 20 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 75 प्रतिशत टेंडर पूरे हो चुके हैं, जबकि एक टेंडर प्रक्रियाधीन है। विकास कार्य चल रहे हैं, इसलिए सड़कें टूटती हैं। इसका मतलब यह नहीं कि काम रुका है।

मेडिकल कॉलेज घोटाले की जांच जारी है

नए अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के निरीक्षण से जुड़े सवाल पर मंत्री ने कहा कि कार्य प्रगति पर है और अधिकारियों को विजिट के लिए कहा जाता है। मेडिकल कॉलेज में हुए घोटाले पर उन्होंने कहा कि जांच चल रही है और दोषी पाए जाने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

भ्रष्टाचार और चोरी के मामलों में सख्ती

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार और चोरी के मामलों में सख्त है। सरकार ने अभियोजन स्वीकृतियां प्रदान की हैं, जो पिछली सरकार नहीं कर सकी थी। पूर्ववर्ती सरकार दोषियों को बचाने की कोशिश करती थी, लेकिन वर्तमान सरकार सभी मामलों में सख्ती के साथ कार्रवाई कर रही है। बाड़मेर और शिव क्षेत्र में विकास कार्य पारदर्शिता के साथ हो रहे हैं, और किसी प्रकार का पक्षपात नहीं किया जा रहा है।

अलवर मिनी सचिवालय को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, तमिलनाडु से आया मेल

सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

अलवर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर स्थित मिनी सचिवालय को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी ई-मेल के जरिए भेजी गई है, जो इस बार भी तमिलनाडु से ही भेजी गई बताई जा रही है। इससे पहले भी मिनी सचिवालय को दो बार इसी तरह की धमकी मिल चुकी है और दोनों ही बार मेल तमिलनाडु से आया था।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ये धमकी भरे मेल किसने भेजे हैं। पुलिस की तमाम कोशिशों के बावजूद अब तक भेजने वाले का पता नहीं चल सका है। सबसे अहम बात यह है कि तीनों धमकी भरे मेल जिला कलेक्टर की आधिकारिक ई-मेल

आईडी पर ही भेजे गए हैं। इस बार भेजे गए मेल में तमिल और पाकिस्तानियों के बदले की बात लिखी गई है। मेल में यह भी लिखा गया है कि जल्द ही अलवर कलेक्टर कार्यालय में धमाका होगा। धमकी की सूचना मिलते ही अलवर पुलिस ने मिनी सचिवालय परिसर में सघन सर्च अभियान चलाया।

इसी दौरान एडीजी क्राइम विशाल बंसल ने क्राइम मीटिंग भी ली और धमकी को लेकर पूरी जानकारी प्राप्त करते हुए पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिस समय यह धमकी मिली, उस वक्त जिला पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारी मिनी सचिवालय परिसर में ही मौजूद थे। धमकी के बाद तत्काल पूरे मिनी सचिवालय को खाली कराया गया और हर हिस्से में बारीकी से जांच की गई। हालांकि, सर्च अभियान के दौरान पूरे सचिवालय परिसर में कोई विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर बीना महावर ने बताया कि पिछली बार मिले धमकी भरे मेल के संबंध में पहले ही संबंधित पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया जा चुका है और पुलिस लगातार जांच कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इन सभी मेल में जिन तथ्यों का जिक्र किया गया है, उनका राजस्थान या अलवर से कोई सीधा संबंध नहीं है, फिर भी सुरक्षा के मद्देनजर मिनी सचिवालय के सभी कर्मचारियों को सतर्क कर दिया गया है।

सरकार के वादों पर जूली ने दी सीएम को डिबेट की चुनौती

बोले-दिन, जगह वो तय करें मैं आने को तैयार

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार अपने कार्यकाल के 2 साल पूरे होने का जश्न मना रही है। दो वर्षों में किए कामों को लेकर हर जिलें में प्रचार रथ भेजे गए हैं। वहीं कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रेस कान्फ्रेंस कर सरकार को चुनौती दी है कि सरकार जो वादे पूरे करने का दावा कर रही है उस पर मैं सीएम भजनलाल शर्मा से डिबेट करने के लिए तैयार हूं। जूली ने भजनलाल सरकार के दो साल के कार्यकाल को पूरी तरह विफल बताते हुए सरकार के "72% वादे पूरे" के दावे को प्रदेश की जनता के साथ "72% का धोखा" करार दिया। उन्होंने कहा कि दो साल में सरकार ने एक भी प्रेस कान्फ्रेंस नहीं की, यह दिखाने के लिए काफी है कि सरकार मीडिया और जनता के प्रति कितनी गंभीर है।

नेता प्रतिपक्ष ने संकल्प पत्र के वादों की हकीकत सामने रखते हुए कहा कि किसान सम्मान निधि में 12,000 रुपए के वादे के बावजूद

किसानों को केवल 9,000 रुपए दिए गए, जो सीधी वादाखिलाफी है। जल जीवन मिशन के तहत 2025 तक हर घर जल का लक्ष्य विफल हो चुका है और 34 लाख घर आज भी प्यासे हैं। एमएसपी पर मूंग, उड़द और मूंगफली की खरीद के वादे पूरे नहीं हुए, किसान टोकन के लिए भटक रहे हैं, जबकि गेहूं और बाजरे की एमएसपी का वादा भी अधूरा है। पारदर्शी स्थानांतरण नीति के नाम पर प्रदेश में "तबादला उद्योग" चल रहा है और करीब 8 लाख कर्मचारी ठगे गए हैं। स्कूल ड्रेस योजना में 1200 रुपए के वादे के मुकाबले 600 रुपए ही दिए जा रहे हैं और उसमें भी गरीब वर्गों के साथ भेदभाव किया गया है।

उन्होंने कहा कि पशुधन बीमा योजना वेंटिलेटर पर है, पंजीकरण 80 लाख से घटकर 20 लाख रह गया है और 90 प्रतिशत से अधिक दावे खारिज किए जा रहे हैं। सरकारी नौकरियों के मामले में शिक्षा विभाग में ही 1.25 लाख पद खाली पड़े हैं। आरआईटी/आरआईएमएस जैसे संस्थानों को लेकर केवल नाम बदलने का काम हुआ है, एक भी नया संस्थान नहीं खुला। जमीन नीलामी रोकने के लिए कोई कानून नहीं लाया गया और पेट्रोल-डीजल पर वैट घटाने का वादा भी पूरा नहीं हुआ।

आर्थिक हालात पर हमला बोलते हुए जूली ने कहा कि सरकार "कर्ज लो और घी पियो" की नीति पर चल रही है और दो साल में 1.55 लाख करोड़ रुपये का कर्ज बढ़ा दिया गया है। विकास कार्यों की तुलना में ब्याज भुगतान पर ज्यादा खर्च हो रहा है, जिससे प्रदेश का विकास ठप पड़ा है।

पाकिस्तान से उड़कर पहुंचा संदिग्ध गुब्बारा

चांद-तारे का निशान और पीआईए लिखा 'एरोप्लेन' मिलने से हड़कंप

श्रीगंगानगर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पाकिस्तानी सीमावर्ती जिले श्रीगंगानगर में पदमपुर उपखंड क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक ढाणी के पास संदिग्ध गुब्बारा मिलने की सूचना सामने आई। मामला घमुड़वाली थाना क्षेत्र के 30 एलएनपी इलाके का है, जहां खेत के पास यह गुब्बारा दिखाई दिया। इसे देख खेत में काम कर रहे किसान ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

जानकारी मिलते ही घमुड़वाली थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को सतर्कता के साथ जांच के दायरे में लिया। पुलिस ने आसपास के इलाके को सुरक्षित करते हुए प्राथमिक जांच शुरू की। प्रारंभिक तौर पर गुब्बारे को संदिग्ध मानते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, बरामद गुब्बारा सफेद और हरे रंग का है और उसका आकार ऐरोप्लेन जैसा बताया जा रहा है। गुब्बारे पर चांद और तारे के निशान बने हुए हैं। साथ ही उस पर उर्दू भाषा में 'पीआईए' लिखा हुआ पाया गया है, जिसे लेकर पुलिस गंभीरता से जांच कर रही है।

मौके पर पहुंचे एएसआई श्योपत सिंह ने बताया कि किसान की सूचना पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। सुरक्षा के मद्देनजर किसी भी तरह का जोखिम न लेते हुए गुब्बारे को कब्जे में ले लिया गया है। फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी, इसलिए संबंधित एजेंसियों से भी समन्वय किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि गुब्बारा कहां से आया और इसके पीछे क्या उद्देश्य हो सकता है।

झुंझुनूं में गैंगवार : फायरिंग में हिस्ट्रीशीटर सहित दो की मौत, ग्रामीणों ने दो बदमाशों को पकड़कर पीटा

झुंझुनू, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले में खिरोड़ की कैमरी की ढाणी में शुक्रवार सुबह हुई गैंगवार में दो बदमाशों की मौत हो गई। मरने वालों में ढाका की ढाणी निवासी सुनील सुंडा और सीकर के राणोली थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर कृष्णकांत उर्फ गोलू स्वामी शामिल है। पुलिस के अनुसार वारदात आपसी रंजिश में हुई।

कार में बैठे हिस्ट्रीशीटर पर फायरिंग, साथी सुनील की मौत

घटना के समय गोठड़ा थाने का हिस्ट्रीशीटर रविंद्र कटेवा, कैमरी की ढाणी स्थित अपने घर के बाहर कार में बैठा था। उसके साथ कार में सुनील सुंडा भी मौजूद था। तभी बिना नंबर की कार में सवार होकर चार बदमाश वहां आए और रविंद्र पर फायर कर दिया। रविंद्र झुककर किसी तरह बच गया, लेकिन हमलावर भागने लगे। भागते बदमाशों की गाड़ी का स्टीयरिंग सुनील ने पकड़ लिया, इसी दौरान बदमाशों ने उस पर फायर कर दिया और मौके से भाग निकले। सुंडा की अस्पताल ले जाते वक्त मौत हो गई। फायरिंग के बाद बदमाशों की कार करीब दो किलोमीटर आगे कच्चे रास्ते में फंस गई। वहां से तीन बदमाश पैदल ही एक तरफ भागे। ग्रामीणों और रविंद्र कटेवा के साथियों ने पीछा किया और रणवां की ढाणी के एक खेत में उन्हें घेर लिया। इनमें से दो बदमाश पिंटू पुत्र रामलाल मेघवाल निवासी भींचरी (सीकर) और राजू सिंह पुत्र अंशू सिंह निवासी अठवास (सीकर) को ग्रामीणों ने पकड़कर पिटाई की और पुलिस के हवाले कर दिया। तीसरे बदमाश हिस्ट्रीशीटर कृष्णकांत उर्फ गोलू स्वामी का शव पुलिस को खेत में पड़ा मिला। उसके सिर में गोली लगी हुई थी। उसने खुद को गोली मारी या गैंगवार में उसको गोली लगी, इसकी पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस ने ग्रामीणों द्वारा पकड़े गए दोनों बदमाशों का नवलगढ़ जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार करवाया, जहां से उन्हें सीकर रेफर कर दिया। दोनों का सीकर में इलाज चल रहा है। वहीं चौथा बदमाश फरार हो गया।

पुलिस ने रविंद्र कटेवा के घर के सामने से उसकी एसयूवी कार और फायरिंग करके भागे बदमाशों की कच्चे रास्ते में फंसी कार को जब्त कर लिया।

घटना की सूचना के बाद गोठड़ा, नवलगढ़ व गुढ़ागौड़जी पुलिस मौके पर पहुंची। नवलगढ़ पुलिस उप अधीक्षक महावीर सिंह, एएसपी देवेंद्र सिंह राजावत और बाद में पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय भी घटनास्थल पर पहुंचे और निरीक्षण किया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव नवलगढ़ और सीकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए। दिनभर पुलिस टीमें मामले की कड़ियां जोड़ती और बदमाशों के नेटवर्क की जांच में जुटी रहीं।

पुलिस ने 12.21 करोड़ के अवैध मादक पदार्थ जलाए

जांच में लापरवाही पर एसएचओ लाइन हाजिर

कोटा, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने अब तक जब्त किए गए अवैध मादक पदार्थों को आग के हवाले कर दिया। इन मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत 12 करोड़ 21 लाख 94 हजार 800 रुपये बताई गई है। यह नशे की खेप कोटा पुलिस ने करीब दो वर्षों से सुरक्षित रखी हुई थी।

अवैध मादक पदार्थों को नष्ट करने की कार्रवाई जगपुरा चौकी, थाना रानपुर में आबकारी विभाग के दो स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में की गई। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि कोटा शहर के विभिन्न थानों में दर्ज एनडीपीएस एक्ट की धारा 52-ए के तहत 212 मामलों में जब्त कुल 2595.471 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थों को नष्ट किया गया। यह मादक पदार्थ वर्ष 2024 से 2025 के बीच दादाबाड़ी, महावीर नगर, रानपुर सहित अन्य थानों द्वारा जब्त किए गए थे।

नष्ट किए गए मादक पदार्थों में 2291 किलो 825 ग्राम डोडाचूरा, 291 किलो 716 ग्राम गांजा, 8 किलो 405 ग्राम चरस, 270 ग्राम एमडी और 3 किलो 255 ग्राम स्मैक शामिल हैं। इन सभी मामलों के जब्त माल का भौतिक सत्यापन जिला स्तरीय औषधि व्ययन समिति द्वारा किया गया, जिसके बाद सिटी एसपी की अध्यक्षता में इन्हें नष्ट करने की अनुमति दी गई।

इसी बीच रानपुर थाने की एसएचओ बृजबाला को लापरवाही बरतने के आरोप में शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने लाइन हाजिर कर दिया है। बृजबाला ने करीब 14 दिन पहले ही रानपुर थाने का चार्ज संभाला था। उनके खिलाफ यह कार्रवाई एक शिकायत के बाद की गई है।

रेत के धोरों में 'लड़कियां' बनकर छोरे कर रहे नाच गाना

देर रात तक छलक रहे जाम

जैसलमेर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। जैसलमेर के धोरों में युवतियों से ज्यादा ट्रांसजेंडरों का दखल बढ़ने लगा है। जैसलमेर के पारंपरिक नृत्य में ट्रांसजेंडर युवती बनकर डांस कर रहे हैं। राजस्थान के सैकड़ों लोग हर साल जयपुर, जोधपुर और उदयपुर में सरकारी योजना के तहत लिंग परिवर्तन कराकर (लड़की बनकर) नाइट क्लबों, धोरों और मुंबई के बार में अश्लील डांस कर कमाई कर रहे हैं। चूंकि ये दिल दिमाग से पुरुष होते हैं, इसलिए ये डांस के दौरान हदें पार कर जाते हैं।

गलतफहमी में लोग युवती समझ इन पर खूब नोट बरसाते हैं। इन दिनों देशभर के लोग जैसलमेर पहुंच रहे हैं। पहले यहां सांस्कृतिक नृत्य की झलक दिखाई देती थी। लेकिन अब यहां यूरोपियन संस्कृति हावी होती दिख रही है। ट्रांसजेंडर लड़कियां बनकर सांस्कृतिक नृत्य के नाम पर अश्लील डांस और इशारे करते हैं। नशे में धुत कुछ दर्शक इसे प्रस्ताव समझ गलत हरकत कर बैठते हैं। इसका सीधा असर धोरों की पारंपरिक और सांस्कृतिक विरासत पर पड़ रहा है। खास बात यह है कि जेंडर चेंज करवाने वाले ये युवक अब इतने निपुण और आकर्षक अंदाज में डांस करते हैं कि उन्हें पहचानना मुश्किल है कि वे ट्रांसजेंडर हैं या युवती।

सारे ट्रांसजेंडर्स एक जैसे नहीं: खान

गुणसार लोक संगीत संस्थान के डायरेक्टर बक्श खान ने बताया कि हमारी कालबेलिया और मरु संस्कृति में ऐसा कुछ नहीं है। यह परंपरा नहीं, फूहड़ता है। मेरी जानकारी में एक दर्जन से ज्यादा ट्रांसजेंडर ऐसे शो कर रहे हैं। हालांकि सभी को गलत नहीं कहा जा सकता। कुछ कलाकार अपनी मेहनत और हुनर के दम पर सम्मानजनक तरीके से काम भी कर रहे हैं। लेकिन कुछ लोग इस कला को गलत दिशा में ले जा रहे हैं।

जेंडर परिवर्तन सर्जरी सस्ती नहीं होती है। डॉक्टर नकुल सोमानी के अनुसार पूरे प्रोसेस में करीब पांच लाख रुपए तक का खर्च आता है। हालांकि सरकार की स्कीम के तहत मरीजों को आर्थिक सहायता दी जाती है। योजना के अनुसार ब्रेस्ट सर्जरी पर 1.20 लाख रुपए तक की सहायता, लिंग परिवर्तन सर्जरी में 1.30 लाख रुपए की मदद मिलती है।

धोरों में न्यू ईयर पर होगी भारी भीड़

न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए जैसलमेर में भारी संख्या में टूरिस्ट आते हैं। इस दौरान धोरों में भारी भीड़ होती है। इस बार भी भारी संख्या में टूरिस्ट जैसलमेर पहुंचेंगे। सोशल मीडिया पर जैसलमेर को लेकर जिस तरह से परोसा जा रहा है। ऐसे में टूरिस्टों की संख्या ज्यादा दिखाई देगी।

संस्कृति से मजाक का हक किसी को नहीं

परंपरा की आड़ में इन रिसॉर्ट्स में अश्लीलता परोसे जाने के आरोप लग रहे हैं। कई वीडियो में देखा गया कि कलाकार लड़कियों जैसे परिधान में स्टेज पर नाचते हुए विदेशी और भारतीय टूरिस्टों को हाथों से शराब पिला रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह सब जैसलमेर की समृद्ध संस्कृति और लोक परंपरा का मजाक उड़ाने जैसा है, जो उचित नहीं है।

कुछ शिकायतें आई थी, जिनके आधार पर संबंधित रिसॉर्ट प्रबंधन और संबंधित लोगों को हिदायत दी गई है। अगर कोई भी स्थानीय संस्कृति को धूमिल करेगा तो उसके खिलाफ सख्ती होगी। रिसॉर्ट में अगर बिना लाइसेंस शराब परोसी जा रही है तो पुलिस और आबकारी विभाग कार्रवाई करेंगे।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसा, पिकअप सवार 3 लोग जिंदा जले

अलवर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बुधवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में पिकअप सवार तीन लोग जिंदा जल गए। वहीं, चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही रैणी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से गंभीर हालत में जयपुर रैफर कर दिया।

पुलिस के मुताबिक हादसा बुधवार तड़के करीब 3 बजे दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेस-वे पर चैनल नंबर 131.5 के पास हुआ। दिल्ली से जयपुर जा रही एक पिकअप दूसरे वाहन से टकरा गई, जिससे पिकअप में आग लग गई। हादसे में पिकअप में सवार तीन लोगों की जिंदा जलकर मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

मृतकों की हुई पहचान

मृतकों की पहचान मोहित निवासी बहादुरगढ़ (हरियाणा), दीपेंद्र निवासी सागर (मध्यप्रदेश) और पदम निवासी सागर (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है। हादसे में घायल चालक की पहचान हन्नी निवासी झज्जर (हरियाणा) के रूप में हुई है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में जयपुर रैफर किया गया।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

सूचना मिलते ही रैणी पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को रैणी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पिकअप वाहन के नंबरों से जानकारी मिलने पर वाहन झज्जर (हरियाणा) का पाया गया, जिसके बाद पुलिस ने मृतकों के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

एशिया की सबसे बड़ी एथेनॉल फैक्ट्री के विरोध में किसानों की महापंचायत, टिब्बी छावनी में तब्दील; ड्रोन से निगरानी

हनुमानगढ़, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ में लग रही एशिया की सबसे बड़ी एथेनॉल फैक्ट्री बंद करने की छिड़ी जंग के बीच बुधवार को जंक्शन मंडी परिसर में किसानों की महापंचायत की घोषणा की गई है। इसे देखते हुए विरोध का मंच तैयार हो गया है। विभिन्न संगठनों के किसान नेता हनुमानगढ़ पहुंचने लगे हैं। किसान नेताओं ने प्रशासन को चेताया है कि जब तक एथेनॉल फैक्ट्री बंद करने का स्थाई आदेश जारी नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

किसान नेताओं ने कहा कि एथेनॉल फैक्ट्री लगने पर क्षेत्र में प्रदूषण बढ़ेगा। लोगों को पीने के लिए साफ पानी भी नहीं मिलेगा। वायु और भूमि प्रदूषण फैलने की आशंका को देखते हुए सभी ने एक स्वर में फैक्ट्री निर्माण को स्थाई तौर पर रोकने की मांग की है। ताकि क्षेत्र की नस्ल और फसल दोनों को सुरक्षित किया जा सके।

वहीं, जिला प्रशासन ने कलक्ट्रेट से लेकर मंडी में सभा स्थल तक लाउडस्पीकर लगाए हैं। ताकि प्रशासन किसानों तक अपनी बात सीधे तौर पर पहुंचा सके। करीब पंद्रह सौ पुलिस जवानों का जाब्ता सभा व कलक्ट्रेट के आसपास तैनात किया गया। दस कार्यपालक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की गई है। साथ ही ड्रोन से निगरानी की जा रही है। जिला मुख्यालय पर बुधवार को भी नेटबंदी और निषेधाज्ञा लागू रही। तीन से अधिक ट्रैक्टर एक साथ रखने को लेकर पाबंदी रही।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में शिकारियों की दस्तक, भीमलत के जंगल में फंदे में फंसा तेंदुआ

बूँदी, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के बफर जोन में शिकारियों की गतिविधियां सामने आने से वन्यजीवों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। भीमलत बांध के पास काला कुआ क्षेत्र में एक युवा नर तेंदुआ अज्ञात लोगों द्वारा जंगल में लगाए गए फंदे में फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गया। गनीमत रही कि समय रहते घटना की जानकारी मिल गई, जिससे तेंदुए की जान बचाई जा सकी। क्षेत्र में मौजूद एक पुलिसकर्मी को ग्रामीणों ने तेंदुए के फंदे में फंसे होने की सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। देर शाम करीब 9 बजे कोटा से पहुंचे रेस्क्यू दल ने तेंदुए को ट्रेंकुलाइज कर सुरक्षित बाहर निकाला। घायल पैंथर को उपचार के लिए कोटा चिड़ियाघर भेजा गया है, जहां उसका इलाज जारी है। इस घटना से रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के जंगलों में शिकारियों के सक्रिय होने का मामला उजागर हुआ है। इससे इस क्षेत्र में अपना टेरिटरी बनाने के लिए विचरण कर रही बाघिन की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।

सरकारी नौकरी पाने के लिए किया फर्जीवाड़ा

पुलिस ने 3 अरोपियों को पकड़ा, अब जाना पड़ेगा जेल

जयपुर, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकारी नौकरी पाने के लिए फर्जीवाड़ा करने वालों के खिलाफ पुलिस का एक्शन जारी है। एक तरफ एसओजी लगातार कार्रवाई कर रही है, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय पुलिस सभी परीक्षाओं पर निगरानी रख रही है। हाल में आयोजित रेलवे ग्रुप डी की भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़े की कोशिश की गई। एक अभ्यर्थी ने अपने स्थान पर डमी अभ्यर्थी बैठाने की कोशिश की। एग्जाम सेंटर पर बायोमेट्रिक मिलान नहीं होने पर यह फर्जीवाड़ा पकड़ा गया। पुलिस ने अब डमी अभ्यर्थी और इस गिरोह के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया है।

जयपुर के सीतापुरा स्थित एक परीक्षा केंद्र में रेलवे ग्रुप डी भर्ती परीक्षा के दौरान एक अभ्यर्थी की बायोमेट्रिक जांच में चेहरा मेल नहीं खाया। चेहरा मेल नहीं होने पर परीक्षा केंद्र संचालकों ने छात्र को पकड़ा और पुलिस को सूचना दी। सांगानेर सदर पुलिस मौके पर पहुंची और अभ्यर्थी को हिरासत में लिया। थाने ले जाकर पूछताछ करने पर उसने स्वीकार किया कि वह किसी अन्य अभ्यर्थी के स्थान पर एग्जाम देने आया था। आरोपी ने बताया कि डमी अभ्यर्थियों का एक गिरोह है, जिसे बिहार का एक युवक संचालित करता है। डीसीपी साउथ राजर्षि राज ने बताया कि डमी अभ्यर्थी बनने वाले छात्र का नाम ऋषभ रंजन है। ऋषभ बिहार के मुंगेर का रहने वाला है। वह अभिषेक मीना नामक अभ्यर्थी के स्थान पर एग्जाम देने आया था। ऋषभ से हुई पूछताछ के बाद मास्टरमाइंड गौतम कुमार उर्फ गोटी को गिरफ्तार किया गया है।

टर्मरिक वैल्यू चेन समिट-2025 में कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव का आह्वान

हल्दी किसानों के कल्याण के लिए समर्पित नीति और ठोस कार्रवाई ज़रूरी

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश में उत्पादित हल्दी (पसुपु) को वैश्विक बाज़ार में प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए समन्वित और दीर्घकालिक प्रयासों की आवश्यकता है। यह बात तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कही। वे यहां सीआईआई तेलंगाना और नेशनल टर्मरिक बोर्ड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित टर्मरिक वैल्यू चेन समिट-2025 को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री ने कहा कि हाल ही में राज्य सरकार द्वारा आयोजित तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट में एग्री विजन 2047 की घोषणा की गई है, जिसमें कृषि को केवल कल्याणकारी क्षेत्र नहीं, बल्कि राज्य की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख इंजन माना गया है। इस विज़न में हल्दी की भी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि हल्दी कोई नई फसल नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और परंपराओं का हिस्सा है। आज इसका उपयोग केवल रसोई तक सीमित न रहकर दवाइयों, न्यूट्रास्यूटिकल्स और फंक्शनल फूड्स जैसे क्षेत्रों में तेज़ी से बढ़ रहा है। मंत्री तुम्मला ने कहा कि हल्दी उत्पादन में भारत विश्व में अग्रणी है और तेलंगाना, विशेषकर निजामाबाद और आर्मूर क्षेत्र, इसकी पहचान हैं। आर्मूर हल्दी को जीआई टैग मिलना राज्य के किसानों के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने केंद्र सरकार से हल्दी किसानों के कल्याण के लिए विशेष पहल करने की मांग की। नेशनल टर्मरिक बोर्ड के गठन का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि यह बोर्ड केवल कार्यालय तक सीमित न रहकर किसानों को नीति दिशा देने, अनुसंधान को खेतों तक पहुंचाने, तथा मार्केटिंग, ब्रांडिंग और निर्यात में नेतृत्व की भूमिका निभाए। उन्होंने किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी बोर्ड को लेने की आवश्यकता बताई। मंत्री ने कहा कि एक क्विंटल हल्दी उत्पादन की लागत 8,000 से 9,000 रुपये तक आती है, जबकि बाज़ार मूल्य लगभग 12,000 रुपये के आसपास ही रहता है, जिससे किसान हतोत्साहित हो रहे हैं। उन्होंने मूल्य स्थिरता, पारदर्शी बाज़ार व्यवस्था, समान नमी मानक और आधुनिक मॉइस्चर मीटर लागू करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने उच्च कर्क्यूमिन वाली किस्मों के प्रचार, गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पादन की आवश्यकता बताई। साथ ही, एकीकृत खेती मॉडल में हल्दी को शामिल कर ऑयल पाम जैसी फसलों के बीच अंतरफसल के रूप में उगाने का सुझाव दिया, जिससे किसानों की आय बढ़ सकती है। मंत्री ने किसानों से केवल कच्ची हल्दी बेचने के बजाय मूल्य संवर्धन पर ध्यान देने का आह्वान किया। हल्दी प्रोसेसिंग सेंटर, न्यूट्रास्यूटिकल्स, इम्युनिटी प्रोडक्ट्स, कॉस्मेटिक्स और कर्क्यूमिन एक्सट्रैक्शन जैसे क्षेत्रों में अवसरों का उपयोग करने से मांग और आय दोनों बढ़ेंगी। इस अवसर पर नेशनल टर्मरिक बोर्ड के चेयरमैन पल्ले गंगारेड्डी, कृषि सचिव सुरेन्द्र मोहन, बोर्ड सचिव भवानी श्री, सीआईआई तेलंगाना चेयरमैन शिव प्रसाद रेड्डी, पूर्व वीसी प्रो. प्रवीन राव सहित कई अधिकारी, विशेषज्ञ और किसान प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कोहरा बना चौथे टी20 मैच का विलेन

टॉस के बिना रद्द हुआ मैच; भारत 2-1 से सीरीज में आगे

लखनऊ, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाने वाला चौथा टी20 मैच बुधवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में बिना टॉस के ही रद्द कर दिया गया। घने कोहरे के चलते दृश्यता बेहद खराब रही, जिससे खेल कराना संभव नहीं हो सका।

भारत फिलहाल इस सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा है। आखिरी मुकाबला 19 दिसंबर को अहमदाबाद में खेला जाएगा, जिसमें जीत दर्ज कर सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम की नजरें सीरीज अपने नाम करने पर होंगी।

मैच के रद्द होने के बाद एक बार फिर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की टूर और फिक्सचर कमेटी सवालों के घेरे में आ गई है। खास तौर पर सर्दियों के मौसम में उत्तर और पूर्वी भारत में डे-नाइट मुकाबले कराने के फैसले पर आलोचना तेज हो गई है। लखनऊ में इस समय साल के दौरान दिन-रात मैच तय करना पहले से अनुमानित कोहरे की समस्या के कारण विवादों में आ गया है।

एनएमसी ने मेडिकल पर्चों की निगरानी के लिए समिति गठन का निर्देश दिया

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने मेडिकल कॉलेजों को निर्देश दिया है कि वे डॉक्टरों के पर्चों को सुपाठ्य और विनियमित बनाने के लिए एक विशेष समिति गठित करें।

कदम दवा लिखने की पद्धतियों की निगरानी और एमबीबीएस पाठ्यक्रम में चिकित्सीय पर्चों में सुपाठ्य और स्पष्ट लिखावट का महत्व विषय को शामिल करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एनएमसी के पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड (पीजीएमईबी) ने राज्य के स्वास्थ्य प्रधान सचिवों को पत्र लिखकर कहा कि प्रत्येक मेडिकल कॉलेज को औषधि एवं चिकित्सा समिति (डीटीसी) के अंतर्गत एक समर्पित उप-समिति स्थापित करनी होगी। यह समिति नुस्खों की निगरानी करेगी और वैधानिक, नियामक तथा नैतिक मानकों के पालन को सुनिश्चित करेगी।

समिति को नुस्खों के पैटर्न का मूल्यांकन, बार-बार समीक्षा और सुधारात्मक उपाय सुझाने के लिए व्यवस्थित योजनाएं बनानी होंगी। चिकित्सकों को निर्देश दिया गया है कि वे दवाओं के जेनेरिक नाम स्पष्ट और अधिमानतः बड़े अक्षरों में लिखें। तेलंगाना मेडिकल काउंसिल के वरिष्ठ सदस्य और उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल के पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. एम. राजीव ने एनएमसी के इस कदम का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक पर्चे पर डॉक्टर का नाम, योग्यता और मेडिकल काउंसिल पंजीकरण संख्या दिखाना अनिवार्य होना चाहिए। इससे पारदर्शिता, जवाबदेही और चिकित्सा-कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित होती है। डॉ. राजीव ने बताया कि ऐसी प्रथा चिकित्सकों को जिम्मेदार बनाती है, खुराक, अवधि और उपयोग संबंधी त्रुटियों को कम करती है, जीवन-घातक दवा प्रतिक्रियाओं को रोकती है और भविष्य के उपचारों के लिए महत्वपूर्ण चिकित्सा रिकॉर्ड के रूप में काम करती है।

त्योहारी सीजन में साइबर धोखाधड़ी से सतर्क रहने की पुलिस सलाह

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्रिसमस और नए साल के उत्सवों के नजदीक, हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से सतर्क रहने की चेतावनी दी है। पुलिस ने बताया कि त्योहारी मौसम में ऑनलाइन खरीदारी, यात्रा बुकिंग और इवेंट प्लानिंग में वृद्धि का फायदा साइबर जालसाज उठाते हैं। वे फर्जी लॉटरी, उपहार प्रस्ताव, हॉलिडे पैकेज, पार्टी पास, होटल बुकिंग और रिफंड संदेशों के माध्यम से लोगों को फंसाते हैं।

विशेषकर नए साल के नकली इवेंट पास, फर्जी यात्रा और रिसॉर्ट बुकिंग, धोखाधड़ी वाली कैब और किराये की सेवाएं, फर्जी चैरिटी अपील और मौसमी नौकरी के प्रस्ताव आम हैं। पुलिस ने लोगों से कहा है कि वे अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें और ओटीपी, पिन, सीवीवी या बैंक विवरण जैसी संवेदनशील जानकारी साझा न करें। केवल आधिकारिक वेबसाइटों और विश्वसनीय माध्यमों से ही बुकिंग और ऑफ़र की पुष्टि करें। इसके अलावा, अज्ञात क्यूआर कोड स्कैन करने या संदिग्ध यूपीआई अनुरोध मंजूर करने से बचें और महत्वपूर्ण खातों पर दो-कारक प्रमाणीकरण सक्रिय रखें। परिवारों को वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं के साथ साइबर सुरक्षा पर चर्चा करने और मोबाइल एप्लिकेशन को नियमित अपडेट करने की सलाह भी दी गई है।

प्रवासी बाघ की हलचल

मंचरियाल, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में महाराष्ट्र से आए दो प्रवासी बाघों की आवाजाही से दहशत का माहौल बना हुआ है। इनमें से एक बाघ जिले से निकलकर पड़ोसी पेद्दापल्ली जिले में चला गया, जबकि दूसरा बाघ जयपुर मंडल के वन क्षेत्रों में घूमता रहा। वन अधिकारियों के अनुसार, दोनों बाघ हाल ही में नासपुर मंडल के श्रीरामपुर गांव के पास सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड की भूमिगत और खुली कोयला खदानों के आसपास देखे गए थे।

मीसेवा व्हाट्सऐप/चैटबॉट प्लेटफॉर्म को जबरदस्त प्रतिक्रिया: मंत्री श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार द्वारा हाल ही में शुरू किए गए मीसेवा व्हाट्सऐप/चैटबॉट सेवा प्लेटफॉर्म को पूरे राज्य में तेजी से नागरिकों का समर्थन मिल रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने मंगलवार को कहा कि यह पहल नागरिक-केंद्रित डिजिटल शासन के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मीसेवा के अंतर्गत एक अतिरिक्त डिजिटल माध्यम के रूप में 18 नवंबर 2025 को शुरू किया गया यह व्हाट्सऐप/चैटबॉट प्लेटफॉर्म नागरिकों को घर बैठे जन्म प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, बिल पूछताछ, आवेदन की स्थिति की जानकारी तथा शिकायत निवारण जैसी आवश्यक सरकारी सेवाओं तक सीधी पहुंच प्रदान करता है। इसके लिए नागरिकों को अब मीसेवा केंद्रों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है। मंत्री ने बताया कि प्रारंभिक 22 दिनों (18 नवंबर से 9 दिसंबर 2025) के समेकित आंकड़ों से इस प्लेटफॉर्म के प्रति जनता की व्यापक भागीदारी सामने आई है। इस अवधि में प्लेटफॉर्म पर 2,09,084 अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कुल 2,78,267 सत्र दर्ज किए गए। इस दौरान कुल 75,655 फॉर्म सबमिशन हुए, जिनमें से 1,403 वास्तविक आवेदन थे, जबकि शेष उपयोगकर्ताओं द्वारा प्लेटफॉर्म को समझने और परीक्षण के उद्देश्य से किए गए प्रयास थे। वहीं, 45,829 बार आवेदन की स्थिति की जांच की गई और प्लेटफॉर्म की कुल सफलता दर 81.3 प्रतिशत दर्ज की गई। इलेक्ट्रॉनिक सर्विस डिलीवरी (ईएसडी) डिवीजन के अनुसार, इस प्लेटफॉर्म पर सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली सेवाओं में जन्म प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, पुलिस चालान और बिजली बिल से जुड़ी सेवाएं शामिल हैं। इससे स्पष्ट होता है कि आम नागरिक रोजमर्रा की सरकारी सेवाओं के लिए व्हाट्सऐप को एक सुविधाजनक माध्यम के रूप में तेजी से अपना रहे हैं। आईटी मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि व्हाट्सऐप/चैटबॉट प्लेटफॉर्म को मिल रही मजबूत शुरुआत मीसेवा को राज्य की प्रमुख डिजिटल सेवा वितरण प्रणाली और सरकार व नागरिकों के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में स्थापित करती है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार डिजिटल सेवा चैनलों का और विस्तार करेगी, प्रणाली की विश्वसनीयता को मजबूत करेगी और सभी मीसेवा प्लेटफॉर्म पर नागरिकों को सहज, सुलभ और निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराएगी।

हार के डर से आत्महत्या का प्रयास

कुमरमभीम आसिफाबाद। बीआरएस पार्टी के राज्यसभा सदस्य प्रवीण कुमार द्वारा समर्थित बोम्मेरा राजन्ना कागजनगर मंडल के पेदारसपल्ली गांव से सरपंच पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। बुधवार को उन्होंने जहरीली दवा खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। उन्हें डर था कि उनके विरोधियों ने मतदाताओं को पैसे बांट दिए हैं और अगर उन्होंने पैसे नहीं बांटे तो वे हार जाएंगे। परिवार वालों ने उन्हें देखा और कागजनगर कस्बे के एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत गंभीर होने के कारण परिवार वालों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए मंचरियाल में स्थानांतरित कर दिया है।

पंचायत चुनाव के अंतिम चरण का मतदान

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत चुनावों के तीसरे और अंतिम चरण के लिए बुधवार सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हो गया। यह मतदान 31 जिलों में दोपहर 1 बजे तक चला। इस चरण में 3,752 ग्राम पंचायतों के लिए कड़ा मुकाबला हो रहा है और बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। इससे पहले हुए पहले और दूसरे चरण में 8,000 से अधिक ग्राम पंचायतों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। इन दोनों चरणों में सत्ताधारी कांग्रेस ने करीब 4,500 पंचायतों में जीत दर्ज की, जबकि विपक्षी बीआरएस ने लगभग 3,500 पंचायतों पर कब्जा जमाया।

तीसरे चरण में 3,752 सरपंच पदों के लिए 12,652 उम्मीदवार मैदान में हैं। वहीं 28,410 वार्ड सदस्य पदों के लिए 75,725 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। मतदान के लिए राज्य चुनाव आयोग ने 36,483 मतदान केंद्र बनाए हैं। राज्य चुनाव आयोग ने कुल 4,159 ग्राम पंचायतों के लिए अधिसूचना जारी की थी।

श्री दीवान साहब का बधावा कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिरमगुड़ा आईलापुर स्थित श्री आईमाताजी मंदिर (वडेर) में सीरवी समाज ट्रस्ट समाज बन्धुओं के तत्वावधान में मंगलवार 16 दिसम्बर श्री आईमाताजी की बैल धर्मगुरु दीवान श्री माधवसिंहजी का बधावा, रंगारंग गैर नृत्य व कलश शोभा यात्रा का कार्यक्रम भव्यरुप से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में सचिव मोहनलाल भायल ने बताया कि समाज बन्धुओं के सानिध्य मे पूजा-अर्चनाकर शाम 5.15 बजे साँची ज्योत, कलश शोभा यात्रा, रंगारंग गैर नृत्य के साथ धर्मरथ बैल एवं धर्मगुरु दीवान साहब का बधावा समाज के लाभार्थी परिवारो द्वारा आयोजित किया गया। दीवान साहब व धर्मरथ बैल का नज़राना श्रीफल भेंटकर कार्यक्रम मे पधारे समाज बन्धुओं व विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों का राजस्थानी परमपरा साफा, शॉल व माला से सम्मानकर, समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। धर्मगुरु दीवान साहब ने समाज बन्धुओं को बधावा कार्यक्रम की शुभकामनाँए देते हुए बताया कि समाज बन्धुओं के सहयोग से धार्मिक स्थल पर वडेर के लिए इतनी बड़ी ज़मीन लेना आईलापुर के लिए गर्व की बात है । वडेर प्रांगण मे समय-समय पर समाज बन्धुओं के लिए मेडिकल कैम्प, योगा क्लासेस लगाकर समाज बन्धुओं को संगठित होकर भाईचारे के साथ बच्चों में शिक्षा एवं संस्कार का ध्यान रखते हुए रहना चाहिए । रात्रि 9.15 बजे एक शाम आईमाता के नाम जागरण का आयोजन किया गया । जिसमे भैराराम सेणचा ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। मरुधरा की भूमि से विडियों कॉन्फरेन्स कर अध्यक्ष कन्हैयालाल बर्फा ने बधावा कार्यक्रम की समाज बन्धुओं को शुभकामनाँए दी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में उपाध्यक्ष राकेश चोयल, कुनाराम सोलंकी, सचिव मोहनलाल भायल, सहसचिव बाबुलाल मुलैवा, कोषाध्यक्ष मल्लाराम सोलंकी, पदाधिकारियों, एरिया मेम्बर, गैर मंडली, महिला मंडल एवं युवा कार्यकर्ताओं व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा । सचिव मोहनलाल भायल ने कार्यक्रम मे पधारे समाज बन्धुओं का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए बताया कि सभी के सहयोग से यह कार्यक्रम भव्यरुप से सफल हुआ। मंच का संचालन दीपाराम काग (गुड़िया) ने किया। महाआरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

सुप्रीम कोर्ट में पोलावरम-नल्लामाला सागर लिंक परियोजना को दी चुनौती

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ने आंध्र प्रदेश की पोलावरम-नल्लामाला सागर लिंक परियोजना (पीएनएलपी) को अवैध बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। तेलंगाना का कहना है कि इस योजना में गोदावरी नदी के 200 टीएमसी बाढ़ पानी को जबरदस्ती मोड़ने की कोशिश की जा रही है, जो अंतरराज्यीय नियमों और साझा नदी संपदा का उल्लंघन है। आंध्र प्रदेश का कदम अन्य ऊपरी राज्य महाराष्ट्र, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के लिए भी चिंता का विषय है।

पोलावरम योजना में लगभग पूरा हो चुका पोलावरम बांध और नल्लामाला पहाड़ियों के माध्यम से भारी मात्रा में पानी उठाने की योजना है। अधिकारियों का कहना है कि आंध्र प्रदेश जानबूझकर गोदावरी का पानी कृष्णा परियोजनाओं में मोड़ने से बच रहा है और 200 टीएमसी पानी को कृष्णा बेसिन से भी आगे ले जाने की तैयारी कर रहा है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने इस परियोजना को सैद्धांतिक मंजूरी देने से इनकार किया है।

तेलंगाना के सिंचाई अधिकारियों के अनुसार, विशेषज्ञ और नदी प्रबंधन बोर्डों ने आंध्र प्रदेश की योजना में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2014 का उल्लंघन पाया है।

तेलंगाना की याचिका में निर्माण, निविदा और वित्तपोषण पर रोक लगाने की मांग की गई है। इसके तहत आंध्र प्रदेश पर कृष्णा नदी में स्वीकृत 80 टीएमसी से अधिक पानी मोड़ने और पोलावरम बुनियादी ढांचे का अवैध विस्तार करने का आरोप है। कर्नाटक और महाराष्ट्र ने भी आपत्तियां दर्ज कराई हैं और चेतावनी दी है कि यदि आंध्र प्रदेश सफल होता है तो वे जवाबी परियोजनाएं शुरू करेंगे। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि इस मेगा-लिफ्ट परियोजना से ऊपरी राज्यों में जवाबी बांधों की श्रृंखला बन सकती है और यह पारिस्थितिक संकट और बढ़ा सकती है। तेलंगाना ने सुप्रीम कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप कर इस परियोजना को रोकने का आग्रह किया है।

केबीआर पार्क में गणेशजी की पूजा आरती में पधारे भक्तों में राजेंद्र कुमार अग्रवाल सुरेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदवा, संध्या रानी अग्रवाल, पद्मा किरण पुष्पा जैन, दीया अग्रवाल विनोद टिकमानी विजय कुमार अग्रवाल एडवोकेट विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले विजय कुमार थंबी पीसी जैन प्रवीण कुमार अग्रवाल अशोक लाखोटिया विजय कुमार अशोक अग्रवाल सरायवाला आदि।

सिरवी टेक्सटाईल्स का शुभारम्भ कार्यक्रम सम्पन्न

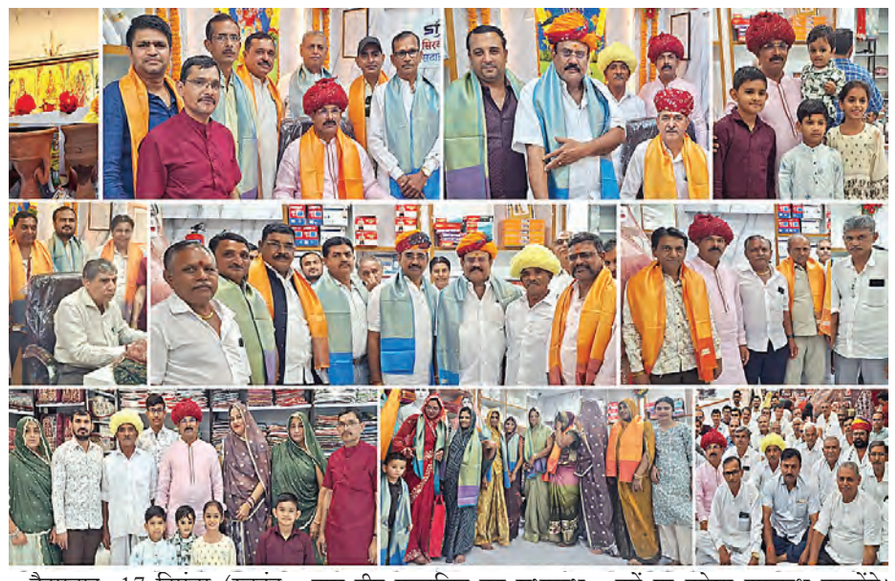

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रामगोपालपेट स्थित सिरवी टेक्सटाईल्स का शुभारम्भ कार्यक्रम बुधवार 17 दिसम्बर प्रात: वेला मे पूजा-अर्चना कर प्रबंधक दलाराम चोयल व सम्मानित अतिथियों के करकमलों द्वारा भव्यरुप से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में प्रबंधक घेवरचन्द चोयल ने बताया कि तेलंगाना के हृदय स्थल में बसे रामगोपालपेट में आधुनिक डिजाइन व राजस्थानी कपड़ों का भव्य शोरुम सिरवी टेक्सटाईल का शुभारम्भ किया गया।

बत्तौर मुख्यअतिथि सीरवी समाज अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग, सलाहकार चोलाराम हाम्बड़, बालाजीनगर सीरवी समाज अध्यक्ष जयराम पंवार, सचिव हिरालाल चोयल, भाजपा नेता सोहनसिंह राजपुरोहित, आईजी गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, प्रबंधक दलाराम, गमनाराम, खरताराम चोयल व सम्मानित ग्राहकों के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि, समाज के गणमान्य रमेश पंवार, रामलाल परिहार, अचलाराम हाम्बड़, राजाराम चोयल, रमेश चौधरी, वोराराम सीरवी, मंगलराम पंवार, भैराराम, भुराराम सैंणचा, कैलाश प्रजापत, पारस सीरवी, दिनेश सोलंकी, प्रकाश, कमलेश, योगेश गेहलोत, चेनाराम कुमावत, भगवान, गजेन्द्र पंवार, पत्रकार परबत सोलंकी व बहुत से सम्मानित ग्राहक उपस्थित रहे।

अल्पहार की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। प्रबंधक घेवरचन्द, प्रताप चोयल ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों व शुभचिंतक ग्राहकों का हृदय की गहराईयों से हार्दिक आभार प्रकट कर राजस्थानी परम्परा साफा व शॉल से विशेष सम्मान कर भरोसा दिलाया कि ग्राहकों की मांग एवं फैशन को मध्यनजर रखते हुए एक ही छत के नीचे फैंसी साड़ियाँ, शूटिंग-शर्टिंग, राजस्थानी सूट, पोशाक, ओड़णी, धोती-कुर्ता व अन्य आईटम होलसेल एवं रिटेल दरों पर हमेशा उपलब्ध करायेंगे। बत्तौर मुख्यअतिथि मोहनलाल हाम्बड़ व जयराम पंवार ने भव्य शोरुम के शुभारम्भ पर प्रबंधकों को शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीरवी टेक्सटाईल के दलाराम, घेवरचन्द, प्रताप, रमेश, रोशन, हितिन, मंगलाराम, दौलाराम, केवलचन्द, बाबुलाल, बुधाराम चोयल व सभी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। प्रबंधक घेवरचन्द चोयल के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

कांग्रेस का दबदबा रहा

मदनूर, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर आशीष सांगवान ने बुधवार को डोंगली मंडल के माधन हिप्पार्गा , मदनूर मंडल परिषद् प्राथमिक उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्थापित मतदान केंद्र का दौरा किया और अपने मताधिकार का प्रयोग करने आई एक बुजुर्ग महिला से बात की। मदनूर चुनाव अधिकारी ने बताया कि मदनूर मंडल %8 प्रतिशत मतदान हुआ मदनूर मंडल केंद्र में 8% प्रतिशत। चुनाव बाद संयुक्त मदनूर मंडल में मतगणना प्रारंभ किया गया। मदनूर मंडल गोजेगाव, भरत निर्दलीय, थंडी हिपरगा अश्विनी, कांग्रेस ,छोटा शक्करगा दिंगबर निर्दलीय,बड़ा शक्करगा विशालाक्षी कांग्रेस , केलूर गद्दी लक्ष्मण, बड़ा तड़गुड़ शांता बाई इरना कांग्रेस, अंतापुर पार्वती कांग्रेस, सोमुर संग्राम निर्दलीय, धनुर जयश्री देवकाते कांग्रेस, राचूर लोखंडे आकाश कांग्रेस,ऋषेगाव सुमन बीआरएस ,सुलतान पेट राजेश्वर गौड बी आर एस, मेनूर अशोक पाटील, बड़ा एकलारा महेश पाटील कांग्रेस, छोटा एकलारा गाजू माधवराव बी जे पी , शेखपुर तुकाराम निर्दलीय, , आंवलागव मीना बाई बी आर एस , कोड़चिरा तेजस्वी निर्दलीय,डोंगली मंडल, डोंगली रेखा भोसले कांग्रेस, हसन टाकली दत्तू कांग्रेस,धोती संग्राम पाटील कांग्रेस, मालापुर श्रीकांत कांग्रेस, एंबुरा युनुस पटेल कांग्रेस, माधन हीपरगा लक्ष्मण बच्चे वार कांग्रेस, मोगा बसंत पाटील कांग्रेस, लिंबुर सुजाता शिवारेड्डी निर्दलीय, शिरपुर गजू पटेल निर्दलीय, कुर्ला शोभा बी आर एस मारेपल्ली श्रीधर कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार विजयी हुए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टूर्नामेंट के दौरान भारतीय स्टार बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की अचानक बिगड़ी तबीयत

हॉस्पिटल में हुए भर्ती

मुंबई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की तबीयत बिगड़ गई। वो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेल रहे हैं और टूर्नामेंट के बीच उनकी हालत बिगड़ी। इसी कारण उन्हें पिंपरी-चिंचवाड़ में स्थित एक अस्पताल में भर्ती किया गया। हालांकि, उनकी फिटनेस मुंबई की टेंशन बढ़ा रही होगी, क्योंकि वो सुपर लीग के मैचों में कमाल का प्रदर्शन कर रहे हैं। अगर किसी कारण वो आने वाली विजय हजारे ट्रॉफी का एक भी मैच मिस करते हैं, तो टीम को तगड़ा नुकसान होगा।

यशस्वी जायसवाल की बिगड़ी तबीयत

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक यशस्वी जायसवाल को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। उन्हें एक्यूट गैस्ट्रोएन्टेरिटिस के कारण पेट में दिक्कत हुई। राजस्थान के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मैच के बाद पेट में क्रैम्प्स बढ़ गए और उन्हें आदित्य बिरला अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां उनकी जांच हुई। जायसवाल को 4 मेडिसिन दी गई और उनका अल्ट्रासाउंड एवं सीटी स्कैन हुआ। बता दें कि जायसवाल की तबीयत उतनी सीरियस नहीं है। उन्हें दवाई लेने और आराम करने की सलाह दी गई।

यशस्वी जायसवाल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तीन मैच खेले और 145 रन बनाए। इसी बीच उनका औसत 48।33 का रहा और उन्होंने 168।6 के स्ट्राइक रेट से रन जड़े। जायसवाल ने इसके पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में कमाल किया था और आखिरी मुकाबले में शतक जड़ा था। उनका ये प्रदर्शन भी जारी रहा। उन्होंने भारत की टी20 टीम में वापसी की दावेदारी भी ठोक दी।

विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे यशस्वी?

भारत की अगले वनडे सीरीज जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली है। इसके पहले यशस्वी जायसवाल खुद को अच्छी फॉर्म में रखना चाहेंगे। उनका लक्ष्य टीम इंडिया में अपनी जगह बचाने पर भी होगा, क्योंकि गिल की अब वनडे में वापसी हो जाएगी। ऐसे में जायसवाल 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा ले सकते हैं। रोहित शर्मा भी वीएचटी में कुछ मैच खेलने वाले हैं और जायसवाल भी ऐसा ही कर सकते हैं।

काव्या मारन ने दिए जिसे 13 करोड़, उसने 48 गेंदों में जिताया मैच, 9 गेंदों को मारा बाउंड्री के बाहर

अबू धाबी, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। 16 दिसंबर को अबू धाबी में हुए आईपीएल ऑक्शन में जिस खिलाड़ी पर काव्या मारन ने 13 करोड़ रुपये लुटाए, उसने उसी दिन सिर्फ 48 गेंदों में मैच जिताऊ पारी खेलकर बता दिया कि उस पर लगाया दांव बेकार नहीं है। बड़ी बात ये है कि उस खिलाड़ी ने खुद को साबित भी अबू धाबी में ही किया। हम बात कर रहे हैं लायम लिविंगस्टन की, जिन्होंने इंटरनेशनल लीग T20 के मुकाबले में 16 दिसंबर को अपनी टीम अबू धाबी नाइट राइडर्स के लिए डेजर्ट वाइपर्स के खिलाफ दमदार पारी खेली।

लिविंगस्टन ने 48 गेंदों में खेली विस्फोटक पारी

इंग्लैंड के ऑलराउंडर लायम लिविंगस्टन ने मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी अपनी टीम के लिए इतने रन मारे कि वो इस सीजन में उनका दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बन गया। लिविंगस्टन ने अबू धाबी में खेले टी20 में चौथे नंबर पर उतरकर सिर्फ 48 गेंदों में ही 76 रन ठोक दिए। 158 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट के साथ खेली इस पारी के दौरान उन्होंने 9 गेंदों को बाउंड्री के बाहर मारा। मतलब, उन्हें छक्के और चौके के जरिए सीमारेखा के पार किया। लिविंगस्टन ने 6 चौके और 3 छक्के जमाए।

1 रन से मैच जीती लिविंगस्टन की टीम

लायम लिविंगस्टन की इस विस्फोटक पारी का नतीजा ये हुआ कि उनकी टीम अबू धाबी नाइट राइडर्स ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 181 रन बना दिए। जवाब में 182 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डेजर्ट वाइपर्स 20 ओवर में 6 विकेट पर 180 रन बनाकर ही थम गई और 1 रन से मुकाबला हार गई।

लिविंगस्टन के लिए काव्या मारन ने खोली तिजोरी

लायम लिविंग्स्टन वही खिलाड़ी हैं, जिनके लिए काव्या मारन ने अपनी तिजोरी खोलकर रख दी। हालांकि, आईपीएल 2026 के ऑक्शन के पहले राउंड में वो नहीं बिके थे। लेकिन, जब दूसरी बार जब उनका नाम आया तो केकेआर, हैदराबाद, लखनऊ और गुजरात की टीमें ने उन्हें खरीदने के लिए टूट पड़ीं।

13 करोड़ में मारी बाजी

लिविंगस्टन पर बोली लगाने की शुरुआत केकेआर ने की थी। फिर उसमें गुजरात भी कूद पड़ी। लेकिन आखिर में असली टक्कर लखनऊ और हैदराबाद के बीच हुई। एलएसजी उन्हें खरीदने के लिए 12।8 करोड़ तक गई, सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 करोड़ रुपये में डील क्लोज कर दी।

डोनाल्ड ट्रंप की वजह से दिग्गज ने डब्ल्यूडब्ल्यूई को कहा अलविदा

आरोप लगाकर किया बड़ा खुलासा

वाशिंगटन, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई में मिक फोली का बहुत बड़ा नाम है। दिग्गजों की लिस्ट में वो आते हैं। अब उन्हें लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। फोली ने डब्ल्यूडब्ल्यूई को अलविदा कह दिया है। उन्होंने खुद इस बारे में जानकारी प्रदान की। फोली ने कहा कि वो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ कंपनी के रिलेशन के कारण डब्ल्यूडब्ल्यूई से अलग हो रहे हैं। फोली लंबे समय से कंपनी के साथ मिलकर काम कर रहे थे, लेकिन अब उन्होंने बड़ा कदम उठाया है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई दिग्गज मिक फोली का बड़ा बयान

हाल ही में दिवंगत फिल्म निर्माता रॉब रेनर के बारे में डोनाल्ड ट्रंप ने गलत टिप्पणी की थी। मिक फोली ने इस बात सवाल उठाए और कहा कि डब्ल्यूडब्ल्यूई के उनके साथी ट्रंप का समर्थन कैसे कर सकते हैं। फोली ने इंस्टाग्राम पर लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर करते हुए लिखा,"मैंने डब्ल्यूडब्ल्यूई से नाता तोड़ दिया। पिछले कुछ महीनों से मैं डब्ल्यूडब्ल्यूई और डोनाल्ड ट्रंप के रिलेशन को लेकर चिंता में रहा हूं। खासकर उनके द्वारा आप्रवासियों के साथ किए जा रहे गलत व्यवहार को देखते हुए। रॉब रेनर के निधन के बाद ट्रंप की बेहद खराब टिप्पणियों को पढ़कर मेरा सब्र टूट गया"।

उन्होंने आगे कहा,"मैं अब ऐसी कंपनी में नहीं रहना चाहता जो ऐसे व्यक्ति को संरक्षण दे रही है। वो हमारे देश को तानाशाही की तरफ ले जा रहे हैं। कल मैंने डब्ल्यूडब्ल्यूई को बता दिया था कि जब तक ट्रंप पद पर बने रहेंगे तब तक मैं कंपनी के लिए कोई प्रोग्राम नहीं करूंगा। जून में मेरी लैजेंड डील भी खत्म होने वाली है। मैं उसके बाद कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं करूंगा। मुझे डब्ल्यूडब्ल्यूई से बहुत प्यार है। वहां पर बिताए गए पलों को हमेशा संभाल कर रखूंगा। कंपनी ने मुझे जो अवसर दिए उसके लिए धन्यवाद, लेकिन अब ज्यादा सहन नहीं कर सकता हूं"।

डब्ल्यूडब्ल्यूई और डोनाल्ड ट्रंप का रिश्ता है काफी मजबूत

डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ बहुत लंबे समय से डोनाल्ड ट्रंप जुड़े हुए हैं। ट्रंप कई बार रिंग में भी आ चुके हैं। विंस मैकमैहन के साथ उन्होंने एक खास स्टोरीलाइन पर काम किया था। हाल ही में ट्रिपल एच और स्टेफनी मैकमैहन ने व्हाइट हाउस का दौरा किया था। वहां पर लिंडा मैकमैहन और कैनेडी जूनियर सहित कई अन्य लोग भी मौजूद थे। मिक फोली इस बात से खुश नहीं थे। उन्होंने पहले भी कई बार ट्रंप के खिलाफ बड़े बयान दिए हैं।

एलेक्स कैरी ने एडिलेड टेस्ट में ठोका शतक

टेस्ट करियर में पहली बार किया ऐसा कारनामा

एडिलेड, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। एडिलेड में खेले जा रहे एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट में एलेक्स कैरी ने कमाल कर दिया है। उन्होंने इस टेस्ट की पहली पारी में शतक जमाया है। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज का ये शतक कई मामलो में खास है। सबसे बड़ी बात तो ये है कि ये इंग्लैंड के खिलाफ उनका पहला टेस्ट शतक है। मतलब, पहली बार टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ ट्रिपल फीगर में स्कोर किया है। उस लिहाज से ये इंग्लैंड के खिलाफ एलेक्स कैरी की सबसे बड़ी पारी भी है।

एलेक्स कैरी ने इंग्लैंड के खिलाफ एडिलेड टेस्ट की पहली पारी में 143 गेंदों का सामना करते

हुए 106 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। इस इनिंग के दौरान उन्होंने अपना शतक 135 गेंदों पर पूरा किया। एलेक्स कैरी का ये इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में जमाया पहला शतक जरूर है। मगर ओवरऑल ये उनके टेस्ट करियर का तीसरा शतक है।

एलेक्स कैरी के कदम एडिलेड की क्रीज पर तब पड़े थे, जब ऑस्ट्रेलिया के टॉप के 4 विकेट 100 रन के अंदर गिराकर इंग्लैंड मैच में अपना दबदबा कायम करता दिख रहा था। एलेक्स कैरी ने ना सिर्फ उस दबदबे को चुनौती दी। उसका डटकर सामना किया बल्कि अंत में वो हावी दिख रहे इंग्लैंड को बैकफुट पर भी धकेलने में कामयाब रहे।

एलेक्स कैरी ने अपनी इनिंग के दौरान 3 अर्धशतकीय साझेदारियां की। उन्होंने 5वें विकेट के लिए उस्मान ख्वाजा के साथ मिलकर 91 रन जोड़े। फिर छठे विकेट के लिए इंग्लिस के साथ 59 रन और 8वें विकेट के लिए स्टार्क के साथ पूरे 50 रन की साझेदारी की।

भोले के भक्त, स्टाइलिश अंदाज, बल्ले से ऐसा रिकॉर्ड

सांसद पप्पू यादव के बेटे पर क्यों लगाया केकेआर ने दांव?

कोलकाता, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव के बेटे सार्थक राजेश रंजन अब क्रिकेट के मैदान में धूम मचाएंगे। कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें आईपीएल 2026 के लिए 30 लाख रुपये में खरीदा है। दिल्ली प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें यह मौका मिला है।

नई दिल्लीः बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव के बेटे सार्थक राजेश रंजन ने राजनीति के गलियारों से निकलकर क्रिकेट की पिच पर अपना परचम लहरा दिया है। आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस विस्फोटक ओपनर को 30 लाख रुपये के बेस प्राइस पर अपने स्क्वाड में शामिल किया है। सार्थक रंजन के लिए यह मुकाम हासिल करना आसान नहीं रहा। विवादों से लेकर धमाकेदार प्रदर्शन तक, उनकी कहानी काफी दिलचस्प है।

सार्थक रंजन के आईपीएल चयन का सबसे बड़ा रास्ता दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 से खुला। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से तहलका मचा दिया। उन्होंने 9 मैचों में 146।73 के स्ट्राइक रेट से कुल 449 रन बनाए। उन्होंने मात्र 58 गेंदों में एक तूफानी शतक जड़ा और 4 अर्धशतक भी अपने नाम किए। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे।

29 साल के सार्थक रंजन केवल अपने बल्ले के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी जबरदस्त फिटनेस और स्टाइल के लिए भी चर्चा में रहते हैं। उनके हाथ पर महादेव का एक बड़ा टैटू बना हुआ है। उनकी शारीरिक बनावट और स्टाइल देखकर अक्सर लोग उनकी तुलना प्रोफेशनल मॉडल्स और बॉलीवुड एक्टर्स से करते हैं।

25.20 करोड़ में नीलामी के बाद 0 पर अउट हुए कैमरन ग्रीन

खेल डेस्क, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। आईपीएल ऑक्शन 2026 में जिस पर करोड़ों की बारिश हुई। इतना पैसा मिला कि वो आईपीएल इतिहास का ही सबसे महंगा विदेशी प्लेयर बन गया। उसके लिए अब एक रन भी बनाना मुश्किल हो गया। हम बात कर रहे हैं ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज कैमरन ग्रीन की, जिन्हें अबू धाबी में 16 दिसंबर को हुए ऑक्शन में 25।20 करोड़ रुपये की मुंहमांगी रकम तो मिली। मगर उसके बाद उनका खेल बुरी तरह फेल हो गया। ऑक्शन के अगले दिन यानी 17 दिसंबर से शुरू हुए एडिलेड टेस्ट में जब वो खेलने उतरे तो पहली पारी में उनसे एक रन भी नहीं बने और बिना खाता खोले ही आउट हो गए।

आर्चर ने 25।20 करोड़ के खिलाड़ी को ऐसा छकाया

कैमरन ग्रीन ने अपनी इनिंग के दौरान 2 गेंदों का सामना किया और फिर बिना कोई रन बना जीरो पर ही आर्चर का शिकार बन गए। पहले दिन के खेल में लंच के बाद आर्चर की 138 केएमपीएच की रफ्तार से डाली गेंद पर ग्रीन चकमा खा गए और मिडविकेट पर खड़े कार्स को कैच थमा बैठे।

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी का बुरा हाल

कैमरन ग्रीन को आईपीएल ऑक्शन 2026 में केकेआर ने 25।20 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस रकम के साथ ग्रीन ने आईपीएल में मिचेल स्टार्क के नाम दर्ज सबसे महंगे विदेशी प्लेयर होने के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। मिचेल स्टार्क को भी केकेआर ने ही 24।75 करोड़ में खरीदा था।

एडिलेड टेस्ट में ग्रीन के आउट होने वाली तस्वीर जाहिर सी बात है कि केकेआर के लिए अच्छी नहीं होगी। इससे पहले भी इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट की 2 पारियों में खुद को मिले स्टार्ट को बड़े स्कोर में बदलने में ग्रीन नाकाम रहे थे। उन्होंने पर्थ में खेली एक पारी में 24 रन बनाए थे। जबकि ब्रिसबेन में उन्होंने 45 रन की पारी खेली थी।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का तीसरा टेस्ट एडिलेड में खेला जा रहा है। इससे पहले खेले दो टेस्ट का नतीजा ऑस्ट्रेलिया के फेवर में रहा है। मतलब वो 2-0 से 5 टेस्ट की सीरीज में आगे है।

सीएसके ने खरीद तो लिया है, लेकिन प्लेइंग-11 में शायद ही मिले जगह, पानी पिलाते रह जाएंगे ये 5 खिलाड़ी?

चेन्नई, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2026 के ऑक्शन 9 खिलाड़ियों को खरीदा। टीम के पास दूसरा सबसे बड़ा पर्स था। दो अनकैप्ड खिलाड़ी कार्तिक शर्मा और प्रशांत वीर को खरीदने के लिए फ्रेंचाइजी ने 14।2 और 14।2 करोड़ रुपये दे दिए। इसके अलावा राहुल चाहर, मैट हेनरी, अकील हुसैन, मैथ्यू शॉट, जैक फौल्कर, सरफराज खान और अमन खान को अपने साथ जोड़ा। इसनमें 5 खिलाड़ी को शायद आईपीएल 2026 में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। हम आपको उनके नाम बताते हैं।

राहुल चाहर

चेन्नई सुपर किंग्स ने राहुल चाहर को 5 करोड़ 20 लाख रुपये में खरीदा। पिछले सीजन हैदराबाद ने राहुल को सिर्फ एक मैच में मौका दिया था। सीएसके के पास नूर अहमद के रूप में कमाल का कलाई का स्पिनर है। ऐसे में टीम फिंगर स्पिनर को ही प्लेइंग इलेवन में शामिल करना चाहेगी। उनके पास पहले से श्रेयस गोपाल के रूप में एक लेग स्पिनर भी है।

अमन खान

दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए अमन खान आईपीएल में खेल चुके हैं। वह मुख्य रूप से फिनिशर की भूमिका में आते हैं। धोनी, प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा जैसे फिनिश के होने की वजह से उन्हें बेंच पर ही बैठना पड़ सकता है।

सरफराज खान

चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह सेट है। टॉप ऑर्डर में कोई जगह ही खाली नहीं है। कप्तान रुतुराज के साथ ही संजू सैमसन, आयुष म्हात्रे और उर्विल पटेल जैसे नाम हैं। ऐसे में सरफराज को बिना किसी चोट के प्लेइंग इलेवन में जगह मिलना मुश्किल है।

मैथ्यू शॉर्ट

आईपीएल की प्लेइंग इलेवन में 4 ही विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं। नूर अहमद, डेवाल्ड ब्रेविस के साथ ही नाथन एलिस का खेलना तय है। अकील हुसैन, जिमी ओवर्टन और मैट हेनरी का विकल्प भी है। ऐसे में शायद ही मैथ्यू शॉर्ट को मौका मिल पाए।

जैक फौल्कस

न्यूजीलैंड के 23 साल के तेज गेंदबाज 75 लाख की बेस प्राइस पर सीएसके से जुड़े हैं। 17 टी20 इंटरनेशनल मैच में उनके नाम 18 विकेट हैं। वह निचले क्रम में छक्के-चौके भी मार सकते हैं। हालांकि सीएसके के पास मैट हेनरी और नाथन एलिस के रूप में दो अनुभवी विदेशी गेंदबाज मौजूद हैं।

वैभव सूर्यवंशी के 2 दोस्तों की भी आईपीएल में एंट्री

एक बरसाता है छक्के, दूसरा उड़ाता है स्टंप्स

बेंगलुरु, 17 दिसंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 सीजन में एक बार फिर युवा भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आकर्षण का केंद्र होंगे। सिर्फ 14 साल की उम्र में आईपीएल में डेब्यू कर वैभव पिछले करीब 8-9 महीनों में ही दुनियाभर में अपनी छाप छोड़ी है। अब जल्द ही वो अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में भी अपना कमाल करेंगे। इसी वर्ल्ड कप में वैभव सूर्यवंशी के 2 ऐसे दोस्त भी टीम इंडिया का हिस्सा होंगे, जो उसके बाद आईपीएल में भी अपनी छाप छोड़ने उतरेंगे क्योंकि आईपीएल 2026 ऑक्शन में इन दो खिलाड़ियों को खरीद लिया गया है। वैभव के ये दो दोस्त हैं- विहान मल्होत्रा और कनिष्क चौहान।

एक ही टीम में कनिष्क-विहान को मौका

दुबई में अंडर-19 एशिया कप 2026 के मुकाबले में भारत और मलेशिया आमने-सामने थे। एक तरफ ये मैच चल रहा था और उसी के कुछ देर बाद अबू धाबी से करीब 150 किलोमीटर दूर अबू धाबी में आईपीएल 2026 सीजन के लिए ऑक्शन का आगाज हो रहा था। इस मैच में वैभव सूर्यवंशी तो खेल ही रहे थे लेकिन उनके अलावा विहान मल्होत्रा और कनिष्क चौहान भी अपना दम दिखाने उतरे थे। विहान के लिए तो ये मैच अच्छा नहीं रहा और 7 रन ही बना सके लेकिन कनिष्क ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 1 विकेट हासिल किया।

दोनों ने मिलकर टीम इंडिया को जीत दिलाने में योगदान दिया और फिर इसके कुछ ही देर बाद विहान और कनिष्क को सबसे खास खबर मिल गई। आईपीएल ऑक्शन के बिल्कुल अंत में इन दोनों का नाम आया और दोनो को ही खरीदार मिल गए। बाएं हाथ के बैटिंग ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 30 लाख रुपये के बेस प्राइस में खरीद लिया। इसके बाद अगला ही नंबर स्पिनर ऑलराउंडर कनिष्क का था और उन्हें भी बेंगलुरु ने ही 30 लाख के बेस प्राइस पर खरीद लिया।

एक दमदार बैटर, दूसरा धाकड़ स्पिनर

विहान मल्होत्रा की बात करें तो कुछ ही महीने पहले वो इंग्लैंड दौरे पर अपना दम दिखा चुके हैं। उन्होंने यहां 2 यूथ टेस्ट मैच में 277 रन बनाए थे। वहीं 5 वनडे मैच में उन्होंने 48 की औसत से 243 रन भी बनाए थे, जिसमें एक शतक भी शामिल था।

वहीं ऑफ ब्रेक बॉलर कनिष्क की फिरकी को समझ पाना बल्लेबाजों के लिए मुश्किल साबित हुआ है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्होंने अंडर-19 टीम के साथ 3 वनडे मैच में 6 विकेट लिए थे। वहीं अंडर-19 एशिया कप में भी वो 3 मैच में 4 विकेट झटक चुके हैं, जिसमें से 3 विकेट तो पाकिस्तान के खिलाफ ही आए थे।

मतदान का सीएस और डीजीपी ने किया अवलोकन

ग्राम पंचायत चुनाव के तीसरे चरण का मतदान सम्पन्न

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में चल रहे ग्राम पंचायत चुनावों के तहत बुधवार को तीसरे चरण के मतदान की स्थिति का राज्य के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी ने राज्य निर्वाचन कार्यालय में स्थापित वेबकास्टिंग प्रणाली के माध्यम से राज्य निर्वाचन आयुक्त रानी कुमुदिनी के साथ मिलकर अवलोकन किया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव ने कहा कि आने वाले चुनावों में वेबकास्टिंग जैसी आधुनिक तकनीक का और अधिक व्यापक उपयोग कर चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि तकनीक के उपयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं में कमी आती है, जिससे जनता का चुनाव प्रणाली पर विश्वास बढ़ता है और मतदान प्रतिशत में भी वृद्धि की संभावना रहती है। मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि पहले और दूसरे चरण की तुलना में तीसरे चरण में मतदान प्रतिशत बढ़ने की संभावना है।

चुनावों के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन के लिए उन्होंने जिला कलेक्टरों, निर्वाचन अधिकारियों और मतदान कर्मियों की सराहना की। वहीं, डीजीपी शिवधर रेड्डी ने बताया कि ग्राम पंचायत चुनावों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस विभाग द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

इस दौरान पंचायत राज विभाग के प्रमुख सचिव श्रीधर, पंचायत राज आयुक्त श्रीजन, राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव मांडा मकरंदम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने हैदराबाद में वार्षिक शीतकालीन प्रवास की शुरुआत की

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार को अपने वार्षिक शीतकालीन प्रवास के तहत सिकंदराबाद स्थित राष्ट्रपति निलयम पहुँचीं। हकीमपेट एयरफोर्स स्टेशन पर उनका स्वागत राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, मंत्री श्रीधर बाबू और सीतक्का सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। राष्ट्रपति 22 दिसंबर तक राष्ट्रपति निलयम में ठहरेंगी। 19 दिसंबर को वह तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी। 20 दिसंबर को राष्ट्रपति ब्रह्माकुमारी शांति सरोवर द्वारा हैदराबाद में आयोजित 21वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारत की शाश्वत बुद्धिमत्ता: शांति और प्रगति के मार्ग विषयक सम्मेलन को संबोधित करेंगी।

तेलंगाना के राज्यवाल जिष्णुदेव वर्मा, डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने हकीमपेट एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत किया।

हैदराबाद में 20-21 दिसंबर को उपराष्ट्रपति का दौरा

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन 20 और 21 दिसंबर को हैदराबाद के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 20 दिसंबर को वे शमशाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे और वहां से सीधे रामोजी फिल्म सिटी जाएंगे। जहां वे लोक सेवा आयोग के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में भाग लेंगे। इसके बाद वे लोक भवन में रात्रि विश्राम करेंगे। 21 दिसंबर की सुबह उपराष्ट्रपति कन्हा शांति वन में आयोजित विश्व ध्यान दिवस कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम के पश्चात वे शमशाबाद हवाई अड्डे के लिए रवाना होकर नई दिल्ली लौट जाएंगे। उपराष्ट्रपति के दौरे की तैयारियों की समीक्षा राज्य सरकार के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ टेली-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था, उपराष्ट्रपति के यात्रा मार्ग पर सड़कों की व्यवस्था, प्रोटोकॉल तथा अन्य आवश्यक प्रबंधों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि उपराष्ट्रपति के दौरे के दौरान किसी भी प्रकार की कमी न रहे और सभी व्यवस्थाएं पुख्ता रूप से सुनिश्चित की जाएं।

पंचायत चुनाव के तीसरे चरण का मतदान शांतिपूर्ण रहा

कलेक्टर ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले में ग्राम पंचायत चुनावों के तीसरे चरण की मतदान प्रक्रिया बुधवार को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी महेश्वरम ने कहा कि मतदान के दौरान कहीं भी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई और पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में चली।

तीसरे चरण के तहत जिले के सात मंडलों में मतदान कराया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने महेश्वरम मंडल के थुम्मलूर और महेश्वरम स्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं और प्रबंधन का जायजा लिया तथा चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर में चुनाव लड़ रहे सरपंचों और वार्ड सदस्यों की सूची की जांच की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि संबंधित मतदान केंद्रों पर मतदान प्रतिशत को निर्धारित प्रारूप में समय-समय पर दर्ज किया जाए। साथ ही दूसरे चरण के रिटर्निंग अधिकारियों को मतदाता पंजीकरण और मतदाता सूची में क्रम संख्या की शुद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने पीठासीन अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मतदान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की छोटी-मोटी त्रुटि न हो और मतदान पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि दोपहर से पहले ही मतदाता मतदान केंद्रों पर कतार में लगकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचे, ऐसे में सभी मतदाताओं को अपने वोट का प्रयोग करने का पूरा अवसर दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निर्धारित समय के बाद किसी भी व्यक्ति को मतदान केंद्र के गेट के भीतर प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही मतगणना प्रक्रिया दोपहर 2 बजे से शुरू करने और पूरी गणना शांतिपूर्ण ढंग से करते हुए किसी भी प्रकार की त्रुटि से बचने के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने बताया कि मतदान केंद्रों पर चुनाव संबंधी कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पूरी की जा सके।

ठंड के कारण मतदान धीमा, सुबह 9 बजे तक 20-27 प्रतिशत वोटिंग

आदिलाबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व आदिलाबाद जिले में पंचायत चुनाव के तीसरे और अंतिम चरण के तहत बुधवार को मतदान धीमी गति से शुरू हुआ। इस चरण में 446 गांवों में मतदान कराया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में रेब्बेना, आसिफाबाद, कागजनगर और तिरियानी मंडलों के 104 गांवों में सुबह 9 बजे तक 18.95 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। आदिलाबाद जिले में बाजारहथनूर, बोथ, गुड़ीहथनूर, नेरादिगोंडा, सोनाला और तलमदुगु मंडलों के 120 गांवों में 19.37 प्रतिशत मतदान हुआ।

इसी तरह निर्मल जिले में बासर, थानूर, कुभीर, मुधोले और भैंसा सहित 124 गांवों में 26.19 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मंचरियाल जिले के भीमराम, चेन्नूर, जयपुर, कोटापल्ली और मंदामारी मंडलों के 98 गांवों में 27.15 प्रतिशत मतदान हुआ। इनमें मंदामारी मंडल में सबसे अधिक 34.92 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। कुमराम भीम आसिफाबाद और आदिलाबाद जिलों में कड़ाके की ठंड के कारण मतदान की रफ्तार धीमी रही। दोनों जिलों में न्यूनतम तापमान करीब 6 डिग्री सेल्सियस रहा, जिससे लोग सुबह 9 बजे तक घरों में ही रहे। ग्रामीण अलाव जलाकर और ऊनी कपड़े पहनकर ठंड से बचते नजर आए। चारों जिलों में सरपंच पद के लिए चुनाव लड़ रहे 1,575 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला 5.18 लाख मतदाता करेंगे। वहीं 446 गांवों के 3,623 वार्डों से वार्ड सदस्य पद के लिए 8,044 उम्मीदवार मैदान में हैं। गौरतलब है कि आदिलाबाद, मंचरियाल, निर्मल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों में 11 और 14 दिसंबर को हुए पहले और दूसरे चरण में 1,000 से अधिक गांवों में मतदान कराया गया था।

यूट्यूब रिपोर्टर जबरन वसूली के मामले में गिरफ्तार

मीडिया के नाम पर धमकी या वसूली बर्दाश्त नहीं : डीसीपी

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शाहअली बंडा थाना पुलिस ने स्वयं को यूट्यूब रिपोर्टर बताने वाले मोहम्मद बिलाल के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज किया है। प्राप्त शिकायत के अनुसार, आरोपी ने कथित रूप से एक पक्ष से 35 हजार रुपए की मांग करते हुए यह झूठा दावा किया कि वह पुलिस थाने में उनके मामले को मैनेज कर सकता है और उनकी गिरफ्तारी रुकवा सकता है।

आरोपी ने रकम न देने की स्थिति में गिरफ्तारी करवाने की धमकी दी। शिकायत में यह भी आरोप है कि आरोपी ने इसी बहाने कई बार शिकायतकर्ता को डराया-धमकाया। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दक्षिण ज़ोन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) किरण खरे ने कहा कि हाल के दिनों में कुछ लोग स्वयं को रिपोर्टर या मीडिया प्रतिनिधि बताकर अवैध गतिविधियों जैसे केस सेटलमेंट, जबरन वसूली और मामूल वसूली में लिप्त पाए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की गैरकानूनी गतिविधियों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डीसीपी ने आम जनता से अपील की कि यदि किसी को इस तरह की अवैध गतिविधियों की जानकारी हो या मीडिया अथवा प्रभाव का नाम लेकर किसी प्रकार की धमकी या वसूली की जा रही हो, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें या सीधे उनके संज्ञान में लाएं। पुलिस सूचना देने वालों को तत्काल कार्रवाई और पूर्ण सुरक्षा प्रदान करेगी।

तद्धनपल्ली टोल पर वाहनों की लंबी कतार

मतदान केंद्र पहुंचने में दिक्कत

संगारेड्डी, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार सुबह चौटाकुर मंडल के तद्धनपल्ली टोल प्लाजा पर एनएच-161 पर वाहनों की लंबी कतारों के कारण यातायात ठप्प हो गया। नारायणखेड़, कामारेड्डी और निजामाबाद जिलों में तीसरे चरण के पंचायत चुनाव होने के चलते हैदराबाद में रहने वाले कई लोग अपने पैतृक स्थानों की ओर मतदान के लिए निकल पड़े। टोल प्लाजा पर सीमित लेनों के कारण वाहनों को पार करने में लगभग 15 से 30 मिनट का समय लग रहा था। कई यात्रियों ने चिंता जताई कि क्या वे समय पर अपने मतदान केंद्रों तक पहुंच पाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया गोलीबारी में हैदराबाद के व्यक्ति की संलिप्तता

भाजपा प्रमुख ने सुरक्षा जांच की मांग की

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा प्रमुख एन रामचंद्र राव ने बुधवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया के बोंडी बीच पर हाल ही में हुई सामूहिक गोलीबारी में हैदराबाद के रहने वाले साजिद अकरम की संलिप्तता न केवल भारत के लिए अपमानजनक है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है। तेलंगाना पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गोलीबारी में 15 लोगों की मौत के संदिग्धों में से एक साजिद अकरम मूल रूप से हैदराबाद का निवासी था। उन्होंने हैदराबाद से बी.कॉम की डिग्री पूरी की थी और लगभग 27 साल पहले रोजगार की तलाश में ऑस्ट्रेलिया चले गए थे। उस समय उनका भारतीय पासपोर्ट वैध था।

भाजपा नेता ने तेलंगाना पुलिस से मामले की पूरी जांच करने और यह पता लगाने का आग्रह किया कि अकरम ने भारत छोड़ने के बाद किन लोगों से संपर्क बनाए रखे। उन्होंने कहा कि यह घटना 'एक खतरनाक प्रवृत्ति को दर्शाती है' और देश व हैदराबाद की छवि धूमिल करने का खतरा है। राव ने कहा, दुर्भाग्य से इसमें शामिल लोग भारत से हैं और वे हैदराबाद से हैं। मुझे लगता है कि हैदराबाद में अब भी आईएसआई और आईएसआईएस के कई स्लीपर सेल मौजूद हैं। ऑस्ट्रेलिया की संघीय पुलिस आयुक्त क्रिसी बैरेट ने बताया कि यह गोलीबारी 'इस्लामिक स्टेट से प्रेरित आतंकवादी हमला' था।

रेलवे कर्मचारियों के लिए बहुउद्देशीय स्वास्थ्य शिविर आयोजित

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल की ओर से 17 दिसंबर को मौला-अली स्थित रेलवे इंस्टीट्यूट में डीजल लोको शेड के कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए एक बहुउद्देशीय हेल्थ कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों में निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करना था। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जिसमें मंडल रेल प्रबंधक हैदराबाद मंडल संतोष कुमार वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक डी.एस. रामा राव, सेंट्रल हॉस्पिटल लालागुड़ा के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. एन.बी.वी.के. साई, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. च. पद्मा, सीनियर मंडल यांत्रिक अभियंता (डीजल लोको शेड) श्री सुनील कुमार तथा सहायक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वी. शारदा उपस्थित रहे। इस अवसर पर हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. एन.बी.वी.के. साई ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से हृदय रोगों एवं जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों पर स्वास्थ्य जागरूकता सत्र लिया। उन्होंने हृदय स्वास्थ्य के महत्व और रोकथाम के उपायों की जानकारी दी। बहुउद्देशीय हेल्थ कैंप से कुल 153 रेलवे लाभार्थियों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। शिविर में ईसीजी, 2डी ईको, टीएमटी (ट्रेडमिल टेस्ट), स्त्री रोग जांच, पैप स्मीयर, त्वचा संबंधी जांच (पिगमेंटेशन, एक्ने), नेत्र परीक्षण (कैटरैक/दोनों आंखों की जांच, गंभीर एनपीडीआर), तथा ईएनटी जांच की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। जांच के दौरान कुछ कर्मचारियों में मधुमेह (डायबिटीज मेलिटस) और उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) के नए मामले भी सामने आए। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने सेवाएं दीं, जिनमें डॉ. विनिता (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. साक्षी (त्वचा रोग विशेषज्ञ), डॉ. अंजलि (नेत्र रोग विशेषज्ञ), डॉ. राजू नायक (जनरल मेडिसिन) और डॉ. वेंकटेश (हृदय रोग विशेषज्ञ) शामिल थे। इस दौरान गैर-संचारी रोगों की शीघ्र पहचान और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने एक ही स्थान पर व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए रेलवे प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

मेडिगड्डा बांध की नींव जांच शुरू करने की तैयारी, किसानों में नाराजगी

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अक्टूबर 2023 में मेडिगड्डा बांध के कुछ खंभे धंसने के दो साल से अधिक समय बाद अब सिंचाई विभाग ने ब्लॉक-7 की खुली नींव जांच शुरू करने की तैयारी कर ली है। आलोचकों का कहना है कि यह कदम काफी पहले उठाया जाना चाहिए था और अब यह बढ़ते जन और राजनीतिक दबाव के कारण लिया जा रहा है। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना का अहम हिस्सा मेडिगड्डा बांध पिछले दो वर्षों से बंद पड़ा है। इसके चलते आसपास के इलाकों में किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। कई फसलें बर्बाद हो चुकी हैं और किसानों का गुस्सा लगातार बढ़ रहा है। किसान सरकार पर परियोजना की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

इस बीच विपक्षी भारत राष्ट्र समिति ने भी सरकार के खिलाफ आंदोलन तेज कर दिया है। पार्टी सिंचाई परियोजनाओं और जल अधिकारों को लेकर प्रदर्शन कर रही है। बीआरएस ने 21 दिसंबर को अपनी राज्य स्तरीय कार्यकारिणी और विधायक दल की बैठक बुलाकर आगे की रणनीति तय करने का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार, किसानों के विरोध और राजनीतिक दबाव को देखते हुए कांग्रेस सरकार को कार्रवाई के लिए मजबूर होना पड़ा है। सिंचाई विभाग ने पुष्टि की है कि ब्लॉक-7 की विस्तृत खुली नींव जांच जल्द शुरू की जाएगी।

इस जांच के तहत बांध से पानी निकाला जाएगा, कॉफरडैम बनाया जाएगा और नींव को पूरी तरह उजागर कर उसकी तकनीकी जांच की जाएगी। इसमें बोरहोल, भू-तकनीकी सर्वे और किसी भी कटाव या खाली जगह की जांच शामिल होगी। यह कदम राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण की अप्रैल में आई रिपोर्ट की सिफारिशों के आधार पर उठाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि मेडिगड्डा बांध से 2027 से पहले सिंचाई शुरू होने की संभावना नहीं है। जांच से यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि खंभों का झुकाव किस कारण हुआ था। इसके बाद ही मरम्मत और पुनर्वास की अंतिम योजना तैयार की जाएगी।

सरकार का दावा है कि पूरा जीर्णोद्धार कार्य 2026 की शुरुआत में शुरू हो सकता है, लेकिन किसानों को परियोजना का पूरा लाभ मिलने में अभी लंबा समय लगेगा। किसान संगठनों और विपक्षी नेताओं का कहना है कि सरकार की देरी से संकट और गहरा गया है। किसानों का कहना है कि दो साल से वे परेशान हैं और अब जब विरोध तेज हुआ है, तब जाकर सरकार हरकत में आई है। आगामी जांच को एक अहम कदम बताया जा रहा है, लेकिन किसानों को अब भी इस बात का इंतजार है कि कब उन्हें वास्तव में पानी मिलना शुरू होगा।

कश्मीर में अरहर की नई किस्मों ने दिखाई सफलता

हैदराबाद, 17 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीआरआईएसएटी द्वारा विकसित जलवायु-प्रतिरोधी अरहर की संकर किस्मों ने कश्मीर के उच्च-ऊंचाई वाले क्षेत्रों में किए गए परीक्षणों में अच्छे परिणाम दिखाए हैं। इससे उस क्षेत्र में अरहर की खेती का नया रास्ता खुल गया है, जिसे पहले इस फसल के लिए अनुकूल नहीं माना जाता था। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह सफलता किसानों की आय बढ़ाने, फसल विविधीकरण और जलवायु बदलाव के अनुकूल ढलने में मदद कर सकती है। अंतर्राष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान और शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने इस वर्ष की शुरुआत में घाटी के ऊँचे क्षेत्रों में अरहर की नई किस्मों का परीक्षण शुरू किया। ये परीक्षण शीतोष्ण क्षेत्रों में जल्दी पकने वाली, प्रकाश के प्रति संवेदनशील, गर्मी और ठंड सहनशील किस्मों पर केंद्रित हैं, जहाँ पारंपरिक रूप से अरहर की खेती नहीं होती थी।

आईसीआरआईएसएटी की टीम ने सागम स्थित पर्वतीय फसल अनुसंधान केंद्र में कई किस्मों में पौधों की मजबूत वृद्धि, ठंडी रात के तापमान के प्रति सहनशीलता और स्थिर पुष्पन देखा। शोधकर्ताओं का कहना है कि यदि ये विशेषताएँ अगले मौसमों में भी सही पाई जाती हैं, तो अरहर कश्मीर में एक व्यवहार्य फसल बन सकती है। यह फसल विविधीकरण, खाद्य और पोषण सुरक्षा तथा जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीलापन बढ़ाने में मदद करेगी। आईसीआरआईएसएटी के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से हिमालयी क्षेत्र की कृषि में बदलाव आ रहा है, ऐसे में राष्ट्रीय संस्थानों के साथ साझेदारी बहुत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने एसकेयूएएसटी-के और इसके कुलपति डॉ. नजीर अहमद गनई के समर्थन की सराहना की। उप महानिदेशक (अनुसंधान एवं नवाचार) डॉ. स्टैनफोर्ड ब्लेड ने कहा कि यह पहल सरकार की जलवायु नवाचार और कृषि आत्मनिर्भरता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आईसीआरआईएसएटी का सीएमएस अरहर पर काम 2008 से चल रहा है, जब उसने दुनिया का पहला सीएमएस सकर, आईसीपीएच 2671 विकसित किया था। वर्तमान प्रगति कश्मीर में संकर बीज उत्पादन को सक्षम बना सकती है। इससे कीट प्रकोप कम होंगे, पुष्पन की अवधि बढ़ेगी और ऑफ-सीजन उत्पादन को भी बढ़ावा मिल सकता है। यह कदम शून्य भूख, जिम्मेदार उत्पादन और जलवायु कार्रवाई जैसे सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप भी है।

यूनियन बैंक Union Bank

युनियन बैंक ऑफ़ इण्डिया
क्षेत्रीय कार्यालय, ओंगोल
आंजनेया काम्प्लेक्स, दूसरी गली, भाग्यनगर, ओंगोल-523001

1700-1870 स्क्वे.फीट अधिमापन युक्त बिल्डिंग लीज/किराये पर चाहिए

युनियन बैंक ऑफ़ इण्डिया के लिए, हमारे मौजूदा ओंगोल स्थित एसएसएन डिग्री कॉलेज शाखा को स्थानांतरित करने हेतु एसएसएन डिग्री कॉलेज शाखा (मौजूदा स्थान के समीप) भूतल पर, पर्याप्त पार्किंग सहित 1700-1870 स्क्वे. फिट्स अधिमापन युक्त कार्पेट एरिया बढिया ढंग से निर्मित, तैयार तुरंत दाखिल होने/निर्माणाधीन परिसर चाहिए।

भावी विक्रेता जो तत्संबंधित मालिकाना अधिकार अथवा मालिकों की ओर से वार्तालाप करने में सक्षम हों, वे, युनियन बैंक ऑफ़ इण्डिया, क्षेत्रीय कार्यालय, आंजनेया काम्प्लेक्स, दूसरी गली, भाग्यनगर, ओंगोल-523001 से दि.18-12-2025 से 29-12-2025 तक कार्यालयीन समय के दौरान तकनीकी बोली या टेक्नीकल बिड/मूल्य बोली या प्राईस बिड प्रारूपों को, **वेबसाइट्स् -www.unionbankofindia.com** अथवा **http://govtenders.nic.in** से डाउनलोड कर सकते हैं या इसे प्राप्त कर सकते हैं तथा तत्संबंधित स्वयं के तकनीकी बोली एवम् इन मूल्य बोली के प्रस्तावों को, पृथक रूप में, मुहरबंद लिफाफे में डालकर, इस मुहरबंद लिफाफे पर तकनीकी बोली /मूल्य बोली अंकित कर, युनियन बैंक ऑफ़ इण्डिया, क्षेत्रीय कार्यालय, ओंगोल के उपरोक्त पते पर दि.29-12-2025 के दोपहर 3.00 तक या इससे पहले प्रस्तुत करना चाहिए। तकनीकी बोली को, उपरोक्त पते पर, विक्रेता/तत्संबंधित प्रतिनिधियों के समक्ष दि. 29-12-2025 के दोपहर 3.30 बजे खोला जायेगा। कृपया दलाल या मध्यस्थ क्षमा करें। इस मामले में पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग द्वारा लीज पर दिये जानेवाली तत्संबंधित प्रापर्टीज अथवा सरकारी/अर्ध-सरकारी निकायों को प्राधान्यता दी जायेगी। बैंक के पास कोई भी कारण न देते हुए आफर्स या प्रस्तावों को स्वीकार या निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है। हस्ता./--

सहायक महा प्रबंधक,
युनियन बैंक ऑफ़ इण्डिया, क्षेत्रीय कार्यालय, ओंगोल

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in
पर्यवेक्षण विभाग
क्षेत्रीय कार्यालय, 6-1-56, सचिवालय रोड, सैफाबाद, हैदराबाद - 500 004

सार्वजनिक सूचना

मेसर्स एचबीसी फाइनेंस एंड लीज़िंग लिमिटेड

(म.सं. 8-2-293/82/A/839M, भूमि तल, रोड नं. 44/A, जुबली हिल्स, हैदराबाद, तेलंगाना, 500033)

भारतीय रिज़र्व बैंक ने दिनांक 19 सितंबर, 2025 को एक 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया था, जिसमें मेसर्स एचबीसी फाइनेंस एंड लीजिंग लिमिटेड (कंपनी) को 06 अक्टूबर, 2025 या उससे पहले लिखित रूप में कारण बताने के लिए कहा गया था कि भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-IA के तहत उसे जारी किया गया पंजीकरण प्रमाणपत्र क्यों नहीं निरस्त किया जाना चाहिए। कंपनी ने अब तक कारण बताओ नोटिस का कोई उत्तर नहीं दिया है।

ध्यान दें कि यदि मेसर्स एचबीसी फाइनेंस एंड लीज़िंग लिमिटेड इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर कारण बताओ नोटिस का कोई उत्तर प्रस्तुत करने में विफल रहता है, तो भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-IA (6) के तहत उसे जारी किए गए पंजीकरण प्रमाणपत्र को इस संबंध में आगे कोई सूचना दिए बिना निरस्त करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक बाध्य होगा।

स्थानः हैदराबाद महाप्रबंधक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.